Easy Notes 4u Online Study

03.

युक्तियुक्त तर्क (Logical Reasoning)

A. युक्ति के ढाँचे का बोध (Understanding the Structure of Arguments)

1. Given below are two statements:
Statement-I: Truth and Falsehood are predicates of Arguments
Statement-II: Validity and Invalidity are predicates of Statements
In light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below
नीचे दो कथन दिए गए हैं:
कथन-I: सत्य और असत्य तर्क के निर्धारक हैं।
कथन-II: वैधता और अमान्यता कथनों के निर्धारक हैं।
उपर्युक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

(a) Both Statement I and Statement II are correct/कथन I और II दोनों सही हैं।
(b) Both Statement I and Statement II are incorrect/ कथन I और II दोनों गलत हैं।
(c) Statement I is correct but Statement II is incorrect/कथन I सही है, किन्तु कथन II गलत हैं।
(d) Statement I is incorrect but Statement II is correct/कथन I गलत है, किन्तु कथन II सही है।

NTA UGC NET/JRF June 2021(26-11-2021 Shift-I)

Ans. (a) : उपर्युक्त दिए गए दोनों कथन असत्य है क्योंकि तर्कवाक्य (वाक्य) सत्य या असत्य होते है तथा कथन (युक्ति) वैध या अवैध होती है।युक्ति अनुमान का एक रूप है यह तर्कवाक्यों का वह ढांचा है जिसमें आधारवाक्य तथा निष्कर्ष दोनों विद्यमान होते हैं। यह युक्ति का निष्कर्ष वह तर्कवाक्य है जिसे अन्य तर्कवाक्यों के द्वारा स्वीकार किया जाता है और वे अन्य तर्कवाक्य, जो निष्कर्ष की स्वीकृति के लिए हेतु या साध्य प्रदान करते हैं, आधारवाक्य कहलाते हैं।
वहीं साधारण वाक्य (तर्क) जिसमें निष्कर्ष नहीं दिया जाता है। सामान्य तर्क कहलाते है ये सामान्यतः सत्य या असत्य हो सकते है।

2. Name the fallacy committed in the statements below/ तर्क दोष का नाम बताएं :
"All text books are books intended for careful study.
सभी पाठ्य पुस्तकें सावधानीपूर्वक अध्ययन के लिए अभिप्रेत हैं। कुछ सन्दर्भ पुस्तकें सावधानीपूर्वक अध्ययन के लिए अभिप्रेत हैं।
Some reference books are books intended for careful study.
अतः कुछ संदर्भ पुस्तकें पाठ्य पुस्तकें हैं।
Therefore some reference books are text books."
Choose the correct answer from the options given below

(a) Affirmative conclusion from Negative Premise ऋणात्मक आधार वाक्य से सकारात्मक निष्कर्ष
(b) Exclusive Premises/अन्वय आधार वाक्य
(c) Existential Fallacy/अस्तित्ववाचक तर्क दोष
(d) Undistributed Middle/अवितरित हेतु

NTA UGC NET/JRF June 2021(25-11-2021 Shift-I)

Ans. (d) : अवितरित हेतु एक तार्किक तर्कदोष है जिसमें हेतु पद को कम से कम एक आधारवाक्य में वितरित नहीं किया जाता है। अतः उपर्युक्त दिये गये तर्क में अवितरित हेतु तर्कदोष है।

3. Under which of the following conditions an inference may be categorized as Kevalanvayi?
निम्नांकित में से किस परिस्थितियों में अनुमान को केवलान्वयी के रूप में श्रेणीकृत किया जा सकता है?

(a) When it is based on middle term which is only positively related to the major term/जब यह मध्य पद पर आधारित हो जो मुख्य पद से केवल सकारात्मक रूप से संबद्ध है।
(b) When it is based on middle term which is only negatively related to the major term/जब यह मध्य पद पर आधारित हो जो मुख्य पद से केवल नकारात्मक रूप से संबद्ध है।
(c) When it is based on middle term which is both positively and negatively related to the major term/जब यह मध्य पद पर आधारित हो तो मुख्य पद से केवल सकारात्मक और नकारात्मक दोनों रूप से संबद्ध है।
(d) When middle term and major term have the relationship of identity (tadatmaya) between them/जब मध्य पद और मुख्य पद से मध्य तादात्मय का संबंध हो।

NTA UGC NET/JRF June 2021(21-11-2021 Shift-II)

Ans. (a) : केवलान्वयी- जब यह मध्य पद पर आधारित हो जो मुख्य पद से केवल सकारात्मक रूप से संबद्ध है।

4. Which fallacy is committed in the argument– "Sound is a quality because it is visible"?
''ध्वनि एक गुण है क्योंकि यह दृश्यमान है'' कथन में कौन-सा हेत्वाभास है?

(a) Asryasiddha/आश्रयासिद्ध
(b) Vyapyatvasiddha/व्याप्तत्वासिद्ध
(c) Svarupasiddha/स्वरुपासिद्ध
(d) Sadhyasiddha/साध्यासिद्ध

NTA UGC NET/JRF June 2021(21-11-2021 Shift-II)

Ans. (c) : ''ध्वनि एक गुण है क्योंकि यह दृश्यमान है।'' इस तर्कवाक्य में स्वरूपसिद्ध तर्कदोष है।

Scanned with CamScanner

5. **Match List I with List II**
सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए।

	List I/सूची-I Steps of Argument /तर्क के चरण		List II/सूची-II Propositions तर्कवाक्य
A.	Affirmation of the thesis as proven/ अभिधारणा की प्रमाणित के रूप में पुष्टि	(I)	Wherever there is smoke, there is fire as in the kitchen/जहाँ धुआँ होता है वहाँ आग होती है जैसे रसोईघर में।
B.	Statement of reason/कारण का कथन	(II)	There is fire on the hill/पहाड़ी पर आग है।
C.	Giving an example of underlying rule निहित नियम का उदाहरण देना	(III)	Therefore there is fire on the hill/इसलिए पहाड़ी पर आग है।
D.	Statement of thesis to be established स्थापित की जानेवाली अभिधारणा का कथन	(IV)	Because there is smoke/क्योंकि वहाँ धुआँ है।

(a) (A)- (I), (B)- (III), (C)- (IV), (D)-(II)
(b) (A)- (IV), (B)- (III), (C)- (I), (D)-(II)
(c) (A)- (III), (B)- (IV), (C)- (I), (D)-(II)
(d) (A)- (II), (B)- (I), (C)- (III), (D)-(IV)

NTA UGC NET/JRF June 2021(20-11-2021 Shift-I)

Ans. (c) : सूची का सही सुमेलन इस प्रकार है-

तर्क के चरण	तर्कवाक्य
अभिधारणा की प्रमाणित के रूप में पुष्टि	इसलिए पहाड़ी पर आग है।
कारण का कथन	क्योंकि वहाँ धुआँ है।
निहित नियम का उदाहरण देना	जहाँ धुआँ होता है वहाँ आग होती है जैसे रसोईघर में।
स्थापित की जानेवाली अभिधारणा का कथन	पहाड़ी पर आग है।

A.(i) युक्ति के रूप (Arguments Forms)

6. **What is the name of the concept to describe the magnitude of gains from any given change in an educational practice and thus to predict what we can hope to accomplish by using that practice?**
उस प्रत्यय का नाम क्या है जिसमें किसी शैक्षिक पद्धति में दत्त परिवर्तन से लाभ की मात्रा का वर्णन किया जाता है और इस प्रकार यह पूर्वानुमान लगाया जा सकता है कि उस पद्धति का उपयोग कर हम क्या कार्य पूरा करने की आशा कर सकते हैं?
(a) Argumentation/वितर्कन (आर्ग्यूमेंटेशन)
(b) Effect size/कार्य आकार (इफेक्ट साइज)
(c) Empathy/तदनुभूति (एम्पेथी)
(d) Pluralism/बहुलवाद (प्लूटलिज़्म)

NTA UGC NET/JRF June 2021(01-12-2021 Shift-II)

Ans. (b) : कार्य आकार वह प्रत्यय है जिसमें किसी शैक्षिक पद्धति में दत्त परिवर्तन से लाभ की मात्रा का वर्णन किया जाता है और इस प्रकार यह पूर्वानुमान लगाया जा सकता है कि उस पद्धति का उपयोग कर हम क्या कार्य पूरा करने की आशा कर सकते हैं।

7. **Match List I with List II**

List I In Square of opposition	List II Resultant
A. If 'Some flowers are pink' is False	I. 'I' is false; 'O' is True
B. If 'No girls are birds' is True	II. 'A' is False; 'E' is True
C. If 'Some boys are not tall' is False	III. 'I' is True; 'O' is False
D. If 'All chocolates are sweet' is True	IV. 'E' is False; 'I' is true

Choose the correct answer from the options given below:
सूची - I को सूची - II से सुमेलित कीजिए:

सूची I (विरोध चतुरस्त्र में)	सूची II (परिणामी)
A. यदि 'कुछ फूल गुलाबी हैं, गलत है	I. 'आई' गलत है, 'ओ' सही है।
B. यदि कोई 'लड़की पक्षी नहीं हैं', सच है	II. 'ए' गलत है, 'ई' सही है।
C. यदि कुल लड़के लंबे नहीं हैं, गलत हैं	III. 'आई' सही है; 'ओ' गलत है।
D. यदि 'सभी चॉकलेट मीठे हैं', सही है	IV. 'ई' गलत है, 'आई' सही है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:
(a) A - II, B - I, C - IV, D - III
(b) A - III, B - IV, C - II, D - I
(c) A - IV, B - II, C - I, D - III
(d) A - II, B - III, C - I, D - IV

NTA UGC NET/JRF June 2021(01-12-2021 Shift-II)

Ans. (a) : सूची का सही सुमेलन इस प्रकार है–

यदि 'कुछ फूल गुलाबी हैं, गलत है	'ए' गलत है, 'ई' सही है।
यदि कोई 'लड़की पक्षी नहीं हैं', सच है	'आई' गलत है, 'ओ' सही है।
यदि कुल लड़के लंबे नहीं हैं, गलत हैं	'ई' गलत है, 'आई' सही है।
यदि 'सभी चॉकलेट मीठे हैं', सही है	'आई' सही है; 'ओ' गलत है।

8. **Given below are two statements, one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R.**
नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन (A) के रूप में और दूसरा उसके कारण (R) के रूप में:

Easy Notes 4u Online Study

Scanned with CamScanner

Assertion A: A proposition is a statement about observable phenomena (concepts) that may be judged as true or false.
अभिकथन (A) : तर्कवाक्य किसी ऐसी प्रेक्षणीय घटना (संप्रत्यय) के विषय में एक कथन होता है जिसे सही या गलत ठहराया जा सकता है।

Reason R: When a proposition is formulated for empirical testing, it is called a hypothesis.
कारण (R) : जब किसी तर्कवाक्य का प्रतिपादन आनुभविक परीक्षण के लिए किया जाता है, तो यह प्राक्कल्पना कहलाता है।

In light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below
उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A is correct but R is not correct
(A) सही है परन्तु (R) सही नहीं है।
(b) A is not correct but R is correct
(A) सही नहीं है परन्तु (R) सही है।
(c) Both A and R are correct and R is the correct explanation of A/(A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(d) Both A and R are correct but R is NOT the correct explanation of A/(A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

NTA UGC NET/JRF June 2021(01-12-2021 Shift-II)

Ans. (d) : अभिकथन "तर्कवाक्य किसी ऐसी प्रेक्षणीय घटना (संप्रत्यय) के विषय में एक कथन होता है जिसे सही या गलत ठहराया जा सकता है। सत्य है एवं दिया गया कारण जब किसी तर्कवाक्य का प्रतिपादन आनुभविक परीक्षण के लिए किया जाता है, तो यह प्राक्कल्पना कहलाता है। भी सत्य है लेकिन यह अभिकथन की व्याख्या नहीं करता है। अतः विकल्प (c) सत्य है।

9. **Given below are two statements**
नीचे दो कथन दिए गए हैं:

Statement I: Two contrary statements cannot both be false.
कथन I : दो विपरीत कथनों में से दोनों गलत नहीं हो सकते हैं।

Statement II: Two contrary statements cannot both be true.
कथन I : दो विपरीत कथनों में से दोनों सही नहीं हो सकते हैं।

In light of the above statements, choose the *correct* answer from the options given below
उपर्युक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) Both Statement I and Statement II are correct/कथन I और II दोनों सही हैं
(b) Both Statement I and Statement II are incorrect/कथन I और II दोनों गलत हैं
(c) Statement I is correct but Statement II is incorrect/कथन I सही है, किन्तु कथन II गलत हैं
(d) Statement I is incorrect but Statement II is correct/कथन I गलत है, किन्तु कथन II सही है

NTA UGC NET/JRF June 2021(01-12-2021 Shift-I)

Ans. (d) : दो विपरीत कथनों में से दोनों गलत नहीं हो सकते हैं। कथन गलत है क्योंकि दो विपरीत कथन दोनों गलत हो सकते है। दो विपरीत कथन दोनों सही नहीं हो सकते है। यह कथन सत्य है। इसलिए विकल्प (d) सत्य है।

10. **Give below are two statements**
नीचे दो कथन दिए गए है:

Statement I : Asamavyapti corresponds to the Universal Affirmative proposition.
कथन- I : असंव्याप्ति सर्वव्यापी सकारात्मक तर्कवाक्य के समरूप है।

Statement II : Samavyapti corresponds to the Universal Negative proposition.
कथन-II : सर्वव्यापी निषेधात्मक तर्कवाक्य के समरूप है।

In light of the above statements, choose the correct answer from the options given below
उपर्युक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) Both Statement I and Statement II are true/कथन I और II दोनों सत्य हैं
(b) Both Statement I and Statement II are false/कथन I और II दोनों असत्य हैं
(c) Statement I is true but Statetment II is false/कथन I सत्य है, किन्तु कथन II असत्य हैं
(d) Statemet I is false but Statement II is true/कथन I असत्य है, किन्तु कथन II सत्य है।

NTA UGC NET/JRF June 2021(30-11-2021 Shift-I)

Ans. (a) : असंव्याप्ति सर्वव्यापी सकारात्मक तर्कवाक्य की समरूप है। तथा सर्वव्यापी निषेधात्मक तर्कवाक्य के समरूप है अतः दोनों कथन I तथा II सत्य है। इसलिए विकल्प (a) सही है।

11. **Given below are two statements, one is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R)**
नीचे दो कथन दिए गए है : एक अभिकथन Assertion (A) के रूप में और दूसरा उसके कारण Reason (R) के रूप में :

Assertion A. In a valid categorical syllogism, the middle term must be distributed in at least one premise.
अभिकथन (A) : एक वैध निरपेक्ष न्यायवाक्य में कम से कम एक आधारिका में हेतु अवश्य व्याप्त होना चाहिए

Reason R : The conclusion of a valid argument cannot assert any more than is contained in the premises.
कारण (R) : वैध तर्क का निष्कर्ष उसके आधार वाक्यों में निहित निष्कर्ष से अधिक नहीं होगा

In light of the above statements, choose the correct answer from the options given below
उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) Both A and R are true and R is the correct explanation of A//(A) और (R) दोनों सत्य है और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) Both A and R are true but R is NOT the correct explanation of A/(A) और (R) दोनों सत्य है परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

Easy Notes 4u Online Study

Scanned with CamScanner

(c) A is true but R is false
(A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।
(d) A is false but R is true
(A) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है।

NTA UGC NET/JRF June 2021(30-11-2021 Shift-I)

Ans. (b) : अभिकथन, "एक वैध निरपेक्ष न्याय वाक्य में कम से कम एक आधारिका में हेतु अवश्य व्याप्त होना चाहिए।" तथा दिया गया कारण "वैध तर्क का निष्कर्ष उसके आधार वाक्यों में निहित निष्कर्ष से अधिक नहीं होगा।" दोनों अभिकथन तथा कारण दोनों सत्य है लेकिन कारण अभिकथन की व्याख्या नहीं करता है। अत: विकल्प (b) सत्य है।

12. Given below are two statements
Statement I: Two subcontray propositions connot both be false
Statement II: Two subcontray propositions connot both be true
In light of the above statements, choose the most appropriate answer form the options given below
नीचे दो कथन दिए गए हैं :
कथन-I: दो उपविपरित न्यायवाक्यों में से दोनों गलत नहीं हो सकते हैं।
कथन-II: दो उपविपरित न्यायवाक्यों में से दोनों को अवश्य सच होना चाहिए।
उपर्युक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) Both Statement I and Statement II are correct
कथन I और II दोनों सही हैं।
(b) Both Statement I and Statement II are incorrect/कथन I और II दोनों गलत हैं।
(c) Statement I is correct but Statement II is incorrect/ कथन I सही है, किन्तु कथन II गलत हैं।
(d) Statement I is incorrect but Statement II is correct/ कथन I गलत है, किन्तु कथन II सही हैं।

NTA UGC NET/JRF June 2021(29-11-2021 Shift-II)

Ans. (c) : दो उपवितरित न्यायवाक्यों में से दोनों गलत नहीं हो सकता है।
दो उपवितरित न्यायवाक्यों में से दोनों सत्य नहीं हो सकता है।
अत: कथन I सत्य तथा कथन II असत्य है।

13. Match List-I with List-II
सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

List-I/सची-I	List-II/सूची-II
A. If 'A' is True यदि 'A' सत्य है	I. 'E' is True; 'O' is True/'E' सत्य है; 'O' सत्य है
B. IF 'E' is True यदि 'E' सत्य है	II. 'O' is False; 'E' is False/'O' असत्य है; 'E' असत्य है
C. If 'I' is False यदि 'I' असत्य है 'I'	III. 'A' is False; 'I' is False/'A' असत्य है; असत्य है
D. If 'O' is False यदि 'O' असत्य है	IV. 'E' is False; 'I' is True/'E' असत्य है; 'I' सत्य है

Choose the correct answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:
(a) A-I, B-II, C-III, D-IV
(b) A-II, B-III, C-I, D-IV
(c) A-III, B-I, C-II, D-IV
(d) A-IV, B-II, C-III, D-I

NTA UGC NET/JRF June 2021(24-11-2021 Shift-I)

Ans. (b) : सही मिलान इस प्रकार है-
(A) यदि A सत्य है – (II) O असत्य है, E असत्य है।
(B) यदि E सत्य है – (III) A असत्य है, I असत्य है।
(C) यदि I असत्य है – (I) E सत्य है, O सत्य है।
(D) यदि O असत्य है – (IV) E असत्य है, I सत्य है।

14. Given below are two statements
नीचे दो कथन दिए गए हैं:-
Statement/कथन: All knowledge is a recollection. It is true on a certain account/ समग्र ज्ञान एक प्रकार का प्रत्यास्मरण है। यह कुछ हद तक सही है।
Statement/कथन: All men by nature desire understanding/सभी मुनष्य स्वभाव से ही बोध चाहते हैं:
In light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below.
उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पों मे से सही चुनें।

(a) Both Statement I and Statement II are true/ कथन I और II दोनों सही हैं।
(b) Both statement I and statement II are false/ कथन I और II दोनों सही नहीं हैं।
(c) Statement I is true but Statement II is false/ कथन I सही है किंतु कथन II सही नहीं है।
(d) Statement I is false but statement II is true/ कथन I सही नहीं है, किन्तु कथन II सही है।

UGC NTA NET JRF June 2020 (29 Sept.) Shift-I

Ans. (a) : समग्र ज्ञान एक प्रकार का प्रत्यास्मरण है। यह कुछ हद तक सत्य है। अरस्तू के अनुसार मनुष्य स्वभाव से ही बोध चाहते है अर्थात मनुष्य जन्म से ही जिज्ञासु प्रवृत्ति का होता है।

15. Given below are two statements, one is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R)
नीचे दो कथन दिए गए हैं : पहला अभिकथन (A) और दूसरा तर्क (R) है;
Assertion/अभिकथन (A) : All perceptions seem entirely loose and separate. They are conjoined but not necessarily connected/सभी प्रत्यक्षीकरण पूर्ण रूप से मुक्त और पृथक प्रतीत होते हैं। वे संयुक्त होते हैं परन्तु अनिवार्यत: संबंधित नहीं होते हैं।
Reason/तर्क (R) : Since the perception of hardness is not necessarily connected with its colour, it can be said that perceptions are loosely connected/चूँकि कठोरता का प्रत्यक्षीकरण उसके रंग से अनिवार्यत: संबंधित नहीं है इसलिए यह कहा जा सकता है कि प्रत्यक्षीकरण दुर्बल रूप से संबंधित हैं।

Easy Notes 4u Online Study

Scanned with CamScanner

In light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below :
उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनें–

(a) Both (A) and (R) are correct and (R) is the correct explanation of (A)/(A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

(b) Both (A) and (R) are correct but (R) is NOT the correct explanation of (A)/(A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(c) (A) is correct but (R) is not correct/(A) सही है परन्तु (R) गलत है।

(d) (A) is not correct but (R) is correct/(A) गलत है परन्तु (R) सही है।

UGC NTA NET JRF June 2020 (24 Sept.) Shift-II

Ans. (a) : A और R दोनों सत्य है और R, A की सही व्याख्या करता है। सभी प्रत्यक्षीकरण पूर्ण रूप में मुक्त और पृथक प्रतीत होते हैं। वे संयुक्त होते हैं किन्तु अनिवार्यतः संबंधित नहीं होते हैं। चूँकि किसी वस्तु की कठोरता का प्रत्यक्षीकरण उसके रंग से अनिवार्यतः संबंधित नहीं है इसलिए यह कहा जा सकता है कि प्रत्यक्षीकरण दुर्बल रूप से संबंधित है।

16. Which argument may be advanced in support of action research in education?
शिक्षा में क्रियात्मक शोध के समर्थन में निम्नलिखित में से कौन सा तर्क दिया जा सकता है?

(a) The researcher breaks fresh ground in the field of enquiry/शोधकर्ता अन्वेषण के क्षेत्र में नई संभावनाएं तलाशता है।

(b) The knowledge is applied to extend further generalization/सामान्यीकरण का विस्तार करने में ज्ञान का अनुप्रयोग होता है।

(c) Some new principles are formulated for explaining the events/घटनाओं की व्याख्या करने के लिए कुछ नए सिद्धांत गढ़े जाते हैं।

(d) The educational situation as well as the practitioner of education undergo a change for the better/शैक्षणिक स्थिति और शिक्षा के अभ्यासकर्ता में बेहतरी के लिए परिवर्तन।

UGC NTA NET JRF June 2020 (17 Oct.) Shift-II

Ans. (d) : शैक्षणिक स्थिति और शिक्षा अभ्यासकर्ता में बेहतरी के लिए परिवर्तन शिक्षा क्षेत्र के क्रियात्मक शोध को वांछनीय बनाता है। किसी जारी योजना अथवा प्रोजेक्ट में आने वाली समस्याओं को पहचानने और उनके निराकरण के लिए क्रियात्मक शोध संचालित की जाती है।

17. Consider the following syllogism:
निम्नलिखित न्यायवाक्यों पर विचार कीजिए–

A. This hill has fire/पहाड़ी में आग है।

B. Because it has smoke/क्योंकि उसमें धुआँ है।

C. Whatever has smoke has fire/जिसमें भी धुआँ होता है उसमें आग होती है।

D. This hill has smoke which is invariably associated with fire/उस पहाड़ी में धुआँ है जो निरपवाद रूप से आग से संबंधित है।

E. Therefore, this has fire/अतः उसमें आग है।

Which will be designated as Upnaya in this syllogism
इस तर्क न्यायवाक्य में उपनय क्या है/हैं ?

(a) A and B only/केवल (A) और (B)

(b) B and C only/केवल (A) और (C)

(c) D only/केवल (D)

(d) E only/केवल (E)

UGC NTA NET JRF June 2020 (9 Oct.) Shift-II

Ans. (c) : उपर्युक्त तर्कवाक्य में उपनय है– 'उस पहाड़ी में धुआँ है जो निरपवाद रूप से आग से संबंधित है।
(i) पहाड़ी में आग है (प्रतिमा)
(ii) क्योंकि उसमें धुआँ है (हेतु)
(iii) जिसमें भी धुआँ है उसमें आग होती है (उदाहरण)
(iv) उस पहाड़ी में है जो निरपवाद रूप से आग से संबंधित है (उपनय)
(v) अतः उसमें आग है (निगमन)

18. Match the pairs in List I with the pairs of analogies in List II
सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए:

	List/सूची- I		List/सूची- II
A	Lizard : Reptile /छिपकली : सरीसृप	1	Skating : Rink/ स्केटिंग : रिंक
B	Tennis : court/ टेनिस : कोर्ट	2	Haematology: Blood/हैमेटोलॉजी : रक्त
C	Bull : Cow/सांड: गाय	3	Eagle: Bird/ गरुड़ : पक्षी
D	Botany : Plant/ वनस्पति विज्ञान: पौधा	4	Wizard: Witch/ जादूगर : जादूगरनी

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिये गये विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

	A	B	C	D
(a)	1	3	4	2
(b)	2	4	1	3
(c)	3	1	4	2
(d)	4	3	2	1

UGC NTA NET JRF June 2020 (9 Oct.) Shift-I

Ans. (c) :
A) छिपकली : सरीसृप (III) गरूड़ : पक्षी
B) टेनिस : कोर्ट (I) स्केटिंग : रिंक
C) सांड : गाय (IV) जादूगर : जादूगरनी
D) वनस्पति विज्ञान : पौधा (II) हैमटोलॉजी : रक्त

19. Given below are two statements, one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R
नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को तर्क (R) कहा गया है:

Assertion/अभिकथन (A): E-commerce companies require personal data to serve the stakeholders better/ई-कॉमर्स कंपनियों के हितधारकों को बेहतर सेवा प्रदान करने हेतु व्यक्तिगत डेटा की जरूरत होती है।

Easy Notes 4U Online Study

Scanned with CamScanner

Reason/तर्क (R): In this process, privacy may get compromised/इस प्रक्रिया में निजता से समझौता करना पड़ सकता है।

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:
उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनें:

(a) Both A and R are correct and R is the correct explanation of A/A और दोनों सही है और R, A की सही व्याख्या है

(b) Both A and R are correct and R is not the correct explanation of A/A और दोनों सही है और R, A की सही व्याख्या नहीं है

(c) A is correct but R is not correct/A सही है परन्तु R सही नहीं है

(d) A is not correct but R is correct/A सही नहीं है परन्तु R सही है

UGC NTA NET JRF June 2020 (24 Sept.) Shift-I

Ans. (a) : ई-कॉमर्स कम्पनियों के हितधारकों को बेहतर सेवा प्रदान करने के लिए व्यक्तिगत डेटा की जरूरत होती है। किन्तु यदि कोई कॉमर्स कम्पनी हैक हो जाती है तो सभी हितधारकों के व्यक्तिगत डेटा भी दांव पर आ जाते हैं। अतः निजता से समझौता करना पड़ सकता है।

20. Given below are two statements, one is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R)
नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को अभिकथन (A) और दूसरे को तर्क (R) कहा गया है:

Assertion/अभिकथन (A): In group discussions, some participants enter the fray with big chips on their shoulders/समूह चर्चा में कुछ सहभागी बड़ी-बड़ी बातें करते हैं।

Reason/तर्क (R): These are antagonistic people who are calm and listed/ये विरोधी लोग होते हैं जो शांत और प्रतिवादी होते हैं।

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:
उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनें:

(a) Both A and R are correct and R is the correct explanation of A/A और दोनों सही है और R, A की सही व्याख्या है

(b) Both A and R are correct and R is not the correct explanation of A/A और दोनों सही है और R, A की सही व्याख्या नहीं है

(c) A is correct but R is not correct/A सही है परन्तु R सही नहीं है

(d) A is not correct but R is correct/A सही नहीं है परन्तु R सही है

UGC NTA NET JRF June 2020 (24 Sept.) Shift-I

Ans. (c) : अभिकथन सही है तथा तर्क गलत है।
समूह चर्चा में कुछ सहभागी बड़ी-बड़ी बातें करते हैं किन्तु वे इसे पूरा करने में असफल हो जाते हैं या अनुचित तरह से करते हैं लेकिन वे विरोधी नही होते हैं। वे मुख्य धारा से भटक जाते है।

21. Given below are two statements, one is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R)
नीचे दो कथन दिए गए हैं : पहला अभिकथन (A) और दूसरा तर्क (R) है ;

Assertion/अभिकथन (A) : Substance is self-caused, self-conceived and self-existent
द्रव्य स्व-कारित, स्व-धारित और स्व-अस्तित्त्व वाला होता है।

Reason/तर्क (R) : Substance is not caused by other causal sources but is conceived by something else and is also existent on that/द्रव्य अन्य कारक स्त्रोतों द्वारा कारित नहीं होता है बल्कि किसी अन्य द्वारा धारित होता है और उसमें भी अस्तित्त्व होता है।

In light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below :
उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनें–

(a) Both (A) and (R) are correct and (R) is the correct explanation of (A)/(A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

(b) Both (A) and (R) are correct but (R) is Not the correct explanation of (A)/(A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(c) (A) is not correct but (R) is not correct/(A) सही है परन्तु (R) गलत है।

(d) (A) is not correct but (R) is correct/(A) गलत है परन्तु (R) सही है।

UGC NTA NET JRF June 2020 (24 Sept.) Shift-II

Ans. (c) : द्रव्य स्व-कारित, स्व-धारित और स्व अस्तित्व वाला होता है। यह कथन सत्य है, क्योंकि यह किसी अन्य कारक द्वारा कारित और धारित नहीं होता है किन्तु इसका अस्तित्व है।

22. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन निरपेक्ष न्यायवाक्य के प्रथम लक्षण के संबंध में सत्य है?

(a) मध्य पद साध्य-आधारिका का उद्देश्य एवं पक्ष-आधारित का विधेय है

(b) मध्य पद साध्य-आधारिका का विधेय एवं पक्ष-आधारिका का उद्देश्य है।

(c) मध्य पद साध्य-आधारिका का उद्देश्य एवं निष्कर्ष का विधेय है।

(d) मध्य पद पक्ष-आधारिका का उद्देश्य एवं निष्कर्ष का विधेय है।

UGC NTA NET 2019 Shift-II (5.12.2019) Set-8

Ans. (a) : कथन- मध्य पद साध्य- आधारिका का उद्देश्य एवं पक्ष- आधारिका का विधेय है, निपेक्ष न्यायवाक्य के प्रथम लक्षण के संबंध में सत्य है। निरपेक्ष न्यायवाक्य वह युक्ति है जिसमें तीन निरपेक्ष तर्कवाक्य होते है। इन तीनों तर्कवाक्यों में कुल मिलाकर

Easy Notes 4u Online Study

Scanned with CamScanner

तीन पद होते है, जिसमें प्रत्येक पद दो तर्कवाक्यों में आता है। यदि तीन से अधिक पदों का प्रयोग होता है तो वहाँ चतुष्पद दोष आ जाता है।

जब किसी न्यायवाक्य के दोनों आधारवाक्य एवं निष्कर्ष संबंध की दृष्टि से अलग-अलग प्रकार के होते है, तो उसे मिश्र न्यायवाक्य कहा जाता है। इसके तीन भेद होते है–

1. हेतुफलाश्रित निरपेक्ष न्यायवाक्य
2. वैकल्पिक निरपेक्ष न्यावाक्य
3. उभयतः पाश।

23. सेट–I में उल्लिखित मापन स्तर को सेट–II में दिये गये उनके गुणों के साथ सुमेलित कीजिए–

सेट-I (मापन स्तर)		सेट-II (गुण)
(a)	नामिक	(i) वर्गीकरण, क्रम, समान इकाईयाँ और निरपेक्ष शून्य
(b)	क्रमिक	(ii) वर्गीकरण क्रम और समान इकाईयाँ
(c)	अंतराल	(iii) वर्गीकरण
(d)	आनुपातिक	(iv) वर्गीकरण और क्रम

सही विकल्प का चयन कीजिए–

(a) (a)(i), (b)(ii), (c)(iii), (d)(iv)
(b) (a)(ii), (b)(iii), (c)(iv), (d)(i)
(c) (a)(iii), (b)(i), (c)(ii), (d)(iv)
(d) (a)(iii), (b)(iv), (c)(ii), (d)(i)

UGC NTA NET 2019 Shift-II (2.12.2019) Set-2

Ans. (d) : सही सुमेल है–

सेट-I (मापन स्तर)		सेट-II (गुण)
(a)	नामिक	(iii) वर्गीकरण
(b)	क्रमिक	(iv) वर्गीकरण और क्रम
(c)	अंतराल	(ii) वर्गीकरण क्रम और समान इकाईयाँ
(d)	आनुपातिक	(i) वर्गीकरण, क्रम, समान इकाईयाँ और निरपेक्ष शून्य

अतः विकल्प (d) अभीष्ट उत्तर होगा।

24. "कुछ छात्र कर्तव्यनिष्ठ है", यह किस प्रकार के तर्कवाक्य के उदाहरण ह?

(a) सार्वभौम विधेय (b) सार्वभौम निषेध
(c) विशेष विधेय (d) विशिष्ट निषेध

UGC NTA NET 2019 Shift-II (2.12.2019) Set-2

Ans. (c) : कुछ छात्र कर्तव्यनिष्ठ है यह तर्कवाक्य विशेष विधेय तर्कवाक्य का उदाहरण प्रस्तुत करता है। प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र में उद्देश्य-विधेय तर्क वाक्य और वर्गसदस्यता तर्क वाक्यों का एक ही प्रतीकात्मक रूप माना गया है।

तर्क वाक्यों में ऐसे भी वर्गों के विभिन्न सम्बन्ध व्यक्त रहते है और उनके चार मानक आकार होते हैं–

1. सभी छात्र कर्तव्यनिष्ठ है।
2. कोई छात्र कर्तव्यनिष्ठ नही है।
3. कोई छात्र कर्तव्यनिष्ठ है।
4. कुछ छात्र कर्तव्यनिष्ठ नही है।

परम्परावादी तर्कशास्त्री उसे क्रमशः A, E, I, O तर्कवाक्य कहते है। पहला तर्कवाक्य भाषात्मक सर्वव्यापी तर्कवाक्य कहा जाताहै। दूसरा सर्वव्यापी निषेधात्मक तर्कवाक्य कहा जाता है। तीसरा विशेष विधेय तर्कवाक्य कहा जाता है। चौथा विशिष्ट निषेध तर्कवाक्य कहा जाता है।

25. एक शिक्षक अपने छात्रों से कहता है– 'जब आप यह सीख लेते हैं तो आप अपनी परियोजना को करने में सक्षम होंगे।' यह सम्प्रेषण किसका संकेत करता है?

(a) रूचि-निरन्तरता (b) अस्पष्ट सलाह
(c) संभाव्य संकट (d) सकारात्मक प्रबलन

UGC NTA NET 2019 Shift-I (2.12.2019) Set-I

Ans. (d) : एक शिक्षक अपने छात्र से कहता है– 'जब आप यह सीख लेते हैं तो आप अपनी परियोजना को करने में सक्षम होगें।' यह संप्रेषण सकारात्मक प्रबलन का संकेत करता है।

सकारात्मक पुनर्बलन या प्रबलन को धनात्मक पुनर्बलन के नाम से भी जाना जाता है। धनात्मक पुनर्बलन वह उत्तेजक या उद्दीपक है जिसको यदि परिस्थितियों के साथ जोड़ दिया जाय तो वह अनुक्रिया होने की सम्भावना की दर को बढ़ा देता है। जैसे कोई छात्र कक्षा में रोज पाठ याद करके आता है। इसलिए उस छात्र को कक्षा का मॉनिटर बना दिया जाये जिससे वो अपना पाठ लगातार याद करता रहे। इस उदाहरण में पाठ याद करना एक अनुक्रिया है जिसकी होने की दर को बढ़ाने के लिए वातावरण में मॉनिटर नाम का उद्दीपक जोड़ दिया गया है जो एक धनात्मक पुनर्बलन का काम करता है।

26. तार्किक युक्ति आधारित है

(a) वैज्ञानिक तर्क पर (b) प्रथागत तर्क पर
(c) गणितीय तर्क पर (d) न्यायवाक्यीय तर्क पर

UGC NET/JRF Dec 2007

Ans: (d) तर्कशास्त्र भाषा के माध्यम से प्रचलित या प्रकाशित विचारों का विज्ञान है। वह भाषा में व्यक्त तर्क द्वारा तथा इसमें सहायक प्रक्रियाओं से संबंध रखता है। यह प्रदर्शित करता है कि विचारों को भाषा में किस प्रकार व्यक्त किया जा सकता है। तर्कशास्त्र के माध्यम से तार्किक युक्ति अवतरित होती है, जिसका आधार न्यायवाक्यीय तर्क है।

27. न्याययुक्ति (सिलाजिस्म) होती है :

(a) निगमनात्मक (b) आगमनात्मक
(c) प्रयोगात्मक (d) प्राक्कल्पनात्मक

UGC NET/JRF Dec 2008

Ans: (c) न्याययुक्ति (सिलाजिस्म) प्रयोगात्मक होती है। प्रयोगात्मक अनुसंधान, अनुसंधान की एक प्रमुख विधि है। प्रयोगात्मक अनुसंधान में कार्य करण संबंध स्थापित किया जाता है। कार्य-करण संबंध स्थापित करने के लिए दो स्थितियों को सन्तुष्ट करना होता है। पहले यह सिद्ध करना होता है कि यदि कारण है तो उसका प्रभाव भी होगा। यह स्थिति आवश्यक है लेकिन पर्याप्त नही। दूसरा हमें यह भी सिद्ध करना होता है कि यदि कारण नहीं है तो प्रभाव भी नहीं होगा। यदि वही कारण न हो फिर भी प्रभाव हो तो इसका अर्थ यह हुआ कि प्रभाव का वह कारण नहीं है, जो हम अपेक्षा कर रहे हैं। प्रयोगात्मक अनुसंधान में कारण की उपस्थिति प्रभाव को दिखाती है तथा कारण की अनुपस्थिति प्रभाव को नही दिखाती है। इन्हीं दो स्थितियों को सन्तुष्ट करने के बाद हम सही कार्य-कारण संबंध कर सकते है।

28. तार्किक युक्ति का आधार है :

(a) सम्बन्धित आधार वाक्यों की सत्यता
(b) सम्बन्धित आधार वाक्यों का वैध सम्बन्ध
(c) प्रतीकात्मक भाषा का प्रयोग
(d) साधारण भाषा का प्रयोग

UGC NET/JRF Dec 2008

Easy Notes 4u Online study

Scanned with CamScanner

Ans: (a) तार्किक युक्ति - तार्किक युक्ति दिए गए कथन अथवा घटना के आधार पर दिए गए विभिन्न विकल्पों में से एक विकल्प का चुनाव बुद्धिमत्ता एवं तर्क शक्ति के आधार पर करना होता है। अर्थात तार्किक युक्ति द्वारा सम्बन्धित वाक्यों की सत्यता की जाती है।

29. निम्नलिखित में से चक्रिक युक्ति का उदाहरण कौन-सा है?

(a) परमात्मा ने मनुष्य को अपने रूप में बनाया और मनुष्य ने परमात्मा को अपना रूप दिया।

(b) परमात्मा धार्मिक ग्रंथ का स्रोत है और धार्मिक ग्रंथ परमात्मा सम्बन्धी हमारे ज्ञान का स्रोत है।

(c) कुछ भारतीय महान हैं, क्योंकि भारत महान है।

(d) राम महान हैं, क्योंकि वह राम हैं।

UGC NET/JRF June 2010

Ans: (a) विकल्प (a) को पढ़ने पर पता चलता है कि यह युक्ति चक्रिय है क्यों परमात्मा ने मनुष्य को अपने रूप में बनाया और फिर मनुष्य ने परमात्मा को अपना रूप दिया।

30. निम्न सूचित कथनों में से कौन-से कथन सत्य हैं? निम्न सूचित कूट में से चुनें:

1. कुछ युक्तियां जो पूर्णतः वैध नहीं हैं, वो अधिकतर वैध हैं।
2. ठोस युक्ति अवैध हो सकती है।
3. निश्चायक युक्ति में सम्भवतः गलत निष्कर्ष हो सकता है।
4. विधान सत्यात्मक अथवा असत्यात्मक हो सकता है।

कूट:

(a) 1 और 2 (b) 1, 3 और 4

(c) केवल 4 (d) 3 और 4

UGC NET/JRF Dec 2011

Ans: (b) सत्य कथन -

(1) कुछ युक्तियां जो पूर्णतः वैध नही हैं, वो अधिकतर वैध है।

(3) निश्चायक युक्ति में सम्भवतः गलत निष्कर्ष हो सकता है।

(4) विधान सत्यात्मक अथवा असत्यात्मक हो सकता है।

31. निम्नलिखित युक्तियों में से कौन-सी युक्ति नहीं है?

(a) यदि आज मंगलवार है, तो कल बुधवार होगा।

(b) चूंकि आज मंगलवार है, कल बुधवर होगा।

(c) राम ने मुझे अपमानित किया, इसीलिए मैंने उसके नाक पर हमला बोला।

(d) राम घर पर नहीं है, इसीलिए वह शहर गया होगा।

UGC NET/JRF Dec 2011

Ans: (c) युक्ति संगत बातें सांकेतिक तर्कवाक्य की दृष्टि से उचित दृष्टिकोण को बनाये रखने का साधन है। राम ने मुझे अपमानित किया इसलिए मैंने उसके नाक पर हमला बोला, वाक्य में युक्ति नहीं है अपितु यह बदले की भावना को व्यक्त करने वाला वाक्य है।

32. निम्नलिखित युक्तियों में से कौन-सी युक्ति नहीं है?

(a) देवदत्त दिन में भोजन नहीं करता है, इसीलिए वह रात में भोजन करता है

(b) यदि देवदत्त मोटा होता है, और यदि वह दिन भर भोजन नहीं करता है, वह रात में भोजन करेगा।

(c) देवदत्त रात में भोजन करता है, इसीलिए वह दिन में भोजन नहीं करता है।

(d) चूंकि देवदत्त दिन में भोजन नहीं करता है, वह रात में भोजन करता होगा।

UGC NET/JRF June 2012

Ans: (b) किसी भी युक्ति को निष्कर्ष तक ले जाने के लिए मुख्यतः दो आधारभूत वाक्यों में सदैव तीन पदों का होना अनिवार्य है। लघुपद, मध्यपद तथा वृहद् पद। चार पद होने पर चतुष्पद में दोष हो जाएग और कोई भी निष्कर्ष आप नही होगा। प्रश्नगत युक्ति में- यदि देवदत्त मोटा होता है, और यदि वह दिन भर भोजन नहीं करता है, वह रात में भोजन करेगा। इस वाक्य में तर्क विश्लेषण के अनुसार देवदत्त के भोजन, लेने के सही समय का उसके मोटे होने का कारण सुनिश्चित नहीं किया जा सकता। अतः यह युक्ति संगत नही हैं।

33. "महिलाएँ पुरुषों की अपेक्षा प्रकृति के अधिक निकट हैं।" यह किस प्रकार की दृष्टिकोण है?

(a) यथार्थवादी (b) अनिवार्यतावादी

(c) नारीवादी (d) गहन पारिस्थितिकी

UGC NET/JRF Dec 2013

Ans: (b) "महिलाएँ पुरुषों की अपेक्षा प्रकृति के अधिक निकट है" यह पूर्णतः अनिवार्यतावादी दृष्टिकोण को इंगित करता है। सिन्धु घाटी सभ्यता में हड़प्पा से एक मूर्ति में स्त्री के गर्भ से पीछे को उगता दिखाया गया है, जिसे उर्वरा की देवी या मातृदेवी के रूप में प्रकृतिवादी दृष्टिकोण से ही इंगित किया गया है।

A.(ii) निरुपाधिक तर्क वाक्य का ढाँचा (Structure of Categorical Propositions)

34. Consider the following statements in a square of opposition of propositions and pick the correct answer.
निम्नलिखित कथनों को तर्कवाक्य के विरोध-चतुरस्र में विचार कीजिए और सही उत्तर चुनिए :

(a) 'A' being given as False; 'O' is True.
यदि 'A' असत्य दिया है, तो 'E' सत्य है।

(b) 'A' being given as True; 'O' is False
यदि 'A' सत्य दिया है, तो 'O' सत्य है।

(c) 'E' being given as False; 'I' is False
यदि 'E' असत्य दिया है, तो 'I' सत्य है।

(d) 'I' being given as True; 'E' is True
यदि 'I' सत्य दिया है, तो 'E' सत्य है।

NTA UGC NET/JRF June 2021(27-12-2021 Shift-I)

Ans. (b) :

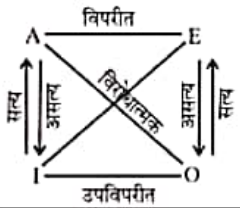

35. Identify the fallacy committed in the argument.
निम्नलिखित में तर्कदोष की पहचान कीजिए:

Some spaniels are not good hunters./कुछ स्पेनियल अच्छे शिकारी नहीं होते हैं।

All spaniels are gentle dogs./सभी स्पेनियल शांत (जेंटल) कुत्ते होते हैं।

Easy Notes 4u Online Study

Scanned with CamScanner

Therefore, no gentle dogs are good hunters./ अतः, कोई भी शांत कुत्ता अच्छा शिकारी नहीं होता है।

(a) Fallacy of Exclusive Premises /व्यावर्तक आधारिका दोष

(b) Fallacy of Four Terms /चार पर दोष

(c) Fallacy of Illicit Major /अव्याप्त-साध्य-दोष

(d) Fallacy of Illicit Minor /अव्याप्त-पक्ष-दोष

NTA UGC NET/JRF June 2021(27-12-2021 Shift-II)

Ans. (d) : कथन में,
कुछ स्पेनियल अच्छे शिकारी नही होते हैं। सभी स्पेनियल शांत (जेंटल) कुत्ते होते हैं। अतः कोई भी कुत्ता अच्छा शिकारी नहीं होता है।, अव्याप्त पक्ष दोष है क्योंकि निष्कर्ष कथन में लघु शब्द "कोई शांत कुत्ता नहीं" वितरित है और यह शब्द शब्द 'शांत कुत्ते' से प्राप्त है जो कि कथन में अवितरित है।

36. Which one of the following would be the logical equivalent of "Only citizens can vote"?
निम्नलिखित में से कौन "केवल नागरिक ही मतदान कर सकते हैं।" का तर्क तुल्य है ?

(a) All those who are citizens shall vote
वे सभी जो नागरिक हैं, मतदान करेंगे।

(b) All those who are not citizens too shall vote
वे सभी जो नागरिक नहीं है, वो भी मतदान कर सकते हैं।

(c) All those who can vote are citizens
वे सभी जो मतदान करते हैं, नागरिक हैं।

(d) None but voters are not citizens
मतदाताओं के अतिरिक्त कोई नागरिक नहीं हैं।

NTA UGC NET/JRF June 2021(27-12-2021 Shift-I)

Ans. (c) : कथन 'केवल नागरिक ही मतदान कर सकते हैं', निष्कर्ष "वे सभी जो मतदान करते हैं, नागरिक हैं।" के तुल्य हैं। क्योंकि मतदान का अधिकार केवल नागरिकों के लिए उपलब्ध है, अर्थात् जो भी मतदान करेगा वह नागरिक होना चाहिए।

37. Name the fallacy committed in
"Some good actors are not strong men.
All professional wrestlers are strong men.
Therefore, All professional wrestlers are good actors."
तर्कदोष का नाम बताइए:
कुछ अच्छे अभिनेता बलशाली मनुष्य नहीं होते हैं।
सभी पेशेवर पहलवान बलशाली पुरुष होते हैं।
इसलिए, सभी पेशेवर पहलवान अच्छे अभिनेता होते हैं।

(a) Affirmative conclusion from Negative Premises/ सकारात्मक निष्कर्ष, नकारात्मक आधार वाक्य से

(b) Illicit major/अवैध साध्य

(c) Illicit minor/अवैध पक्ष

(d) Undistributed middle/अनिर्धारित हेतु

NTA UGC NET/JRF June 2021(26-12-2021 Shift-II)

Ans. (a) : निम्नांकित कथनों में 'सकारात्मक निष्कर्ष, नकारात्मक आधार वाक्य से प्राप्त दोष है जो कि तब प्राप्त होता है जब तर्कपूर्ण वाक्यों में प्राप्त निष्कर्ष सकारात्मक हो और एक या दो नकारात्मक आधार वाक्य हो।
"कुछ अच्छे अभिनेता बलशाली मनुष्य नहीं होते हैं- नकारात्मक आधार वाक्य सभी पेशेवर पहलवान बलशाली पुरुष होते हैं- सकारात्मक आधार वाक्य
इसलिए, सभी पेशेवर पहलवान अच्छे अभिनेता होते हैं- सकारात्मक

38. The Fallacy committed inthe argument
"All textbooks are books intended for carefull study. Some reference books are books intended for carefull study. Therefore, some reference books are textbooks." is
निम्नलिखित तर्क में कौन-सा तर्क दोष है
"सभी पाठ्य पुस्तकें सावधानीपूर्वक अध्ययन हेतु अभिप्रेत पुस्तकें है कुछ संदर्भ पुस्तकें ऐसी पुस्तकें है' जो सावधानीपूर्वक अध्ययन हेतु अभिप्रेत पुस्तकें हैं"।
अतः कुछ संदर्भ पुस्तकें पाठ्यपुस्तकें हैं:

(a) Fallacy of four Terms/चार पदों का तर्क दोष

(b) Illicit Major/अवैध साध्य

(c) Illicit Minor/अवैध पक्ष

(d) Undistributed Middle/अविभाजित हेतु

NTA UGC NET/JRF June 2021(26-12-2021 Shift-I)

Ans. (d) : तर्क "सभी पाठ्य पुस्तकें सावधानीपूर्वक अध्ययन हेतु अभिप्रेत पुस्तकें है। कुछ संदर्भ पुस्तकें ऐसी पुस्तकें है जो सावधानीपूर्वक अध्ययन हेतु अभिप्रेत पुस्तकें है। अतः कुछ संदर्भ पुस्तकें पाठ्यपुस्तकें हैं।" अविभाजित हेतु का तर्क दोष है क्योंकि मध्य पद 'सावधानी पूर्वक अध्ययन हेतु अभिप्रेत पुस्तकें' अनुमान में विभाजित नहीं हैं।

39. Directions- In the question below, two statements are given followed by four conclusions numbered I, II, III and IV. You have to take the two given statements to be true even if they seem to be at variance from commonly known facts.
Read all the conclusions and then decide which of the given conclusions logically follows from the two given statements, disregarding commonly known facts.
Statements:
(A) All typists are Stenographers
(B) Some Stenographers are boys
Conclusion:
(I) All boys are Stenographers
(II) All boys are typists
(III) Some typists are boys
(IV) No typist is a boy
निर्देश– नीचे दिए गए प्रश्न में दो कथन व चार परिणाम संख्या I, II, III और IV के साथ दिये गए हैं। आपको दो सत्य कथन लेने है चाहे वे सामान्य तथ्य दिखे।/ सभी परिणाम पढ़े तथा निर्धारित करे कौन सा दिया गया परिणाम दिए अविषय सामान्य तथ्यों में से तर्क संगत है।
कथन:
(A) सभी टाईपिस्ट स्टेनोग्राफर है।
(B) कुछ स्टेनोग्राफर लड़के हैं।
परिणाम:
(I) सभी लड़के स्टेनोग्राफर है।
(II) सभी लड़के टाईपिस्ट है।
(III) कुछ टाईपिस्ट लड़के है।
(IV) इनमें से कोई नहीं

(a) Only (I) follows/ केवल (I)

(b) Only (I) and (II) follows/ केवल (I) एवं (II)

Easy Notes4u Online Study

Scanned with CamScanner

(c) Only either (II) or (III) follows/ केवल (II) अथवा (III)

(d) None of these/ इनमें से कोई नहीं

MPPSC SET-2018 (17-01-2019) Shift-I

Ans. (d) : दिए गए कथनों के लिए कोई भी निष्कर्ष सन्तुष्ट नहीं करता हैं।

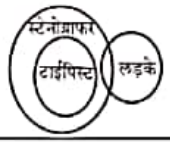

40. All mortals are men,
Socrates is mortal
Therefore Socrates is man
सभी मरणशील मानव हैं,
सुकरात मरणशील हैं।
इसलिए सुकरात मानव हैं।
Which of the following statements are true of the above argument?
निम्नलिखित कथनों में से उपर्युक्त युक्ति के सम्बन्ध में कौन सी सत्य हैं?

(A) Above arguments is sound
उपर्युक्त युक्ति युक्तियुक्त है।

(B) Above argument is valid
उपर्युक्त युक्ति प्रमाणिक है।

(C) Above argument is fallacious
उपर्युक्त युक्ति भ्रामक है।

(D) Above argument commits the fallacy of undistributed middle/उपर्युक्त युक्ति अवितरित मध्य हेत्वाभास से बद्ध है।

Choose the correct answer from the options given below :
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) Only (A) and (B) are correct
केवल (A) और (B) सही हैं

(b) Only (A) is correct /केवल (A) सही है

(c) Only (C) is correct /केवल (C) सही है

(d) Only (C) and (D) are correct
केवल (C) और (D) सही हैं

NTA UGC NET/JRF June 2021(04-12-2021 Shift-I)

Ans. (d) : सभी मरणशील मानव है। सुकारात मरणशील है।
अतः सुकारात मानव है।
उपर्युक्त तर्क वाक्यों में अवितरित मध्य हेत्वाभास है।

41. Given below are two statements: One is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R): नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में :

Assertion (A): The argument "Everything is nameable because it is knowledgeable" is fallacious.
अभिकथन (A): तर्क - "हर वस्तु का नाम हो सकता क्योंकि वह ज्ञेय (नालिजेबल) है" भ्रामक है।

Reasons (R): There is nothing that is not nameable and I cannot find a place where because of the absence of the major term, the middle term is also absent.
कारण (R): ऐसी कोई वस्तु नहीं जिसका नाम नहीं हो सकता और मैं ऐसा कोई स्थान नहीं पाता हूँ, जहां साध्य नही है तो हेतु भी नहीं है।

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:/ उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

(a) Both (A) and (R) are correct and (R) is the correct explanation of (A)/ (A)और (R) दोनों सही हैं और (R),(A)/ की सही व्याख्या है।

(b) Both (A) and (R) are correct and (R) is NOT the correct explanation of (A)/ (A) और दोनों सही हैं लेकिन(R),(A) की सही व्याख्या नहीं है।

(c) (A) is correct but (R) is not correct
(A) सही है लेकिन (R) सही नहीं है।

(d) (A) is not correct but (R) is correct
(A) सही नहीं है लेकिन (R) सही है।

NTA UGC NET/JRF June 2021(03-11-2021 Shift-II)

Ans. (a) : तर्क "हर वस्तु का नाम हो सकता है क्योंकि वह ज्ञेय है।" भ्रामक है क्योंकि ऐसी कोई वस्तु नहीं जिसका नाम नहीं हो सकता है और ऐसा कोई स्थान नहीं हो सकता है और मैं ऐसा कोई स्थान नहीं पाता हूँ जहाँ साध्य नहीं है तो हेतु भी नहीं है। अतः अभिकथन के संदर्भ में दिया गया कारण सही है वह इसकी सही व्याख्या करता है इसीलिए विकल्प (a) सत्य है।

42. Identify the fallacy committed in the argument below.
निम्नलिखित तर्क में हेतु दोष की पहचान कीजिए:

Some good actors are not strong men.
कुछ अच्छे अभिनेता बलिष्ठ व्यक्ति नहीं होते हैं।

All professional wrestlers are strong men.
सभी वृत्तिक पहलवान बलिष्ठ व्यक्ति होते हैं।

Therefore, all professional wrestlers are good actors.
अतः सभी वृत्तिक पहलवान अच्छे अभिनेता होते हैं।

(a) Fallacy of drawing affirmative conclusions from negative premise/निषेधात्मक आधार वाक्य से स्वीकारात्मक निष्कर्ष निकालने का दोष

(b) Fallacy of Illict Major/निषिद्ध साध्य का दोष

(c) Fallacy of Illict Minor/निषिद्ध पक्ष का दोष

(d) Fallacy of Undistributed Middle
अवितरित हेतु का दोष

NTA UGC NET/JRF June 2021(01-12-2021 Shift-II)

Ans. (a) : दिये गये तर्क में निषेधात्मक आधारवाक्य में स्वीकारात्मक निष्कर्ष निकालने का दोष है यह एक औपचारिक तर्क दोष है जिसमें नकारात्मक आधारवाक्य होते हैं।

43. Identify the fallacy committed in the argument नीचे दिए गए तर्कों के दोष की पहचान कीजिए:

No tragic actors are happy men.
कोई त्रासद अभिनेता प्रसन्न व्यक्ति नहीं होते हैं।

Some comedians are not happy men.
कुछ हास्य अभिनेता प्रसन्न व्यक्ति नहीं होते हैं।

Easy Notes 4u Online Study

Scanned with CamScanner

Therefore, some comedians are not tragic actors.
अतः कुछ हास्य अभिनेता त्रासद अभिनेता नहीं हैं।

(a) Fallacy of Undistributed Middle
अव्याप्त हेतु दोष
(b) Fallacy of Illicit Major/अव्याप्त साध्य दोष
(c) Fallacy of Exclusive Premises
व्यावर्तक आधारवाक्य दोष
(d) Existential fallacy/अस्तित्व दोष

NTA UGC NET/JRF June 2021(01-12-2021 Shift-I)

Ans. (c) : व्यावर्तक आधारवाक्य दोष-दोनों आधारवाक्य नकारात्मक होने के कारण यह दोष उत्पन्न होता है। प्रश्न में दिये गये दोनों आधारवाक्य नकारात्मक है। अतः विकल्प (c) सत्य है।

44. Which of the following statements is/ are true ?
निम्नलिखित में से कौन-कौन से कथन सत्य हैं?

A. The terms 'true' and 'false' apply to arguments.
'सही' और 'गलत' पद युक्तियों पर लागू होते हैं।
B. The terms 'true' and 'false' apply to statements.
'सही' और 'गलत' पद कथनों पर लागू होते हैं।
C. The terms 'valid' and 'invalid' apply to arguments.
'वैध' और 'अवैध' पद युक्तियों पर लागू होते हैं।
D. The terms 'cogent' and 'non - cogent' apply to statements./'सशक्त' (कोजेंट) और 'गैर-सशक्त' (नॉन-कोजेंट) कथनों पर लागू होते हैं।

Choose the *correct* answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A and C only/केवल A और C
(b) B and C only/केवल B और C
(c) C and D only/केवल C और D
(d) A and D only/केवल A और D

NTA UGC NET/JRF June 2021(01-12-2021 Shift-I)

Ans. (b) : सत्य कथन अधोलिखित है-
B. सही और गलत पद कथनों पर लागू होते हैं।
C. वैध और अवैध पद युक्तियों पर लागू होते हैं।
अतः विकल्प (b) सत्य है।

45. Which of the following statements are correct?
निम्नलिखित में से कौन से कथन सही है?

(a) A proposition and E proposition are contradictories
तर्कवाक्य A और तर्कवाक्य E व्याघातक हैं
(b) A proposition and O proposition are contradictories.
तर्कवाक्य A और तर्कवाक्य O व्याघातक हैं
(c) E proposition and O proposition are contradictories
तर्कवाक्य E और तर्कवाक्य O व्याघातक हैं
(d) I proposition and O proposition are contraries
तर्कवाक्य I और तर्कवाक्य O विपरीत हैं
(e) I proposition and O proposition are subcontraies
तर्कवाक्य I और तर्कवाक्य O उपविपरीत हैं

Choose the correct answer from the options given below :
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A, D and E only/केवल A, D और E
(b) A, C and D only/केवल A, C और D
(c) B and D only/केवल B और D
(d) B and E only/केवल B और E

NTA UGC NET/JRF June 2021(30-11-2021 Shift-I)

Ans. (d) : सत्य कथन है:-
(B) तर्कवाक्य A एवं तर्कवाक्य O न्यायालय है।
(E) तर्कवाक्य I एवं तर्कवाक्य O उपनिर्धारित है।
अतः विकल्प (d) सत्य है।

46. If 'Some members are not voters' is false in a square of the opposition of proposition, which of the following code can be correctly picked
तर्क वाक्यों के विरोधी वर्ग में यदि "कुछ सदस्य मतदाता नहीं है" असत्य है, तो निम्नलिखित में से किस कूट को सही माना जा सकता है।

A. 'All members are voters' is false
"सभी सदस्य मतदाता है" असत्य है।
B. 'Some members are voters' is true
"कुछ सदस्य मतदाता है" सत्य है
C. 'All members are voters' is true
"सभी सदस्य मतदाता है" सत्य है
D. 'No members are voters' is true
"कोई सदस्य मतदाता नहीं है" सत्य है

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(a) A and D only/केवल A और D
(b) A and B only/केवल A और B
(c) B and C only/केवल B और C
(d) C and D only/केवल C और D

NTA UGC NET/JRF June 2021(28-11-2021 Shift-II)

Ans. (c) : तर्कवाक्यों के विरोधी वर्ग में यदि "कुछ सदस्य मतदाता नहीं है।"
असत्य है अतः सही कूट अधोलिखित है।
(1) कुछ सदस्य मतदाता है, सत्य हैं
(2) सभी सदस्य मतदाता है, सत्य है।
अतः विकल्प (c) सत्य है।

47. Identify the fallacy committed in the argument:
Some birds are not beautiful creatures.
All dogs are beautiful creatures.
Therefore, no dogs are birds.
निम्न में तर्क दोष की पहचान कीजिए:
कुछ पक्षी सुन्दर जीव नहीं है।
सभी कुत्ते सुन्दर जीव हैं
अतः कोई कुत्ता पक्षी नहीं हैं।

(a) Fallacy of Exclusive Premises
अन्वय आधारिका दोष
(b) Fallacy of the Illicit Process of Major Term
आयुक्त साध्य प्रक्रिया दोष
(c) Fallacy of the Illicit Process of Minor Term
आयुक्त पक्ष प्रक्रिया दोष

Easy Notes 4U Online Study

Scanned with CamScanner

(d) Fallacy of the Undistributed Middle Term
अव्याप्त हेतु दोष

NTA UGC NET/JRF June 2021(26-11-2021 Shift-I)

Ans. (b) : आयुक्त साध्य प्रक्रिया दोष एक स्पष्ट न्यायवाद के रूप के किसी भी तर्क द्वारा प्रतिबद्ध एक तर्क दोष है, जिसमें निष्कर्ष में एक शब्द वितरित किया गया है लेकिन आधार वाक्य में वह शब्द न हो। अतः विकल्प (b) सत्य है।

48. If 'All men are mortal' is given as True, then which of the following options can be validly inferred from it?
A. 'No men is mortal' is False
B. 'Some men are mortal' is True
C. 'Some men are not mortal' is True
D. 'Some men are not mortal' is False
E. 'Some men are mortal' is False
Choose the correct answer from the options given below :
यदि 'सभी मनुष्य नश्वर है' सत्य के रूप में प्रदत्त है, तो निम्नलिखित में से किन विकल्पों का इससे वैध रूप से अनुमान लगाया जा सकता है?
A. 'कोई मनुष्य नश्वर नहीं है' असत्य है
B. 'कुछ मनुष्य नश्वर हैं' सत्य है
C. 'कुछ मनुष्य नश्वर नहीं है' सत्य है
D. 'कुछ मनुष्य नश्वर नहीं है' असत्य है
E. 'कुछ मनुष्य नश्वर है' असत्य है
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A, B and D only/केवल A, B और D
(b) A, B and C only/केवल A, B और C
(c) A, B, C and D only/केवल A, B, C और D
(d) B, C, D and E only/केवल A, C, D और E

NTA UGC NET/JRF June 2021(26-11-2021 Shift-I)

Ans. (a) : यदि सभी मनुष्य नश्वर है, सत्य है।
तो, कोई मनुष्य नश्वर नहीं असत्य है।
कुछ मनुष्य नश्वर है सत्य है।
कुछ मनुष्य नश्वर नहीं है सत्य है।
अतः विकल्प (a) सत्य है।

49. Name the fallacy committed in the argument
All dogs are mammals
No cats are dogs.
Therefore, no cats are mammals.
Choose the correct answer from the options given below
तर्क में हेत्वाभास का नाम लिखें:
सभी कुत्ते स्तनधारी होते हैं।
कोई बिल्ली कुत्ता नहीं है।
अतः कोई बिल्ली स्तनधारी नहीं हैं।

(a) Existential Fallacy/अस्तित्ववादी हेत्वाभास
(b) Illicit Major/अवैध साध्य
(c) Illicit Minor/अवैध पक्ष
(d) Undistributed Middle/अविभाजित हेतु

NTA UGC NET/JRF June 2021(25-11-2021 Shift-II)

Ans. (b) : अवैध साध्य एक औपचरिक तर्कदोष है यह तब होता है जब मुख्य पद मुख्य आधार वाक्य में वितरित न होकर केवल निष्कर्ष में वितरित हो। अतः उपर्युक्त तर्कों में अवैध साक्ष्य तर्कदोष है।

50. Pick the correct option to represent the given argument
दिए गए तर्क को व्यक्तित करने के लिए सही कूट-संकेत का चयन करें:
All artists are egoists
सभी कलाकार अहंकारी है।
Some artists are paupers
कुछ कलाकार रंक हैं।
Therefore some papers are egostis
अतः कुछ रंक अहंकारी हैं।

(a) A II – I figure/A II –I आकार
(b) A II –II figure/AII –II आकार
(c) A II – III figure/A II – III आकार
(d) A II – IV figure/A II – IV आकार

NTA UGC NET/JRF June 2021(24-11-2021 Shift-I)

Ans. (c) : सभी कलाकार अहंकारी है। – A म वि
कुछ कलाकार रंक है। – I म उ
अतः कुछ रंक अहंकारी है। – I ∴ उ वि
जब मध्यम पद दोनों आधारवाक्यों में उद्देश्य के स्थान पर होता है तो वह तृतीय आकृति का निर्माण करता है। अतः दिये गये प्रश्न में AII -III आकार सही विकल्प होगा।

51. Given below are two statements :
Statements A : "All physicians whose licenses have been revoked are physicians ineligible to practice."
कथन 'अ' ये सभी चिकित्सक जिनकी अनुज्ञप्तियाँ निरस्त हो गयी हैं वे चिकित्सा कार्य हेतु अयोग्य हैं?
Statement B : "All physicians eligible to practice are physicians whose licenses are intail".
कथन 'ब' वे सभी चिकित्सक जो चिकित्सा कार्य के लिए योग्य हैं उनकी अनुज्ञप्तियाँ अक्षुण हैं?
Which of the following is true with regard to above two statements?
इन दोनों कथनों के सन्दर्भ में निम्नांकित में कौन सा कथन सत्य है।

(a) Statements B is contrapositive of the statement A and these statements are not logically equivalent.
कथन अ, कथन ब का प्रतिपरिवर्तित रूप है तथा दोनों कथन तार्किक दृष्टि से समतुल्य नहीं हैं।
(b) Statement B is contrapositive of the statement A and these two statements are logically equivalent./कथन ब, कथन अ का प्रतिपरिवर्तित रूप है तथा दोनों कथन तार्किक दृष्टि से समतुल्य हैं।
(c) Statement B is converse of the statement A and these two statements are not logically equivalent./कथन ब, कथन अ का प्रतिलोमी रूप है तथा दोनों कथन तार्किक दृष्टि से समतुल्य नहीं है।
(d) Statement B is obverse of the statement A and these two statements are not logically equivalent./कथन ब, कथन अ का प्रतिपरिवर्तित रूप है तथा दोनों कथन तार्किक दृष्टि से समतुल्य नहीं हैं।

NTA UGC NET/JRF June 2021(22-11-2021 Shift-II)

Easy Notes 4u Online Study

Scanned with CamScanner

Ans. (b) : कथन अ - "ये सभी चिकित्सक जिनकी अनुज्ञाप्तियाँ निरस्त हो गई हैं वे चिकित्सा करने हेतु अयोग्य है।"
कथन ब - "वे सभी चिकित्सक जो चिकित्सा कार्य के लिए योज्य है उनकी अनुज्ञाप्तियाँ असुभ है।" कथन ब कथन अ का प्रतिपरिवर्तित रूप है तथा दोनों कथन तार्किक रूप से समतुल्य है।

52. Which of the following statements is true regarding two contrary propositions?
दो विरोधी प्रतिज्ञप्तियों के संबंध में निम्नांकित में से कौन-सा अभिकथन सत्य है?

(a) They can both be true/दोनों सत्य हो सकते हैं।
(b) The truth of one entails the falsity of the other/ एक की सत्यता दूसरे की असत्यता को प्रकट करती है।
(c) They cannot both be false
दोनों असत्य नहीं हो सकते।
(d) The falsity of one entails the truth of the other/ एक की अहस्तान्तरणीय दूसरे की सत्यता को प्रकट करती है।

NTA UGC NET/JRF June 2021(21-11-2021 Shift-II)
NTA UGC NET/JRF June 2021(20-11-2021 Shift-II)

Ans. (b) : दो विरोधी प्रतिज्ञप्तियों के संबंध में अभिकथन सत्य है- (i) एक की सत्यता दूसरे की असत्यता को प्रकट करती है।

53. Given below are two statements :
नीचे दो कथन दिए गए हैं:

Statement I: The terms 'true' and 'false' apply to arguments.
कथन (I): 'सही' और 'गलत' पद तर्कों पर लागू होते हैं।

Statement II: The terms 'true' and 'false' apply to statements.
कथन (II): 'सही' और 'गलत' पद कथनों पर लागू होते हैं।

In the light of the above statements. choose the correct answer from the option given below:
उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) Both Statement I and Statement II are true
कथन I और II दोनों सत्य हैं।
(b) Both Statement I and Statement II are false
कथन I और II दोनों असत्य हैं।
(c) Statement I is true but Statement II is false
कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है।
(d) Statement I is false but Statement II is true
कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है।

NTA UGC NET/JRF June 2021(03-11-2021 Shift-II)

Ans. (d) : सही और गलत कथनों पर लागू होते हैं तर्कों पर नहीं। अतः कथन (i) गलत तथा कथन (ii) सत्य है। इसलिए विकल्प (d) सत्य है।

54. Given below are two statements :
नीचे दो कथन दिए गए हैं:

Statements I : Every thinkable is nameable, because it is thinkable". This is a fallacious arguments because there can be no inference where the minor and the middle terms are the same.
कथन I : "प्रत्येक विचारणीय है, अभिधेयात्मक है, क्योंकि यह विचारणीय है।" यह एक भ्रामक युक्ति है क्योंकि वहाँ अनुमान हो ही नहीं सकता जहाँ गौण और मध्य पद एक ही हों।

Statements II : The fallacy committed in this statements is called the extra-ordinary (asadharana) because the middle term does not belong anything other the present minor term.
कथन II : इस कथन में प्रयुक्त हेत्वाभास को असाधारण कहा जाता है क्योंकि मध्य पद वर्तमान गौण पद के अतिरिक्त अन्य किसी वस्तु से सम्बन्धित नहीं है।

In the light of the above statements, choose the correct answer from the options given below :
उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) Both statement I and statement II are true
कथन I और II दोनों सत्य हैं।
(b) Both statement I and statement II are false
कथन I और II दोनों असत्य हैं।
(c) Statement I is true but statement II is false
कथन I सत्य है लेकिन कथन II असत्य है।
(d) Statement I is false but statement II is true
कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है।

NTA UGC NET/JRF June 2021(04-12-2021 Shift-I)

Ans. (a) "प्रत्येक विचारणीय है, अभिधेयात्मक है, क्योंकि यह विचारणीय है।" यह एक भ्रामक युक्ति है क्योंकि वहाँ अनुमान हो ही नहीं सकता जहाँ गौण और मध्य पद एक ही हों। सत्य है, 'इस कथन में प्रयुक्त हेत्वाभास को असाधारण कहा जाता है क्योंकि मध्य पद वर्तमान गौण पद के अतिरिक्त अन्य किसी वस्तु से सम्बन्धित नहीं है। सत्य है। अतः कथन I और II दोनों सत्य है।

55. Identify the fallacy committed in the argument.
इस तर्कवाक्य में दोष को बताइए:

All men who understand women are potentially perfect husbands.
All potentially perfect husbands are men of infinite patience.
Therefore, some men of infinite patience are men who understand women.
सभी पुरुष जो महिला को समझते हैं वे संभवतः श्रेष्ठ पति होते हैं
सभी संभवतः श्रेष्ठ पति असीमित धैर्य वाले होते हैं
इसलिए, कुछ असीमित धैर्य वाले पुरुष वे पुरुष हैं जो महिला को समझते हैं

(a) Fallacy of illicit major/अव्याप्त - साध्य - दोष
(b) Fallacy of illicit minor/अव्यात - पक्ष - दोष
(c) Existential fallacy/अस्तित्वाभिग्रह - दोष
(d) Fallacy of undistributed middle/अव्याप्त - हेतु - दोष

NTA UGC NET/JRF June 2021(04-01-2022 Shift-II)

Ans. (c) : उपरोक्त तर्कवाक्य में अस्तित्वाभिग्रह दोष है। अस्तित्वाभिग्रह दोष तब उत्पन्न होता है जब किसी ऐसे चीज के बारे में एक आधार से अन्यथा मान्य निष्कर्ष निकाला जाता है जो मौजूद नहीं है।

Easy Notes 4u Online Study

Scanned with CamScanner

56. The second member of the Nyaya syllogism which states the reason for the establishment of the proposition is called
न्याय दर्शन में न्यायवाक्य का दूसरा अवयव आधारवाक्य की स्थापना के लिए तर्क देता है, उसे कहा जाता है-
(a) Pratijna/प्रतिज्ञा
(b) Hetu/हेतु
(c) Udaharana/उदाहरण
(d) Upnaya/उपनय

UGC NTA NET JRF June 2020 (4 Nov.) Shift-I

Ans. (b) : न्याय दर्शन में न्यायवाक्य का दूसरा अवयव आधारवाक्य की स्थापना के लिए तर्क देता है, उसे हेतु कहा जाता है।

57. What fallacy is committed in the following argument?
निम्नलिखित तर्क में कौन-सा तर्क-दोष है?
"Mr. X is wrong in what he said because he is undisciplined by nature"
मिस्टर एक्स ने जो कहा, उसमें वह गलत है क्योंकि वह स्वभाव से अनुशासनहीन है
(a) Ad hominem/एड होमिनेम
(b) Ad populum/एड पोप्यूलम
(c) Ad hoc/एड हॉक
(d) Ad misericordiam/एड मिजरीकोर्डियम

UGC NTA NET JRF June 2020 (13 Nov.) Shift-II

Ans. (a) : एड होमिनेम तर्कदोष तब होता है जब आप किसी व्यक्ति के तर्क पर ध्यान न देकर उसके व्यक्तित्व पर ध्यान देते हैं। यहाँ मिस्टर एक्स को अनुशासनहीनता के आधार पर गलत कहा गया है।

58. Consider the following propositions.
No television is a computer.
Some televisions are not computer.
According to the square of opposition; the above opposition is called as
निम्नलिखित तर्क वाक्य पर विचार कीजिए:
कोई टेलीविजन कम्प्यूटर नहीं होता।
कुछ टेलीविजन कम्प्यूटर नहीं है।
विरोध वर्ग (स्केवर ऑफ अपोजिशन) के अनुसार उपरोक्त विरोध को क्या कहा जाता है:
(a) Subalteration/उपाश्रयण
(b) Subcontrary/उपविपरीतार्थक शब्द
(c) Contradiction/विरोधाभास
(d) Contrary/विपरीतार्थक शब्द

UGC NTA NET JRF June 2020 (13 Nov.) Shift-II

Ans. (a) : उपाश्रयण उन प्रस्तावनाओं में संबंध दर्शाता है जिनमें कर्त्ता और विधेय समान हो परन्तु मात्रा विभिन्न हो। 'A' और 'I' एवं 'E' और 'O' के मध्य संबन्ध को उपाश्रयण कहते है।

कोई टेलीविजन कम्प्यूटर नही होता	-	E
कुछ टेलीविजन कम्प्यूटर नहीं हैं	-	O

अतः यहाँ उपाश्रयण संबंध है।

59. "Mr. X is penniless. Therefore, he should be given preference in admission to college". This reasoning represents which kind of fallacy?
"मिस्टर एक्स कंगाल है। इसलिए उसको महाविद्यालय में प्रवेश देने में वरीयता दिया जाना चाहिए।" यह तर्क - दोष किस प्रकार के दोष का द्योतक है?
(a) Ad hominem/एड होमिनेम
(b) Ad misericordiam/एड मिजरिकोर्डियम
(c) Ad baculum/एड बेकुलम
(d) Ignoratio elenchi/इग्नोरेशियो इलेन्काई

UGC NTA NET JRF June 2020 (13 Nov.) Shift-I

Ans. (b) : एडमिजेरिकोर्डियम एक तर्कदोष दोष है जिसमें कोई व्यक्ति अपने विरोधी को दयापूर्ण स्थिति को आधार बनाकर तर्क को सिद्ध करने का प्रयास करता है। उपर्युक्त उदाहरण में मिस्टर X के कंगालपूर्ण स्थिति को आधार बनाकर तर्क किया गया है।

60. "Some teachers are not sincere" is an example of which category of proposition?
"कुछ शिक्षक कर्त्तव्य निष्ठ नहीं होते हैं" किस श्रेणी के तर्कवाक्य का उदाहरण है?
(a) Universal negative/सार्वभौमिक निषेध
(b) Universal affirmative/सार्वभौमिक विधेय (सकारात्मक)
(c) Particular affirmative/विशेष विधेय (सकारात्मक)
(d) Particular negative/विशेष निषेध (नकारात्मक)

UGC NTA NET JRF June 2020 (12 Nov.) Shift-II

Ans. (d) : 'कुछ शिक्षक कर्तव्यनिष्ठ नहीं होते हैं' विशेष निषेध (नकारात्मक) तर्कवाक्य का उदाहरण है।

61. नीचे दो कथन दिए गए हैं–पहला अभिकथन (A) तथा दूसरा तर्क (R) है–
अभिकथन (A) : गर्मी के मौसम में चिलचिलाती धूप वाली दोपहर के बाद के समय दिल्ली जैसे शहर में क्षोभ मंडलीय ओजोन स्तर सुबह और शाम की तुलना में कम होने की संभावना होती हैं।
तर्क (R) : दोपहर शब्द की अवधि में वायु मण्डल अस्थिर रहता है तथा सुबह और शाम की तुलना में इसका विलयन क्षमता अधिक होती है।
उपरोक्त दोनों कथनों के आलोक में, निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए:
(a) (A) और (R) दोनों सही है और (A) की सही व्याख्या (R) है।
(b) (A) और (R) दोनों सही है और (A) की सही व्याख्या (R) नहीं है।
(c) (A) सही है, किन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, किन्तु (R) सही है।

UGC NTA NET 2019 Shift-I (5.12.2019) Set-7

Ans. (d) : दिया गया अभिकथन (A) कि गर्मी के मौसम में चिलचिलाती धूप वाली दोपहर के बाद के समय दिल्ली जैसे शहर में क्षोभ मंडलीय ओजोन स्तर सुबह और शाम की तुलना में कम नहीं बल्कि अधिक होने की संभावना होती है तथा तर्क (R) दोपहर बाद की अवधि में वायु मण्डल अस्थिर रहता है तथा सुबह और शाम की तुलना में इसका विलयन क्षमता अधिक होती है।
स्पष्ट है कि दिया गया उपर्युक्त अभिकथन (A) गलत है, किन्तु तर्क (R) सही है।

Easy Notes 4u Online Study

Scanned with CamScanner

62. **कोई संगीतकार जापान नहीं हैं।**
सभी नाई संगीतकार हैं।
कोई नाई जापानी नहीं है।
उपर्युक्त न्यायवाक्य में मध्यपद की पहचान कीजिए:
(a) पहले आधार वाक्य में कर्त्ता और दूसरे आधार वाक्य में विधेय
(b) पहले आधार वाक्य में विधेय और दूसरे आधार वाक्य में कर्ता
(c) दोनों आधार वाक्यों में विधेय
(d) दोनों आधार वाक्यों में कर्त्ता

UGC NTA NET/JRF Shift- II, Set-06 June 2019

Ans : (a) : प्रश्न में दिए गए न्याय संगत वाक्य के अनुसार–
(i) कोई संगीतकार जापान नहीं है।
(ii) सभी नाई संगीतकार हैं।
(iii) कोई नाई जापानी नहीं है।

उपर्युक्त चित्र से स्पष्ट है कि पहले न्यायवाक्य में कर्ता (संगीतकार) और दूसरे आधार वाक्य में विधेय (संगीतकार) मध्य पद है। यहाँ मध्य पद से तात्पर्य ऐसे पद से है जो दो या दो से अधिक आधार वाक्यों में उभयानिष्ठ सम्बन्ध या उनके मध्य सम्बन्ध स्थापित करता हो।

63. **अभिकथन (A): मीडिया से होने वाले मनोरंजन के समाज के सांस्कृतिक स्तर में वृद्धि नहीं होती है।**
तर्क (R): मीडिया से होने वाला अधिकांश मनोरंजन पलायनवाद को बढ़ावा देता है न कि अन्तर्वस्तु की गुणवत्ता को।
नीचे दिये विकल्प से सही उत्तर चुनिये
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं, और (R), (A) की सही व्याख्या है
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(c) (A) सही हैं, लेकिन (R) गलत है
(d) (A) गलत है, लेकिन (A) सही है

UGC NTA NET/JRF Shift- II, Set-02 June 2019

Ans. (a) : प्रश्नगत अभिकथन (A) के अनुसार–मीडिया से होने वाले मनोरंजन से समाज के सांस्कृतिक स्तर में वृद्धि नहीं होती है क्योंकि मीडिया से होने वाला अधिकांश मनोरंजन पलायनवाद को बढ़ावा देता है न कि अन्तर्वस्तु की गुणवत्ता को। इस प्रकार तर्क (R) तथा अभिकथन (A) दोनों सही हैं और तर्क (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है।

64. **निम्नलिखित न्याय वाक्य में गौण पद की पहचान कीजिए :**
''कुछ पुस्तकें संवर्धक नहीं होती है
सभी पुस्तकें रुचिकर हैं
इसलिए कुछ रुचिकर बातें संवर्धक नहीं होती हैं।''
(a) निष्कर्ष का उद्देश्य और द्वितीय आधार वाक्य का विधेय
(b) निष्कर्ष का विधेय और प्रथम आधार वाक्य का विधेय
(c) दोनों आधार वाक्यों का उद्देश्य
(d) दोनों आधार वाक्यों का विधेय

UGC NTA NET/JRF Shift- II, Set-10 June 2019

Ans. (a) : प्रश्नगत आधार वाक्य या न्याय वाक्य के आधार पर–
''कुछ पुस्तकें संवर्धक नहीं होती हैं।''

तथा ''सभी पुस्तकें रुचिकर हैं''
निष्कर्ष–कुछ रुचिकर बातें संवर्धक नहीं होती हैं।
इस प्रकार निष्कर्ष का उद्देश्य और द्वितीय आधार वाक्य का विधेय (रुचिकर बातें) गौण पद को प्रकट करता है।

65. **सभी भद्र व्यक्ति विनम्र हैं।**
कोई अपराधी विनम्र नहीं है।
कोई अपराधी भद्र व्यक्ति नहीं है
उपर्युक्त न्याय वाक्य में प्रमुख पद की पहचान कीजिए
(a) आधारवाक्यों में विधेय
(b) आधारवाक्यों में कर्ता
(c) प्रथम आधारवाक्य का कर्ता और निष्कर्ष का विधेय
(d) दूसरे आधारवाक्य का कर्ता ओर निष्कर्ष का कर्ता

UGC NTA NET/JRF Shift- I, Set-07 June 2019

Ans : (c)

दिये गये न्याय वाक्य इस प्रकार हैं–
सभी भद्र व्यक्ति विनम्र हैं।
कोई अपराधी विनम्र नहीं है।
कोई अपराधी भद्र व्यक्ति नहीं है।
उपर्युक्त न्याय वाक्य में प्रमुख पद प्रथम आधार वाक्य का कर्ता और निष्कर्ष का विधेय है।

66. **यदि तर्कवाक्य 'विद्यार्थी गंभीर है मिथ्या मान लिया जाए तो निम्नलिखित में से कौन-से तर्क वाक्य सही हैं?**
A. सभी विद्यार्थी गंभीर हैं
B. सभी विद्यार्थी गंभीर नहीं है
C. कुछ विद्यार्थी गंभीर नहीं है
D. कुछ गंभीर व्यक्ति विद्यार्थी नहीं है
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :
(a) केवल A (b) B और D
(c) केवल D (d) B और C

UGC NTA NET/JRF Shift- II, Set-08 June 2019

Ans : (d) : यदि तर्कवाक्य 'विद्यार्थी गंभीर है' मिथ्या या गलत मान लिया तो निम्नलिखित तर्क वाक्य सही होंगे।

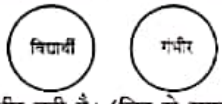

(1) सभी विद्यार्थी गंभीर नही है। (चित्र से स्पष्ट है)
(2). कुछ विद्यार्थी गंभीर नहीं है। (आंशिक रूप से सत्य होगा)

Easy Notes 4u Online Study

Scanned with CamScanner

67. **यदि तर्क वाक्य 'सभी गणतंत्र कृतज्ञ हैं को सत्य मान लिया जाता है तो निम्नलिखित में से कौन से तर्क वाक्य असत्य हो सकते हैं?**
(i) गणतंत्र कृतज्ञ नहीं है
(ii) कुछ गणतंत्र कृतज्ञ नहीं हैं
(iii) कोई भी गणतंत्र कृतज्ञ नहीं है
(iv) कुछ गणतंत्र कृतज्ञ हैं
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:
(a) केवल (i)
(b) केवल (ii)
(c) (i), (ii) और (iii)
(d) (ii) और (iii)

UGC NTA NET/JRF Shift-I, Set-09 June 2019

Ans : (c) प्रश्नगत तर्क वाक्य के अनुसार - "सभी गणतंत्र कृतज्ञ है।"

उपर्युक्त ग्राफ के आधार पर निम्नलिखित तर्क वाक्य असत्य माने जा सकते है -
(i) गणतंत्र कृतज्ञ नहीं है
(ii) कुछ गणतंत्र कृतज्ञ नहीं है
(iii) कोई भी गणतंत्र कृतज्ञ नहीं है।
अतः विकल्प (c) सही उत्तर होगा।

68. **कथन: I. सभी छात्र महत्वाकांक्षी हैं।**
II. सभी महत्वाकांक्षी व्यक्ति परिश्रमी होते हैं।
निष्कर्ष: (i) सभी छात्र परिश्रमी हैं।
(ii) परिश्रम न करने वाले सभी व्यक्ति महत्वाकांक्षी नहीं होते हैं।
निम्नलिखित में कौन सही है?
(a) केवल (i) सही है।
(b) केवल (ii) सही है।
(c) (i) और (ii) दोनों सही हैं
(d) न (i) सही है और न (ii) सही है

UGC NET/JRF Dec 2005

Ans: (c) दिए गए कथन–
1. सभी छात्र महत्वाकांक्षी है।
2. सभी महत्वाकांक्षी व्यक्ति परिश्रमी होते है के आधार पर

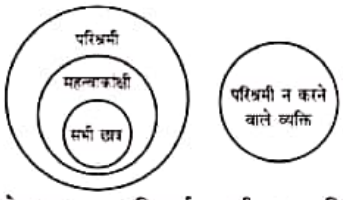

उपर्युक्त चित्र के आधार पर निष्कर्ष– सभी छात्र परिश्रमी है, सत्य हैं और निष्कर्ष– परिश्रम न करने वाले सभी व्यक्ति महत्वाकांक्षी नहीं होते है, यह भी चित्र के आधार पर सत्य है। अतः दोनों निष्कर्ष (i) तथा (ii) सही होगें।

69. **कथन: अधिकांश छात्र बुद्धिमान हैं।**
निष्कर्ष: (i) कुछ छात्र बुद्धिमान हैं।
(ii) सभी छात्र बुद्धिमान नहीं हैं।
अधोलिखित में कौन अभिप्रेत है?
(a) केवल (i) अभिप्रेत है
(b) केवल (ii) अभिप्रेत है
(c) (i) और (ii) अभिप्रेत हैं
(d) न (i) अभिप्रेत है और न (ii) अभिप्रेत है

UGC NET/JRF Dec 2005

Ans: (c) दिए कथन- 'अधिकांश छात्र बुद्धिमान है', को चित्रित करने पर–

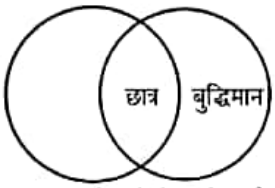

उपर्युक्त चित्र के आधार पर निम्नलिखित निष्कर्ष अभिप्रेत होंगे।
1. कुछ छात्र बुद्धिमान हैं। 2. सभी छात्र बुद्धिमान नही है।

70. **कथन : अधिकांश श्रमिक गरीब हैं।**
निष्कर्ष : (i) कुछ श्रमिक गरीब हैं।
(ii) सभी श्रमिक गरीब नहीं हैं।
अधोलिखित में कौन अभिप्रेत है?
(a) केवल (i) अभिप्रेत है
(b) केवल (ii) अभिप्रेत है
(c) (i) और (ii) अभिप्रेत हैं
(d) न (i) अभिप्रेत है और न (ii) अभिप्रेत है

UGC NET/JRF Dec 2005

Ans: (c) दिए कथन-अधिकांश श्रमिक गरीब हैं, के आधार पर

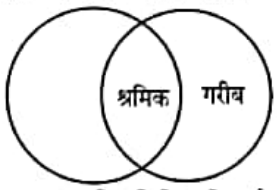

उपर्युक्त चित्र के आधार पर निम्नलिखित निष्कर्ष अभिप्रेत होंगे–
1. कुछ श्रमिक गरीब हैं।
2. सभी श्रमिक गरीब नही हैं।
अतः विकल्प (c) अभीष्ट उत्तर होगा।

71. **निम्नलिखित कथन पर आधारित कौन-से निष्कर्ष विधि-विहित वैध हैं?**
कथन: अधिकांश भारतीय रियासतें स्वतन्त्रता पूर्व भी अवस्थित था।
निष्कर्ष: (I) कुछ भारतीय रियासतों का अस्तित्व स्वतन्त्रता पूर्व भी था।
(II) सभी भारतीय रियासतें स्वतन्त्रता पूर्व अस्तित्व से नहीं थीं।
(a) केवल (I) विवक्षित है।
(b) केवल (II) विवक्षित है।
(c) (I) एवं (II) दोनों विवक्षित हैं।
(d) (I) एवं (II) दोनों विवक्षित नहीं हैं।

UGC NET/JRF June 2006

Ans: (a) दिए गए कथन– अधिकांश भारतीय रियासतें स्वातन्त्रता पूर्व भी अवस्थित था।

Easy Notes 4u Online Study

Scanned with CamScanner

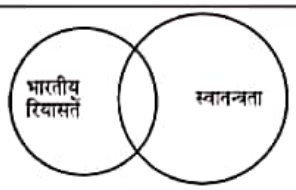

अतः निष्कर्ष (I) कुछ भारतीय रियासतें का अस्तित्व स्वातन्त्रता पूर्व भी था, निष्कर्ष विधि विहित वैध है जबकि निष्कर्ष– सभी भारतीय रियासतें स्वातन्त्रता पूर्व अस्तित्व से नही थी, अवैध है।

72. निम्न में से कौन सा कथन सही नहीं है?

(a) तर्कशक्ति का विकास व्याख्यान विधि द्वारा हो सकता
(b) ज्ञान का विकास व्याख्यान विधि द्वारा हो सकता है।
(c) व्याख्यान विधि एकतरफा प्रक्रिया है।
(d) व्याख्यान विधि के दौरान छात्र निष्क्रिय होते हैं।

UGC NET/JRF Dec 2006

Ans: (a) तर्कशक्ति का विकास व्याख्यान विधि द्वारा नहीं हो सकता है क्योंकि यह शिक्षक केन्द्रित शिक्षण विधि है। जब शिक्षक विषय-वस्तु की सुव्यवस्थित व क्रमबद्ध प्रस्तुति छात्रों के समक्ष मौखिक रूप से करता है तो छात्र उसे सुनकर बिना किसी तर्क के स्वीकार करते रहते है, ऐसी शिक्षण विधि व्याख्यान विधि (Lecture Method) कहलाती है।

आज शिक्षक व्याख्यान करते समय दृष्टान्त, विवरण वर्णन, व्याख्यान और प्रश्नोत्तर, आदि शिक्षण युक्तियों का प्रयोग कर विषय सामग्री को स्पष्ट करने का प्रयत्न करते हैं और साथ ही, श्याम पट, वस्तु, मॉडल, चार्ट, चित्र, रेखाचित्र, मानचित्र आदि अनेक शिक्षण उपकरणों का प्रयोग कर अपने व्याख्यानों को सजीव बनाने का प्रयत्न करते हैं।

73. यदि कथन "सभी छात्र बुद्धिमान हैं" सत्य हैं, तो निम्न में से कौन-से कथन सही नहीं हैं?

(i) कोई छात्र बुद्धिमान नहीं है।
(ii) कुछ छात्र बुद्धिमान है।
(iii) कुछ छात्र बुद्धिमान नहीं है।

(a) (i) तथा (ii) (b) (i) तथा (iii)
(c) (ii) तथा (iii) (d) केवल (i)

UGC NET/JRF Dec 2010

Ans: (d) प्रश्नगत कथन-सभी छात्र बुद्धिमान है, सत्य हैं।

या

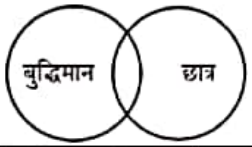

तब निम्नलिखित कथन प्रश्नगत कथन के आधार पर सही नही होगें–
कोई छात्र बुद्धिमान नही हैं।
इसके अतिरिक्त निम्नलिखित कथन आंशिक रूप से सत्य होगें–
1. कुछ छात्र बुद्धिमान है।
2. कुछ छात्र बुद्धिमान नही है।

74. कथन (A): अगली बार उछाले जाने पर सिक्का पट्ट पड़ेगा।
कारण (R): क्योंकि एक साथ पांच बार पहले उछाले जाने पर सिक्का प्रत्येक बार चित्त पड़ेगा

निम्न में से सही उत्तर चुनिये

(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों असत्य है और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(c) (A) शंकास्पद है, (R) सत्य है, और (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(d) (A) शंकास्पद है, (R) असत्य है और (R), (A) की सही व्याख्या है।

UGC NET/JRF Dec 2011

Ans: (d) प्रश्नगत कथन (A) के अनुसार अगली बार उछाले जाने पर सिक्का पट्ट पड़ेगा एक संभावना पर आधारित शंकास्पद कथन है। ऐसा हो भी सकता है और नहीं भी। क्योंकि ऐसा संभव है कि एक साथ पाँच बार पहले उछाले जाने पर सिक्का प्रत्येक बार चित्त पड़ जाये लेकिन यह आवश्यक नही कि पिछली पाँच बार सिक्का चित्त पड़ है तो अगली बार सिक्का पट्ट पड़ ही जायेगा। प्रश्नगत कारण (R) में निश्चित रूप से कहा गया है कि एक साथ पांच बार उछाले जाने पर सिक्का प्रत्येक बार चित्त पड़ेगा, जो कि गलत है क्योंकि ऐसा केवल संयोगवश हो सकता हैं निश्चित रूप से नहीं। इस प्रकार कथन (A) शंकास्पद है, कारण (R) असत्य है और (R), (A) की सही व्याख्या है।

75. कथन (A) : पहले की तुलना में आजकल की कानूनी किताबों में कहीं अधिक कानून है, और पहले की तुलना में कहीं अधिक अपराध होते हैं।
कथन (R) : क्योंकि अपराध कम करने के लिए हमें कानूनों को समाप्त करना होगा।

निम्नलिखित में से सही उत्तर चुनिये:

(a) (A) सत्य है, (R) शंकास्पद है और (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(b) (A) असत्य है; (R) सत्य है और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(c) (A) शंकास्पद है, (R) शंकास्पद है और (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(d) (A) शंकास्पद है, (R) सत्य है और (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

UGC NET/JRF June 2012

Ans: (a) कथन (A) पहले की तुलना में आजकल की कानूनी किताबों में कहीं अधिक कानून है और पहले की तुलना में कही अधिक अपराध होते है इसका अभिप्राय यह है कि जैसे-जैसे अपराध या अपराध करने के तरीके में वृद्धि हो रही वैसे-वैसे नये-नये कानून बन रहे है इसलिए पहले की तुलना में आजकल कानूनी किताबों में अधिक कानून है।
कारण (R) क्योंकि, अपराध कम करने के लिए हमें कानूनों को समाप्त करना होगा।
यदि ऐसा हो गया तो अपराध और बढ़ेंगे क्योंकि जब इतने कानून होने के बावजूद अपराध बढ़ रहें तो कानून न होने पर स्वाभाविक है की अपराध बढ़ेगा।
अतः कथन (A) सत्य है और कारण (R) शंकास्पद है और (R), (A) की सही व्याख्या नही हैं।

Easy Notes 4u Online Study

Scanned with CamScanner

76. कृपया अभिकथन-I और अभिकथन-II पर विचार करें और नीचे दिये गये सही कोड का चयन कीजिए-

अभिकथन I: बैंक लॉकर भी सुरक्षित नहीं है, चोर उन्हें तोड़कर आपकी सम्पत्ति ले जा सकते हैं लेकिन चोर स्वर्ग में नहीं जा सकते अतः आपको अपनी सम्पत्ति स्वर्ग में रखनी चाहिए।

अभिकथन II: मनुष्यों के शरीर के रंग में अन्तर सूर्य से दूरी के कारण होता है, किसी चिर-स्थायी विशेषता के कारण नहीं। शरीर का रंग शरीर पर सूर्य और उसकी किरणों की प्रतिक्रिया का परिणाम है।

कोड :

(a) अभिकथन- और दोनों ही तर्क हैं।
(b) अभिकथन-I तर्क है, किन्तु अभिकथन-II नहीं है
(c) अभिकथन-II तर्क है, किन्तु अभिकथन-I नहीं है
(d) दोनों ही अभिकथन तथ्यों का स्पष्टीकरण है

UGC NET/JRF Dec 2012

Ans. (b) कथन या अभिकथन एक विचार है, जो पक्ष में, या विपक्ष में व्यक्त किया गया होता है। जैसे कि– बैंक लॉकर भी सुरक्षित नही है, वही दूसरी ओर हमें अपनी सम्पत्ति स्वर्ग में रखनी चाहिए अर्थात् अभिकथन-I में पूर्णरूप से तर्क व्याप्त है क्योंकि यदि कोई समसया है तो उसका कोई दूसरा समाधान होना चाहिए जबकि अभिकथन-II में परिणाम के सन्दर्भित तथ्यों को समझाया गया है। जिसका निरुपण उसके विदित अवधारणाओं पर परिचालित है। जो कि तर्कवाक्य की दृष्टि से सही नही हैं। अतः अभिकथन-I उचित रंग सही तर्क होना चाहिए।

77. प्रस्तुत कथन पर विचार कीजिए जिसमें दो तर्क और हैं।

कथन : भारत में एक सशक्त एवं सुदृढ़ लोकपाल होना चाहिए।

तर्क :(i) हाँ, यह नौकरशाही में भ्रष्टाचार को समाप्त करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभायेगा।

(ii) नहीं, यह ईमानदार अधिकारियों को त्वरित निर्णय लेने से हतोत्साहित करेगा।

कूट :

(a) केवल तर्क (i) ही प्रबल है।
(b) केवल तर्क (ii) ही प्रबल है।
(c) दोनों तर्क प्रबल हैं।
(d) दोनों तर्कों में से कोई भी तर्क प्रबल नहीं है।

UGC NET/JRF June 2014

Ans: (a) लोकपाल सुशासन स्थापित करने की पहल है यह भ्रष्टाचार पर रोक लगाता है इसलिए इससे भ्रष्टाचार में लिप्त अधिकारी हतोत्साहित होंगे न कि ईमानदार अधिकारी। अतः कथन (a) प्रबल है।
भारत में सुदृढ़ लोकतंत्र लोकपाल होने से जहाँ यहाँ नौकरशाही में व्याप्त भ्रष्टाचार को समाप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा वहीं यह ईमानदार अधिकारियों को त्वरित निर्णय लेने में उत्साहित करेगा।

78. **A cluster of propositions with a structure that exhibits some inference is called :**
वह प्रतिज्ञप्ति गुच्छ जिसकी संरचना कुछ अनुमान दर्शाती है, उसे कहा जाता है–

(a) An implication/निहितार्थ
(b) An argument /तर्क वाक्य
(c) An explanation /व्याख्या
(d) A description /विवरण

UGC NET/JRF Set-I Shift - I Dec- 2018

Ans. (b) : वह प्रतिज्ञप्ति गुच्छ जिसकी संरचना कुछ अनुमान दर्शाती है उसे तर्कवाक्य कहा जाता है। जब दो संज्ञापद उद्देश्य विधेय के रूप में सम्बन्धित होते हैं तो उनके सम्बन्ध का कथन तर्कवाक्य कहलाता है।

79. **If the following statements are given**
Statement :
I. All girls are scientists
II. All scientists are peacock
Conclusion :
I. All girls are peacock
II. Some peacocks are scientists
then pick up the correct answer :
यदि निम्नलिखित कथन दिए गए हैं
कथन :
I. सभी लड़कियाँ वैज्ञानिक हैं।
II. सभी वैज्ञानिक मोर हैं।
निष्कर्ष :
I. सभी लड़कियाँ मोर हैं।
II. कुछ मोर वैज्ञानिक हैं।
तो सही उत्तर चुनें :

(a) Conclusion I is right /निष्कर्ष I सही है।
(b) Conclusion II is right/निष्कर्ष II सही है।
(c) Conclusion I and II both are right /निष्कर्ष I तथा दोनों II सही हैं।
(d) Conclusion I and II both are wrong/निष्कर्ष I तथा II दोनों गलत हैं।

CG SET 2017 Paper-I

Ans. (c) :

निष्कर्ष I तथा II दोनों सही हैं।

80. **If the proposition "No men are honest" is taken to be false, then which of the following propositions can be claimed certainly to be true?**
यदि प्रस्ताव "कोई पुरुष ईमानदार नहीं है" को गलत माना जाता है, तो निम्नलिखित में से कौन-सा प्रस्ताव निश्चित रूप से सच होने का दावा किया जा सकता है?

(a) All men are honest/सभी लोग ईमानदार हैं
(b) Some men are honest/कुछ पुरुष ईमानदार होते हैं
(c) Some men are not honest/कुछ पुरुष ईमानदार नहीं हैं
(d) No honest person is a man/कोई भी ईमानदार व्यक्ति पुरुष नहीं है

HPPSC SET-2018

Ans. (b) : प्रस्ताव "कोई पुरूष ईमानदार नहीं है" को झूठा माना जाता है, तो "कुछ पुरूष ईमानदार है" प्रस्ताव को निश्चित रूप से सच होने का दावा किया जा सकता हैं।

Easy Notes 4u Online Study

Scanned with CamScanner

A.(iii) अवस्था और आकृति (Mood and Figure)

81. Which of the following codes correctly represents the figure and mood of the argument?/निम्नलिखित कौन-सा कूट तर्कवाक्य के आकार और प्रकार को सही रूप में प्रस्तुत करता है

All businessmen are self - confident
सभी व्यापारी आत्म-विश्वासी होते है।

No self - confident men are religious/आत्म-विश्वास रहित कोई भी व्यक्ति धार्मिक नहीं होता है

Therefore, No religious men are businessmen
इसलिए कोई भी धार्मिक व्यक्ति व्यापारी नहीं होता है

Choose the correct answer from the options given below
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) AEE - I (b) AEE - II
(c) AEE - III (d) AEE - IV

NTA UGC NET/JRF June 2021(28-11-2021 Shift-II)

Ans. (d) : सभी व्यापारी आत्मविश्वासी होते है– A
आत्म विश्वास सहित कोई भी व्यक्ति धार्मिक नहीं होता है– E
अतः कोई भी धार्मिक व्यक्ति व्यापारी नहीं होता है – E

वि. म.
म. उ.
∴ उ.वि. आकार (IV)

इसलिए तर्क का आकार एवं प्रकार AEE IV है अतः विकल्प (d) सत्य है।

82. Which of the following code correctly represents the figure and mood of the argument?/ निम्नलिखित में से कौन सा कूट तर्क के आकार तथा प्रकार का सही निरूपण करता है?

No musicians are Italians
कोई संगीतकार इटली का नहीं

All barbers are Musicians/सभी नाई संगीतकार हैं

Therefore, No barbers are Italians
अतः कोई नाई इटली का नहीं है

Choose the correct answer from the options given below

(a) E A E - I (b) E A E - II
(c) E A E - III (d) E A E - IV

NTA UGC NET/JRF June 2021(28-11-2021 Shift-I)

Ans. (a) : कोई संगीतकार इटली का नहीं है। - E
सभी नाई संगीतकार है। - E
अतः कोई नाई इटली का नहीं है। - E
तर्क का आकार। - E

म.वि.
तर्क का प्रकार। उ.वि. प्रकार - I
∴ उ.वि.

अतः तर्क EAE I प्रकार का है।
अतः विकल्प (a) सत्य है।

83. If the day before yesterday was Friday. What will be the third day after the day after tomorrow
यदि बीते हुए कल से पहले का दिन शुक्रवार था तो आने वाले कल के बाद का दिन कौन सा होगा?

(a) Friday/शुक्रवार (b) Saturday/शनिवार
(c) Thursday/गुरुवार (d) Wednesday/बुधवार

UGC NTA NET JRF June 2020 (9 Oct.) Shift-I

Ans. (a) : यदि बीते हुए कल से पहले का दिन शुक्रवार था
तो आज का दिन रविवार है।
अतः आने वाले कल के बाद का दिन मंगलवार होगा।
इसलिए आने वाले कल के बाद का तीसरा दिन शुक्रवार होगा।

84. A man walks at a speed of 3 km/hr from location A towards east for 1 hour and then turning left walks at a speed of 1.5 km/hr for 6 hours towards north to a location B. The shortest distance between locations A and B is
एक व्यक्ति स्थान A से 3किमी./घंटा गति से पूरब दिशा में 1 घंटे तक चलता है तथा उसके बाद बाएं मुड़कर 1.5 किमी./घंटा की गति से उत्तर दिशा की ओर 6 घंटे तक स्थान तक चलता है। स्थान A और B के बीच की न्यूनतम दूरी होगी–

(a) 10 km/10 किमी. (b) 12 km/12 किमी.
(c) ~ 8.54 km/~ 8.54 किमी.
(d) ~ 9.48 km/~ 9.48 किमी.

UGC NTA NET JRF June 2020 (24 Sept.) Shift-I

Ans. (d) :

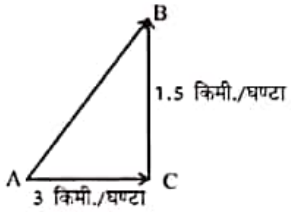

A और C के मध्य दूरी ⇒ 3 किमी./घण्टा × 1 घण्टा
⇒ 3 किमी.
C और B के मध्य दूरी ⇒ 1.5 किमी./घण्टा × 6 घण्टा
⇒ 9.0 किमी.
A और B के मध्य न्यूनतम दूरी -
$AB^2 = AC^2 + CB^2$
$= 3^2 + 9^2$
$= 90$
$\therefore AB = \sqrt{90}$
= 9.48 किमी.

85. Quantity and quality of a categorical proposition decide :
किसी सुस्पष्ट वाक्य की मात्रा और गुणवत्ता निम्नलिखित का निर्णय करती है–

(a) Validity/वैधता (b) Invalidity/अवैधता
(c) Mood/अवस्था (d) Figure/आकृति

UGC NTA NET JRF June 2020 (24 Sept.) Shift-II

Ans. (c) : किसी सुस्पष्ट तर्क वाक्य की मात्रा और गुणवत्ता उसकी अवस्था निर्धारित करती है।

Easy Notes 4u Online Study

Scanned with CamScanner

86. एक ऐसा अनौपचारिक तर्कदोष, जिसमें युक्ति के निष्कर्ष को किसी एक आधार वाक्य में पहले ही मान लिया जाता है, निम्नांकित में से किसकी द्वारा जाना जाता है?

(a) आत्माश्रयण (b) सर्कुलर आर्गग्युमेंट
(c) इग्नोरेशियो एलनकाई (d) आत्माश्रयदोष

नीचे दिए गए विकल्पों में सही उत्तर चुनिए :

(a) (a), (b) और (d) (b) (a) और (c)
(c) केवल (c) (d) (b), (c) और (d)

UGC NTA NET 2019 Shift-I (3.12.2019) Set-

Ans. (a) : एक ऐसा अनौपचारिक तर्कदोष, जिसमें युक्ति के निष्कर्ष को किसी एक आधार वाक्य में पहले ही मान लिया जाता है, को आत्माश्रयण, सर्कुलर आर्गग्युमेंट तथा आत्माश्रयदोष के रूप में जाना जाता है। अतिन्द्रियम को भी अर्थ इन्द्रियातीत या इन्द्रिय से आग्रह नही किया जा सकता, क्योंकि यह अर्थ करने पर इन्द्रिय के लक्षण में इन्द्रिय का प्रवेश हो जाने से आत्माश्रय दोष हो जाता है।

87. चूंकि अन्य लोगों के साथ सर्वाधिक अन्योन्यक्रिया अति सतही स्तर पर होती है, अच्छे /अच्छी ..... करना काफी कठिन हो जाता है

(a) मार्ग-सुधार (b) पूर्वानुमान
(c) कार्य (d) घोषणाएं

UGC NTA NET/JRF Shift- I, Set-07 June 2019

Ans : (b) ऐसी स्थिति में एक अच्छा पूर्वानुमान करना काफी कठिन हो जाता है जब अन्य लोगों के साथ सर्वाधिक अन्योन्यक्रिया अति सतही स्तर पर होती है।

88. निम्नलिखित ग्राफों में कौन-सा नियमित (आवधिक) चल के व्यवहार f (t) का प्रतिनिधित्व नहीं करता?

1.
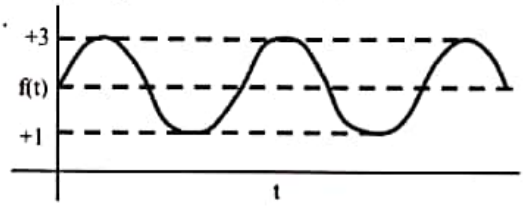

2.
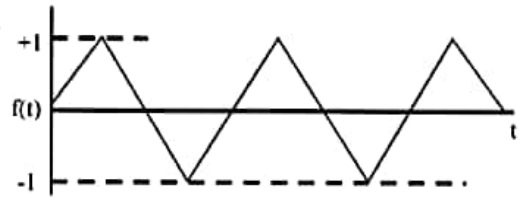

3.
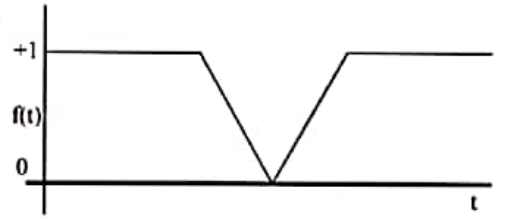

4.
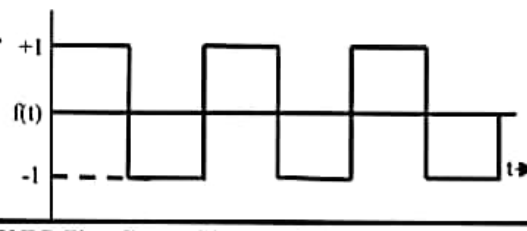

(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

UGC NET/JRF Dec 2009

Ans: (c) माना एक रस्सी है जो एक स्थान से दूसरे स्थान तक चल के व्यवहार की दशा में वह 1, 2, 4 के नियम का अनुसरण करेगी लेकिन किसी भी दशा में वह नियम 3 का अनुसरण नहीं करेगी।

89. निम्नलिखित चरों में से किसे परिमाणात्मक रूप में अभिव्यक्त नहीं किया जा सकता?

(a) सामाजिक-आर्थिक स्तर (b) वैवाहिक स्थिति
(c) संख्यात्मक अभिक्षमता (d) पेशेवर अभिवृत्ति

UGC NET/JRF Dec 2010

Ans: (b) लोगों का सामाजिक-आर्थिक स्तर क्या है इसको तो परिमाणात्मक रूप में अभिव्यक्त किया जा सकता है इसी प्रकार संख्यात्मक अभिक्षमता, पेशेवर अभिवृत्ति को भी परिमाणात्मक रूप से अभिव्यक्त किया जा सकता है लेकिन वैवाहिक स्थिति को परिमाणात्मक रूप में अभिव्यक्त नही किया जा सकता है।

90. नौ वर्षीय बच्चे सात वर्षीय बच्चों से ज्यादा लम्बे होते हैं। यह निम्नलिखित से लिए सन्दर्भ का उदाहरण है

(a) ऊर्ध्वाकार अध्ययन
(b) प्रतिनिध्यात्मक (क्रॉस-सेक्शनल) अध्ययन
(c) समय श्रेणी अध्ययन
(d) प्रयोगात्मक अध्ययन

UGC NET/JRF June 2012

Ans: (b) नौ वर्षीय बच्चे सात वर्षीय बच्चों से ज्यादा लम्बे होते है यह प्रतिनिध्यात्मक (क्रॉस-सेक्शनल) अध्ययन है। यह अध्ययन (अनुदैर्ध्य या प्रयोगात्मक नही है) वर्णनात्मक अध्ययन है। क्योंकि इसके अन्तर्गत शोधकर्ता दो या दो से अधिक संस्कृति के समूह संगठनों की तुलना किसी एक या अधिक चरों के आधार पर करता है।

91. निम्नलिखित कथन तथा दिए गए तर्क (1) और (2) पर विचार करें :

कथन: क्या आपराधिक पृष्ठभूमि के व्यक्तियों का चुनाव में भाग लेनें पर प्रतिबंध लगाना चाहिए?

तर्क:(1) हाँ, यह राजनीति के अपराधीकरण को रोकेगा।

(2) नहीं, इससे शासित दल को अपने राजनैतिक विरोधियों के विरुद्ध तुच्छ मामले फाइल करने में प्रोत्साहन मिलेगा।

(a) केवल तर्क (1) प्रबल हैं।
(b) केवल तर्क (2) प्रबल है।
(c) दोनों तर्क प्रबल है।
(d) दोनो में से काई तर्क प्रबल नहीं हैं।

UGC NET/JRF June 2013

Ans: (a) तर्क (1) आपराधिक पृष्ठ भूमि के व्यक्तियों का चुनाव में भाग लेने पर प्रतिबंध लगाने पर राजनीति के अपराधीकरण पर रोक लगेगी क्योंकि आपराधिक व्यक्ति जब शासन सत्ता में रहता है तो वह अनैतिक कार्य के साथ-साथ आपराधिक कार्य और भी करवाता है। जब रोक लग जायेगी तब उसे राजनीतिक, संरक्षण नही मिलेगा।

तर्क (2) आपराधिक पृष्ठभूमि के व्यक्तियों का चुनाव में भाग लेने पर प्रतिबंध लगाने पर शासित दल अपने राजनैतिक विरोधियों के विरुद्ध तुच्छ मामले फाइल करनें में प्रोत्साहन नही मिलेगी क्योंकि शासित दल पर अपराधियों का दबाव नही रहेगा।

अतः **तर्क (1)** प्रबल है।

Easy Notes4u Online Study

Scanned with CamScanner

92. निम्नलिखित कथन पर विचार करें जिसके संबंध में दो तर्क (1) और (2) दिए गए हैं-
कथन: क्या भारत को द्विदल पद्धति अपना लेनी चाहिए?
तर्क:(1) हाँ, इससे सरकार में स्थिरता आयेगी।
(2) नहीं, इससे मतदाताओं की पसन्द सीमित हो जाएगी।
(a) केवल तर्क (1) प्रबल है।
(b) केवल तर्क (2) प्रबल है।
(c) दोनों तर्क प्रबल है।
(d) दोनो में से काई तर्क प्रबल नहीं हैं।

UGC NET/JRF June 2013

Ans: (c) तर्क (1) द्विदलीय पद्धति होने से सरकार में स्थिरता आती है जैसे अमेरिका में क्योंकि इसमें दो दल होने से एक दल पक्ष से दूसरा दल विपक्ष में रहता है जिससे गठबन्धन की राजनीति या सौदेबाजी की राजनीति नही रहती और सरकार अपना कार्य पूरे कार्यकाल तक करती है।
तर्क (2) भारत जैसे बहुधर्मी (धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र) बहुभाषी, बहुजातीय राष्ट्र में द्विदलीय पद्धति कारगर नहीं होगी क्योंकि इससे सभी वर्गो का प्रतिनिधित्व नही मिल पायेगा और मतदाताओं की पसंद सीमित हो जायेगी। अतः यहाँ दोनों तर्क प्रबल है।

A.(iv) औपचारिक एवं अनौपचारिक युक्ति दोष (Formal and Informal Fallacies)

93. Given below are two statements :
नीचे दो कथन दिए गए हैं:
Statement I : An informal fallacy is one that may be identified through mere inspection of the form or structure of an argument.
कथन I: अनौपचारिक हेत्वाभास वह है जिसका ज्ञान तर्क के स्वरूप अथवा संरचना के निरीक्षण मात्र से स्थापित किया जा सकता है।
Statement II : Formal fallacy is one that can be detected only through analysis of the content of the argument.
कथन II: औपचारिक हेत्वाभास वह है जिसकी पहचान तर्क की विषय-वस्तु के विश्लेषण मात्र से की जा सकती है।
In the light of the above statements, Choose the most appropriate answer from the options given below :
उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:
(a) Both Statement I and Statement II are correct./ कथन (I) और (II) दोनों सही हैं।
(b) Both Statement I and Statement II are incorrect./कथन (I) और (II) दोनों गलत हैं।
(c) Statement I is correct but Statement II is incorrect./कथन (I) सही है, लेकिन कथन (II) गलत है।
(d) Statement I is incorrect but Statement II is correct./कथन (I) गलत है, लेकिन कथन (II) सही है।

NTA UGC NET/JRF June 2021(21-11-2021 Shift-II)

Ans. (b) : औपचारिक हेत्वाभास वह है जिसका ज्ञान तर्क के स्वरूप अथवा संरचना के निरीक्षण मात्र से स्थापित किया जा सकता है। वही
अनौपचारिक हेत्वाभास वह है जिसका ज्ञान तर्क की विषय-वस्तु के विश्लेषण मात्र से किया जा सकता है। अतः कथन I तथा कथन II दोनों गलत है।

94. **Given below are two statements : One is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R) :**
नीचे दो कथन दिए गए हैं जिसमें से एक को अभिकथन (A) और दूसरे को तर्क (R) कहा गया है।
Assertion/अभिकथन (A) : Since the perception of hardness is not necessarily connected with its colour. it can be said that all the perceptions seen conjoined but never connected/चूँकि कठोरता का बोध उसके रंग से आवश्यक रूप से संबंधित नहीं है इसलिए यह कहा जा सकता है सभी बोध संयुक्त प्रतीत होते हैं परन्तु कभी संबंधित नहीं होते हैं।
Reason/तर्क (R) : Causal relationship is always contingent and probable because it is derived from experience/कार्य-कारणमूलक संबंध सदैव आकस्मिक और संभावित होता है क्योंकि वह अनुभव से प्राप्त होता है।
In the light of the above statements. choose the correct answer from the options given below :
उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:
(a) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)/(A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) Both (A) and (R) are true but (R) is NOT the correct explanation of (A)/(A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) is true but (R) is false/(A) सही है परन्तु (R) सही नहीं है।
(d) (A) is false but (R) is true/ (A) सही नहीं है परन्तु (R) सही है।

UGC NTA NET JRF June 2020 (5 Nov.) Shift-II

Ans. (a) : चूँकि कठोरता का बोध उसके रंग से आवश्यक रूप से संबंधित नहीं है इसलिए यह कहा जा सकता है कि सभी बोध संयुक्त प्रतीत होते हैं परन्तु कभी सम्बन्धित नहीं होते हैं और उनका कार्य-कारणमूलक संबंध सदैव आकस्मिक और संभावित होता है क्योंकि वह अनुभव से प्राप्त होता है।
अतः कथन और तर्क दोनों सही है और तर्क, कथन की सही व्याख्या है।

95. Given below are two statements :
नीचे दो कथन दिए गए हैं:
Statement/कथन (I) : When we perform an experiment, then the set S of all possible outcomes is called the sample space/जब हम कोई प्रयोग करते हैं तो सभी संभव परिणामों का समुच्चय S प्रतिदर्श स्पेस कहलाता है।

Easy Notes 4u Online Study

Scanned with CamScanner

Statement/कथन (II): Any superset of a sample space is called an event/किसी प्रतिदर्श स्पेस का अधिसमुच्चय 'इवेंट' कहलाता है।

In the light of the above statements, choose the correct answer from the options given below: उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(a) Both Statement I and Statement II are true/कथन I और II दोनों सही हैं।
(b) Both Statement I and Statement II are false/कथन I और II दोनों गलत हैं।
(c) Statement I is correct but Statement II is false/कथन I सत्य है किंतु कथन II गलत है।
(d) Statement I is incorrect but Statement II is true/कथन I असत्य है किंतु कथन II सही है।

UGC NTA NET JRF June 2020 (5 Nov.) Shift-II

Ans. (c) : किसी प्रयोग का प्रतिदर्श स्पेस सभी संभव परिणामों का समुच्चय होता है और उस प्रयोग से जुड़ा 'इवेन्ट' प्रतिदर्श स्पेश का उपसमुच्चय होता है।
अतः कथन I सही है और कथन-II गलत है।

96. What is the nature of a logical argument? Choose the correct answer from the following: तर्कसंगत युक्ति का प्रवृत्ति क्या होती है? निम्नलिखित में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) Justified or unjustified/न्यायोचित और गैर - न्यायोचित
(b) True or false/सही या गलत
(c) Valid or invalid/वैध या अवैध
(d) Verifiable or not verifiable/सत्यापनीय अथवा असत्यापनीय

UGC NTA NET JRF June 2020 (24 Sept.) Shift-I

Ans. (c) : तर्कसंगत युक्ति की प्रवृत्ति या तो वैध या अवैध होती है।

97. अनुमान के संदर्भ में नीचे दिए गए उदाहरण पर विचार कीजिए –

(a) पर्वत अग्निमय है।
(b) क्योंकि यहां धुंआ है।
(c) जहां धुआँ होता है, वहां आग देती है।

निम्नलिखित में से कौन सा उदाहरण व्याप्ति (नियत साहचर्य के संबंध) को अभिव्यक्त करता है :

(a) पर्वत और अग्नि के मध्य नियत साहचर्य का संबंध
(b) पर्वत और धुएँ के मध्य नियत साहचर्य का संबंध
(c) अग्नि और धुएँ के मध्य नियत साहचर्य का संबंध
(d) अनुभवग्राही और धुएँ के मध्य नियत साहचर्य का संबंध

UGC NTA NET 2019 Shift-II (5.12.2019) Set-8

Ans. (c) : व्याप्ति का शाब्दिक अर्थ है विशेष रूप से आप्ति अर्थात् विशेष रूप से संबंध। जहाँ धुआँ होता है, वहाँ आग होती है– व्याप्ति वाक्य है क्योंकि धुआँ व आग में विशेष सम्बन्ध है अर्थात् दो वस्तुओं के विशेष संबंध को व्याप्ति कहते हैं, लेकिन यह विशेष सम्बन्ध है, क्या? विशेष सम्बन्ध वह है, दो वस्तुओं का नियत साहचर्य अर्थात् हमेशा ही एक के साथ दूसरे का रहना। साहचर्य से आशय है कि एक साथ रहना तथा हमेशा ही एक साथ रहना। बादल एवं बिजली में साहचर्य संबंध है, लेकिन जब-जब बादल होते हैं तब बिजली नही चमकती अर्थात् कभी-कभी एक उपस्थिति दूसरे के बिना भी होती है। यह संबंध व्याभिचारित कहलाता है अर्थात् एक के कमी होने पर भी दूसरे का भाव होना। लेकिन जहाँ-जहाँ धुआँ होता है वहाँ आग आवश्यक होती है एवं आग के भाव के बिना धुआँ का भाव नही होता। यह सम्बन्ध नियत साहचर्य सम्बन्ध कहलाता है। इस प्रकार व्याप्ति का अर्थ है कि नियत साहचर्य अर्थात् अव्याभिचरित सम्बन्ध। जिस साहचर्य संबंध में व्यभिचार अर्थात् अपवाद नहीं हो, व्याप्ति कहलाता है। धुआँ आग से कभी अलग नहीं होता है। इस नियम का अपवाद नहीं है। धुआँ केवल आग से ही उत्पन्न होता है यह ऐकान्तिक है। यह दूसरे पर निर्भर नही है, अर्थात् धुआँ किसी अन्य वस्तु पर निर्भर नही होता।

98. "चूहा एक पशु है। अतः एक बड़ा चूहा एक बड़ा पशु है।" के अंतर्गत कौन सा तर्कदोष हैं?

(a) स्ट्रा मैन (b) स्लिपरी स्लोप
(c) अनेकार्थ (d) संग्रह दोष

UGC NTA NET 2019 Shift-I (3.12.2019) Set-3

Ans. (c) : 'चूहा एक पशु है। अतः एक बड़ा चूहा एक बड़ा पशु है।' इस वाक्य के अन्तर्गत अनेकार्थक तर्कदोष विद्यमान है। जिस शब्द के एक से अधिक अर्थ हो उसे अनेकार्थक शब्द कहते है। यह तर्कदोष तब उत्पन्न होता है जब किसी एक पद या वाक्यांश का प्रयोग युक्ति में भिन्न-भिन्न स्थानों पर अलग-अलग अर्थ में हो। जैसे- 'प्रत्येक वस्तु का अन्त उसकी पूर्णता है। मृत्यु जीवन का अन्त है। अतः मृत्यु जीवन की पूर्णता है।' इस युक्ति में अन्त शब्द अनेकार्थक है। प्रथम आधार वाक्य में अंत शब्द का प्रयोग लक्ष्य के अर्थ में और द्वितीय आधारवाक्य में इसका प्रयोग अन्तिम घटना के अर्थ में हुआ है। इन आधार वाक्यों से निष्कर्ष निकालना कि मृत्यु जीवन की पूर्णता है, अनुचित है। अनेकार्थक दोष भी कई प्रकार के होते है।
व्यष्टि के विषय में सत्य कथन को यदि समष्टि के विषय में लागू किया जाए तो वहाँ संग्रह तर्क दोष होता है।

99. यदि यह अभिकथन कि "कुछ व्यक्ति ईमानदार होते है" असत्य है तो निमनलिखित में से कौन-सा अभिकथन सत्य होगा। नीचे दिए गए सही कोड का चयन कीजिए-

(1) सभी व्यक्ति ईमानदार होते हैं।
(2) कोई भी व्यक्ति ईमानदार नहीं होता।
(3) कुछ व्यक्ति ईमानदार नहीं होते।
(4) सभी व्यक्ति बेईमान होते हैं।

कोड:

(a) (1), (2) और (3) (b) (2), (3) और (4)
(c) (1), (3) और (4) (d) (2), (1) और (4)

UGC NET/JRF June 2013

Ans: (b) प्रश्नगत अभिकथन– "कुछ व्यक्ति ईमानदार है" को असत्य मान लिया जाय तब निम्नलिखित चित्र बनता है–

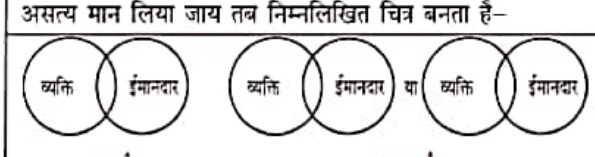

सत्य है असत्य है

उपर्युक्त चित्र के आधार पर निम्नलिखित अभिकथन सत्य होगें–
1. कोई भी व्यक्ति ईमानदार नही होता (पूर्ण रूप से सही)
2. कुछ व्यक्ति ईमानदार नही होते है। (आंशिक रूप से सही)
3. सभी व्यक्ति बेईमान होते है। (पूर्ण रूप से सही)
अतः विकल्प (b) अभीष्ट उत्तर होगा।

Easy Notes 4u Online Study

Scanned with CamScanner

A.(v) भाषा का प्रयोग (Uses of Language)

100. 'I see a piece of fragrant sandalwood' would correctly represent
'मैं सुगंधित चन्दन के एक टुकड़े को देखती हूँ' किसका सही वर्णन है?

(a) Gyanlakshana/ज्ञान लक्षण
(b) Nirvikalpa Pratyaksa/निर्विकल्प प्रत्यक्ष
(c) Samanyalakshna/सामान्य लक्षण
(d) Yogana/योगज

NTA UGC NET/JRF June 2021(25-11-2021 Shift-I)

Ans. (a) : 'मैं सुगंधित चन्दन के एक टुकड़े को देखती हूँ'। यह ज्ञानलक्षण का सही वर्णन है।

101. Given below are two statements:
नीचे दो कथन दिए गए हैं:

Statement-I : A formal fallacy is one that may be identified through mere inspection of the form or structure of an argument.
कथन (I) : औपचारिक हेत्वाभास वह है जिसे तर्क-वाक्य की आकारिक संरचना के निरीक्षण मात्र से चिन्हित किया जा सकता है।

Statement-II : Formal fallacies are found only in deductive arguments that have identifiable forms.
कथन (II) : औपचारिक हेत्वाभास केवल निगमनात्मक तर्क-वाक्य में पाए जाते हैं जिनकी अभिनिर्धार्य आकारिक संरचना हो।

In the light of the above statements, Choose the correct answer from the options given below:
उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) Both Statement I and Statement II are true/ कथन (I) और (II) दोनों सत्य हैं
(b) Both Statement I and Statement II are false/ कथन (I) और (II) दोनों असत्य हैं
(c) Statement I is true but Statement II is false/ कथन (I) सत्य है, लेकिन कथन असत्य है
(d) Statement I is false but Statement II is true कथन (I) असत्य है, लेकिन कथन (II) सत्य है

NTA UGC NET/JRF June 2021(22-11-2021 Shift-I)

Ans. (a) : औपचारिक हेत्वाभास वह है जिसे तर्क-वाक्य की आकारिक संरचना के निरीक्षण मात्र से चिन्हित किया जा सकता है। औपचारिक हेत्वाभास केवल निगमनात्मक तर्क-वाक्य में पाए जाते हैं जिनकी अभिनिर्धार्य आकारिक संरचना हो।
अतः कथन I तथा II दोनों सत्य है।

102. Which of the following statements expresses the informative use of language?
निम्नलिखित में से कौन सा कथन भाषा के सूचनात्मक उपयोग को अभिव्यक्त करता है?

(a) Get out of my class/मेरी कक्षा से बाहर चले जाएं
(b) Why are you so late?/आप इतने विलम्बित क्यों है?
(c) I request my students to be punctual/मैं अपने छात्रों को समयनिष्ठ रहने का अनुरोध करता हूँ।
(d) She is very caring and cooperative/वह अत्यधिक देखभाल करती हैं और सहयोगशील हैं।

UGC NTA NET JRF June 2020 (13 Nov.) Shift-I

Ans. (d) : वह अत्यधिक देखभाल करती हैं और सहयोगशील हैं। भाषा के सूचनात्मक उपयोग को अभिव्यक्त करता है।

103. एक शिक्षक कक्षा में शिक्षण के दौरान कहता है - 'नहीं, आप गलत है।' यह किस प्रकार के प्रतिपुष्टि कहलाती है?

(a) सकारात्मक (b) नकारात्मक
(c) पुष्टिकारी (d) सुधारात्मक

UGC NTA NET/JRF Shift- II, Set-08 June 2019

Ans : (b) : एक शिक्षक कक्षा में शिक्षण के दौरान कहता है - नहीं, आप गलत हैं। यह एक नकारात्मक प्रतिपुष्टि है, क्योंकि इस प्रकार की प्रतिपुष्टि का विद्यार्थी पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और हो सकता है कि वह भविष्य में फिर अपनी जिज्ञासा शिक्षक के सामने रखने से डरे। इसलिए एक कुशल शिक्षक को ज्यादातर सकारात्मक प्रतिपुष्टि का ही उपयोग करना चाहिए। इससे बालक अभिप्रेरित होंगे और उनमें हमेशा जिज्ञासा बनी रहेंगी।

104. सैद्धान्तिक कोड हमारे सामूहिक ..... को आकार प्रदान करते हैं।

(a) निर्माण (b) अवबोधन
(c) खपत (d) सृजन

UGC NET/JRF Dec 2013

Ans: (b) भाषा विज्ञान की यह एक प्रमाणिक अवधारण पर आधारित सैद्धान्तिक कोड हमारे सामूहिक अवबोधन को आकार प्रदान करता है। सैद्धान्तिक परिष्कृत अवधारणा विषयवस्तु के परिप्रेक्ष्य में, वर्गीकृत अवधारणा पर आधारित पराक्रम है, जो सिद्धांतपरक व चीजों को समायोजित करके अवबोधन की आवश्यकतानुसार प्रयोग करता है।

A.(vi) शब्दों का लक्ष्यार्थ और वस्त्वर्थ (Connotations and denotations of terms)

105. The word 'Pen' may denote either an instrument for writing or an enclosure for animals. Such a case may be understood as a fallacy of
'पेन' शब्द एक लेखन उपकरण अथवा पशुओं के बाड़े का सूचक हो सकता है ऐसे मामलें को निम्नलिखित में से भाषा का कौन सा दोष समझा जा सकता है?

(a) Accent /स्वराघात
(b) Equivocation /संदिग्धता
(c) Amphiboly /अनेकार्थकता
(d) Composition /संघटन

NTA UGC NET/JRF June 2021(24-12-2021 Shift-I)

Ans. (b) : 'पेन' शब्द एक लेखन उपकरण अथवा पशुओं के बाड़े का सूचक हो सकता है, भाषा के ऐसे दोष को संदिग्धता का दोष कहा जा सकता है। ध्यातव्य है कि संदिग्धता का दोष एक ऐसा दोष है जिसके द्वारा एक तर्क में एक विशिष्ट शब्द या वाक्यांश का एक से अधिक अर्थों के साथ या रूप में प्रयोग किया जाता है।

Easy Notes 4u Online Study

Scanned with CamScanner

106. The set of attributes shared by all and only those objects to which a general term refers, is called :
ऐसे लक्षणों का समुच्चय जो केवल तथा उन सभी वस्तुओं में अवस्थित हो जिसे एक खास पद द्वारा इंगित किया जाता है, कहलाता है-

(A) The intension of that term
उस पद का अभिप्रेत

(B) Connotation of that term
उस पद की भावार्थकता

(C) The extension of that term
उस पद का विस्तार

(D) Denotation of that term
उस पद की वास्तवार्थकता

Choose the correct answer from the options given below :/ नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) (A) and (B) only/केवल (A) और (B)
(b) (A) and (C) only/केवल (C) और (D)
(c) (A), (B) and (C) only/केवल (A) और (C)
(d) (A), (B) and (D) only/केवल (A) और (D)

NTA UGC NET/JRF June 2021(21-11-2021 Shift-I)

Ans. (a) : ऐसे लक्षणों का समुच्चय जो केवल तथा उन सभी वस्तुओं में अवस्थित हो जिसे एक खास पद द्वारा इंगित किया जाता है, कहलाता है–
(i) उस पद का अभिप्रेत (ii) उस पद की भावार्थकता
अतः विकल्प (a) सत्य है।

107. विरोध-चतुरस्र के शास्त्रीय चिंतन में निम्नलिखित में से किन प्रस्थापनाओं के संयोजन की विरोधाभासी माना जाता है?
(a) सार्वभौमिक अस्तिवाचक और सार्वभौमिक निषेधक
(b) सार्वभौमिक अस्तिवाचक और विशेष अस्तिवाचक
(c) विशेष अस्तिवाचक और सार्वभौमिक निषेधक
(d) विशेष अस्तिवाचक और विशेष निषेधक

UGC NTA NET 2019 Shift-I (5.12.2019) Set-7

Ans. (a) विरोध-चतुरस्र के शास्त्रीय चिंतन में सार्वभौमिक अस्तिवाचक और सार्वभौमिक निषेधक, प्रस्थापनाओं के संयोजन को विरोधाभासी माना जाता है।

108. "कोई मनुष्य मरणशील नहीं है।" का व्याघातक
(a) कुछ मनुष्य मरणशील हैं।
(b) कुछ मनुष्य मरणशील नहीं हैं।
(c) सभी मनुष्य मरणशील हैं।
(d) कोई मरणशील मनुष्य नहीं है।

UGC NET/JRF June 2009

Ans: (a) "कोई मनुष्य मरणशील नहीं है।" का व्याघातक है कुछ मनुष्य मरणशील हैं।

109. निश्चितता है
(a) एक वस्तुगत तथ्य
(b) भावनात्मक रूप से सन्तुष्टिदायक
(c) तार्किक
(d) सात्विक

UGC NET/JRF June 2010

Ans: (b) निश्चितता भावात्मक रूप से संतुष्टिदायक है क्योंकि निश्चिय का भाव आ जाने से व्यक्ति को संतुष्टि प्राप्त होती है।

110. निम्नलिखित परिभाषा की प्रकृति निर्धारित कीजिए:
भ्रूणहत्या का अर्थ है निर्दोष लोगों की निर्मम हत्या।
(a) पदसंबंधी (b) विश्वासोत्पादक
(c) स्वनिर्दिष्ट (d) सैद्धांतिक

UGC NET/JRF June 2012

Ans: (b) भ्रूण हत्या का अर्थ है निर्दोष लोगों की निर्मम हत्या क्योंकि जो अभी पृथ्वी पर जन्म ही नहीं लिया है और माँ के पेट में ही पल रहा है उसकी हत्या निर्मम हत्या ही होगी अतः इस परिभाषा की प्रकृति विश्वासोत्पादक होगी।

111. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन इस कथन के विपरीत है कि 'कुछ व्यक्ति ईमानदार नहीं होते'?
(a) सभी व्यक्ति ईमानदार होते हैं
(b) कुछ व्यक्ति ईमानदार होते हैं
(c) कोई व्यक्ति ईमानदार नहीं होता
(d) उपर्युक्त सभी

UGC NET/JRF Dec 2012

Ans: (a) "कुछ व्यक्ति ईमानदार नहीं होते" अर्थात् इस कथन से निष्कर्ष निकलता है कि कुछ व्यक्ति ईमानदार होते हैं। अतः कथन का विपरीत होगा "सभी व्यक्ति ईमानदार होते हैं।"

112. स्वनिर्मित परिभाषा निम्नलिखित में से कौन-सी कही जा सकती है?
(a) जो हमेशा सत्य हो
(b) जो हमेशा मिथ्या हो
(c) जो कभी सत्य हो, कभी मिथ्या
(d) जो न सत्य हो न मिथ्या

UGC NET/JRF Dec 2013

Ans: (d) स्वनिर्मित परिभाषा को कभी सत्य या असत्य के अवधारणा में नही बाँटा जा सकता है। यह एक विचारात्मक अभिव्यक्ति के स्वरूपों को व्यक्त करता है। जो सर्वांगीण अवधारणात्मक स्वरूप विषयानुसार व्यक्त करता है।

113. जब प्रस्तावों के समूह से एक प्रस्ताव से व्युत्पादित कहा जाए, तो प्रस्तावों का यह समूह कहलाएगा
(a) एक दलील (b) एक वैध दलील
(c) एक स्पष्टीकरण (d) एक अवैध दलील

UGC NET/JRF Dec 2014

Ans: (a) जब प्रस्तावों के समूह से एक प्रस्ताव दूसरे प्रस्तावों से व्युत्पादित कहा जाये, तो प्रस्तावों का यह समूह दलील कहलाएगा। यह दो या दो से अधिक कथनों अथवा वाक्यों का अनुक्रम होता है। जिसमें कोई दावा अथवा निष्कर्ष छुपा होता है। इसमें एक आधार वाक्य एवं एक छिपी मान्यता के आधार पर निष्कर्ष प्रतिपादित किए जाते है।

114. नीचे दो समूह दिए गए हैं। समूह-I में इन्द्रिय प्रकारता विनिर्दिष्ट हैं जबकि समूह-II में उनके अनुरूप संभाषिक सप्रेषण का वर्णन है। दोनो समूहों को सुमेलित करें और उपयुक्त कूट का चयन करते हुए अपना उत्तर दें।

समूह-I (इन्द्रिय संवेदी प्रकारता)		समूह-II (दृष्टान्त परक संभावना)	
(a)	दृश्य प्रकारता	(i)	इससे मेरे मुह में बुरा स्वाद आता है
(b)	श्रवण प्रकारता	(ii)	मैं समस्या पर अपनी ऊँगली नहीं रख सकता।

Easy Notes 4u Online Study

Scanned with CamScanner

(c)	स्पर्श प्रकारता	(iii)	कुछ सड़ांध है।
(d)	घ्राण प्रकारता	(iv)	यह मुझे सही लगता है।
(e)	रस प्रकारता	(v)	मुझे सुनने में यह ठीक लगता है।

	(a)	(b)	(c)	(d)	(e)
(a)	(ii)	(iii)	(v)	(i)	(iv)
(b)	(ii)	(iii)	(i)	(v)	(iv)
(c)	(iv)	(v)	(ii)	(iii)	(i)
(d)	(i)	(ii)	(iv)	(v)	(iii)

UGC NET/JRF Shift - 1, set-3 19 Dec 2018

Ans : (c)

समूह-I (इन्द्रिय संवेदी प्रकारता)		समूह-II (दृष्टान्त परक संभावना)	
(a)	दृश्य प्रकारता	(iv)	यह मुझे सही लगता है।
(b)	श्रवण प्रकारता	(v)	मुझे सुनने में यह ठीक लगता है।
(c)	स्पर्श प्रकारता	(ii)	मैं समस्या पर अपनी ऊँगली नहीं रख सकता।
(d)	घ्राण प्रकारता	(iii)	कुछ सड़ांध है।
(e)	रस प्रकारता	(i)	इससे मेरे मुँह में बुरा स्वाद आता है

115. Consider the statements (a), (b), (c) and (d) given below. Which one of the codes contains the correct statements only?
निम्न चार कथनों (a), (b), (c) और (d) पर विचार कीजिए। निम्नलिखित में से किस कूट में केवल सही कथन समाविष्ट है?

(1) Venn diagram is a clear method of notation.
वेन आरेख संकेतन की स्पष्ट पद्धति है।

(2) To diagram a standard form of a categorical proposition, three overlapping circles are drawn./किसी निरूपाधिक आधारवाक्य के मानक रूप में आरेखन हेतु तीन अतिव्यापन वृत्त खींचे जाते हैं।

(3) To test a categorical syllogism, two overlapping circles are drawn.
किसी निरपेक्ष न्यायवाक्य के परीक्षण हेतु दो अतिव्यापन वृत्त खींचे खींचे जाते हैं।

(4) Venn diagram is a method of testing the validity of categorical syllogisms.
वेन आरेख किसी निरपेक्ष न्यायवाक्य की प्रमाणिकता के परीक्षण की एक पद्धति है।

Code : / कूट :

(a) (1) and (2) only/केवल (1) और (2)
(b) (1), (2) and (3) only/केवल (1), (2) और (3)
(c) (1), (2), (3) and (4)/(1), (2), (3) और (4)
(d) (1) and (4) only/केवल (1) और (4)

UGC NET/JRF Set-1 Shift - 1 Dec- 2018

Ans. (d) : किन्हीं उभयनिष्ठ गुणों को व्यक्त करने वाली वस्तुओं के समूह को समुच्चय कहा जाता है। समुच्चयों को व्यक्त करने वाली ज्यामितीय आकृतियों को वेन आरेख कहा जाता है।
निम्नलिखित में से निम्न कूट सही हैं–
(a) वेन आरेख संकेतन की स्पष्ट पद्धति है।
(d) वेन आरेख किसी निरपेक्ष न्यायवाक्य की प्रमाणिकता के परीक्षण की एक पद्धति है।

A.(vii) विरोध का परंपरागत वर्ग (Classical Square of Opposition)

116. Match List-I with List-II
Consider the following in the context of the Square of Opposition of Propositions

List-I Propositions		List-II Square of Opposition	
A.	If 'A' is False	I.	'A' and 'I' are False
B.	If 'E' is True	II.	'E' is False; 'I' is True
C.	If 'I' is False	III.	'E' and 'O' are True
D.	If 'O' is True	IV.	'E' and 'I' are Undetermined

Choose the correct answer from the options given below/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:
सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए :

सूची-I		सूची-II	
A.	अगर 'A' असत्य है।	I.	'A' और 'I' असत्य है।
B.	अगर 'E' असत्य है।	II.	'E' असत्य है; 'I' सत्य है।
C.	अगर 'I' असत्य है।	III.	'E' और 'O' सत्य है।
D.	अगर 'O' असत्य है।	IV.	'E' और 'I' अनिर्धारित है।

	A	B	C	D
(a)	I	II	III	IV
(b)	II	III	IV	I
(c)	III	I	II	IV
(d)	IV	I	III	II

NTA UGC NET/JRF June 2021(25-11-2021 Shift-II)

Ans. (d) :

सूची-I		सूची-II	
A.	अगर 'A' असत्य है।	IV.	'E' और 'I' अनिर्धारित है।
B.	अगर 'E' असत्य है।	I.	'A' और 'I' असत्य है।
C.	अगर 'I' असत्य है।	III.	'E' और 'O' सत्य है।
D.	अगर 'O' असत्य है।	II.	'E' असत्य है; 'I' सत्य है।

117. Match List-I with List-II.

List-I Proposition in Square of Opposition	List-II Resultant
A. If 'A' is False	1. 'E' is False, 'I' is True
B. If 'E' is False	2. 'A' is True, 'E' is True
C. If 'I' is False	3. 'A' and 'O' are Undetermined
D. If 'O' is False	4. 'E' and 'I' are Undetermined

Choose the correct answer from the options given below:
सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

सूची-I तर्कवाक्य का विरोध-वर्ग	सूची -II निष्कर्ष
A. अगर 'A' असत्य है	1. 'E' असत्य है, 'I' सत्य है
B. अगर 'E' असत्य है	2. 'A' असत्य है, 'E' सत्य है
C. अगर 'I' असत्य है	3. 'A' और 'O' अनिर्धारित है
D. अगर 'O' असत्य है	4. 'E' और 'I' अनिर्धारित है

Easy Notes 4u Online Study

Scanned with CamScanner

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	2	4	1	3
(c)	3	2	1	4
(d)	4	3	2	1

NTA UGC NET/JRF June 2021(26-12-2021 Shift-II)

Ans. (d) : सही सुमेलित सूची-

सूची-I (तर्क वाक्य का विरोध-वर्ग)		सूची-II (निष्कर्ष)
(A) अगर 'A' असत्य है		(4) 'E' और 'I' अनिर्धारित हैं
(B) अगर 'E' असत्य है		(3) 'A' और 'O' अनिर्धारित हैं
(C) अगर 'I' असत्य है		(2) 'A' सत्य है 'E' सत्य है
(D) अगर 'O' असत्य है		(1) 'E' असत्य है 'I' सत्य है

118. Match List I with List II

सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

List I/सूची-I (In Square of opposition) (विरोध - चतुरस्त्र में)	List II/सूची-II (Resultant propositions) (परिणामी न्यायवाक्य)
A. If 'No stars are Dull' is true/यदि 'कोई तारे कांतिहीन नहीं है' सत्य है	1. 'E' and 'I' are undetermined/' E' और 'I' अनिश्चित है
B. If 'some flowers are fragrant' is true/यदि 'कुछ फूल खूशबूदार है' सत्य है	2. 'E' is false and 'I' is true/'E' असत्य है और 'I' सत्य है
C. If 'All sweets are sugary' is true/यदि 'सभी मिठाइयाँ चीनी वाली है' सत्य है	3. 'A' and 'O' are undetermined/' A' और 'O' अनिश्चित है
D. If 'some animals are not mammals' is true/यदि 'कुछ जानवर स्तनधारी नहीं है' सत्य है	4. 'A' is false; 'O' is true/'A' असत्य है, और 'O' सत्य है

Choose the correct answer from the options given below/नीच दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

	A	B	C	D
(a)	4	3	2	1
(b)	3	2	4	1
(c)	2	4	1	3
(d)	1	2	3	4

NTA UGC NET/JRF June 2021(04-01-2022 Shift-II)

Ans. (a):

A. यदि 'कोई तारे कांतिहीन नहीं है' सत्य है	4. 'A' असत्य है, और 'O' सत्य है
B. यदि 'कुछ फूल खूशबूदार है' सत्य है	3. 'A' और 'O' अनिश्चित है
C. यदि 'सभी मिठाइयाँ चीनी वाली है' सत्य है	2. 'E' असत्य है और 'I' सत्य है
D. यदि 'कुछ जानवर स्तनधारी नहीं है' सत्य है	1. 'E' और 'I' अनिश्चित है

119. Match List I with List II

List I/सूची I	List II/सूची II
In a square of opposition/तर्कवाक्यों के विरोधी चतुर्वर्ग में	Resultant/परिणाम
A. If 'Some girls are shy' is True/यदि 'कुछ लड़कियाँ शर्मीली है' सही है	I. 'E' and 'I' propositions are Undetermined/'E' और 'I' तर्क वाक्य अनिश्चित है
B. If 'All men are Tall' is False/यदि 'सभी पुरुष लम्बे हैं' गलत है	II. 'A' and 'O' are Undetermined/'A' और 'O' अनिश्चित है।
C. If 'No crows are white' is True/यदि 'कोई कौआ सफेद नहीं है' सही है	III. 'E' proposition is False; 'I' proposition is True/ 'E' तर्कवाक्य गलत है; 'I' तर्कवाक्य सही है
D. If 'some flowers are not fragrant' is False/यदि 'कुछ पुष्प सुगन्धित नहीं है' गलत है	IV. 'A' proposition is False; 'O' proposition is True/'A' तर्कवाक्य गलत है; 'O' तर्कवाक्य सही है

Choose the correct answer from the options given below:/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) A - I, B - III, C - IV, D - II
(b) A - II, B - I, C - IV, D - III
(c) A - III, B - IV, C - I, D - II
(d) A - IV, B - II, C - I, D - III

NTA UGC NET/JRF June 2021(04-01-2022 Shift-I)

Ans. (b) सही सुमेलित सूची-

सूची-I (तर्क वाक्यों के विरोधी चतुर्वर्ग में)		सूची-II (परिणाम)
(a) यदि 'कुछ लड़कियाँ शर्मीली है' सही है		(ii) 'A' और 'O' अनिश्चित है।
(b) यदि 'सभी पुरूष लम्बे हैं' गलत है		(i) 'E' और 'I' तर्क वाक्य अनिश्चित है।
(c) यदि 'कोई कौआ सफेद नहीं है' सही है		(iv) 'A' तर्कवाक्य गलत है ; 'O' तर्कवाक्य सही है
(d) यदि 'कुछ पुष्प सुगन्धित नहीं है' गलत है		(iii) 'E' तर्कवाक्य गलत है ; 'I' तर्कवाक्य सही है

120. Consider 'E' proposition as True and 'I' as False in a square of opposition of proposition and pick the correct answer from the options given below

तर्कवाक्य के विपरीत के वर्ग मे 'E' तर्कवाक्य को सही और 'I' को गलत मानिए और सही कूट चुनिए :

(a) 'A' is true ; 'A' is True/'A' सही है ; 'A' सही है।
(b) 'I' is false ; 'E' is True/'I' गलत है ; 'E' सही है।

Easy Notes 4U Online Study

Scanned with CamScanner

(c) 'O' is false ; 'E' is false/'O' गलत है ; 'E' सही है।
(d) 'O' is Undetermined ; 'O' is undetermined/'O' अनिर्धारित है ; 'O' अनिर्धारित है

NTA UGC NET/JRF June 2021(25-11-2021 Shift-I)

Ans. (b) : तर्कवाक्य के विपरीत के वर्ग में E तर्कवाक्य को सही और I को गलत मानते हुए सही तर्क है :– 'I' गलत है, 'E' सही है।

121. When the middle term is both positively and negatively related to the major term, the inference is called :
जब मध्य पद साध्य पद से सकारात्मक और नकारात्मक दोनों रूप में संबंधित होता है, तो अनुमिति कहलाती है,
(a) Based on uniformity of co-existence/सह-अस्तित्व की समरूपता पर आधारित
(b) Kevalanavayi/केवलान्वयी
(c) Kevala vyatireki/केवल व्यतिरेकी
(d) Anavaya vyatireki/अन्वय व्यतिरेकी

UGC NTA NET JRF June 2020 (17 Oct.) Shift-I

Ans. (d) : जब मध्य पद साध्य पद से सकारात्मक और नकारात्मक दोनों रूप में संबंधित होता है तो अन्वय व्यतिरेकी अनुमिति कहलाती है।

122. Alive Devadatta is either in his house or elsewhere, Alive Devadatta is not in his house. Therefore alive devadatta is elsewhere.
The above is an example of which kind of pramana?
जीवित देवदत्त या तो अपने घर में है अथवा जीवित देवदत्त अपने घर में नहीं है–
अतः जीवित देवदत्त कहीं और है।
उपरोक्त किस प्रमाण का उदाहरण है ?
(a) Perception and inference (Pratyaksha and Anuman)/बोध एवं अनुमान (प्रत्यक्ष एवं अनुमान)
(b) Comparison (Upmana)/तुलना (उपमान)
(c) Verbal testimony (Shabda)/शब्द प्रमाण
(d) Implication (Arthapatti)/अर्थापत्ति

UGC NTA NET JRF June 2020 (9 Oct.) Shift-II

Ans. (d) : अर्थापत्ति प्रमाण से हम दो तथ्यों के बीच विरोधाभास के परिणामस्वरूप एक तथ्य की खोज करते हैं। उपर्युक्त उदाहरण में देवदत्त के अपने घर में अनुपस्थिति के आधार अन्यत्र उपस्थिति को स्वीकार किया गया है।

123. Given below are two propositions :
All philosophers are fallible.
Hegel is not fallible.
In the classical square of opposition. which one of the following is the correct option for this ?
नीचे दो प्रतिज्ञप्तियां दी गई है:
सभी दार्शनिक दोषक्षम हैं।
हीगल दोषक्षम नहीं है।
विरोध के क्लासिकी वर्ग में इसके लिए निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प सही है?
(a) Contrary/विपरीतार्थक
(b) Sub contrary/उप-विपरीतार्थक
(c) Contradictory/व्याघाती
(d) Subaltern/उपाश्रयी (सबआल्टर्न)

UGC NTA NET JRF June 2020 (5 Nov.) Shift-II

Ans. (c) : "सभी दार्शनिक दोषक्षम है।" A प्रकार का वाक्य है। "हीगल दोषक्षम नहीं है।" O प्रकार का वाक्य है।
अतः A और O प्रकार के वाक्यों के मध्य जिसमें कर्ता समान हो किन्तु गुणवत्ता और मात्रा भिन्न हो, में सम्बन्ध बताता है, एक व्याघाती वाक्य होता है।

124. Given below are two propositions :
Some animals are fierce.
Some animals are not fierce.
In the classical square of opposition which one of the following is the correct option ?
नीचे दो प्रतिज्ञप्तियां दी गई हैं:
कुछ जानवर खूँखार होते हैं।
कुछ जानवर खूँखार नहीं होते हैं।
विरोध के क्लासिकी वर्ग में इसके लिए निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प सही है:
(a) Subaltern/उपाश्रयी (सबआल्टर्न)
(b) Contradictory/व्याघाती
(c) Contrary/विपरीतार्थक
(d) Sub-contrary/उप-विपरीतार्थक

UGC NTA NET JRF June 2020 (5 Nov.) Shift-II

Ans. (d) : जब कर्ता और विधेय समान हो परन्तु केवल गुणवत्ता मे भिन्नता हो, उप-विपरीतार्थक वाक्य कहलाता है जो कि अंशव्यापी सकारात्मक और अंशव्यापी नकारात्मक का सम्बन्ध दर्शाता है। जैसे-

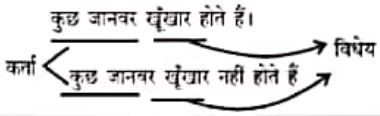

125. "have you stopped telling lies?"
This type of question commits which kind of fallacy."
"क्या आपने झूठ बोलना छोड़ दिया है?" इस प्रकार के प्रश्न में किस प्रकार का दोष है?
(a) Fallacy of complex question/छल प्रश्न दोष
(b) Fallacy of Ambiguity/द्वयर्थक दोष
(c) Fallacy of Equivocation/अनेकार्थक दोष
(d) Fallacy of Accident/उपलक्षण दोष/उपाधि दोष

UGC NTA NET JRF June 2020 (12 Nov.) Shift-II

Ans. (a) : 'क्या आपने झूठ बोलना छोड़ दिया है?' यह छल प्रश्न दोष है। इसमें संदिग्ध धारणाएँ सम्मिलित होती है।

126. यदि दो प्रस्थापनाएं एक-दूसरे से इस प्रकार संबंधित हों कि वे दोनों एक साथ सत्य नहीं हो सकती, यद्यपि दोनों एक साथ असत्य हो सकती है, तो ऐसे संबंध को माना जाता है :
(a) विपरीतक (b) व्याघाती
(c) गौण/उपाश्रित (d) उप-विपरीतक

UGC NTA NET 2019 Shift-II (5.12.2019) Set-8

Ans. (a) : यदि दो प्रस्थापनाएं एक दूसरे से इस प्रकार संबंधित हो कि वे दोनों एक साथ सत्य नही हो सकती, यद्यपि दोनों एक साथ असत्य हो सकती है, तो ऐसे संबंध को विपरीतक माना जाता है।

Easy Notes 4u Online Study

Scanned with CamScanner

127. नीचे दो कथन दिए गए हैं– अभिकथन (A) तथा दूसरा तर्क (R) है–
अभिकथन (A) : प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में कौशल विकास एक प्रमुख अभिलक्षण है।
तर्क (R) : रोजगार प्राप्त करने की इच्छा वाले व्यक्ति को केवल अच्छी शिक्षा की आवश्यकता होती है।
उपरोक्त दोनों कथनों के आलोक में, निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए:
(a) (A) और (R) दोनों सही है और (A) की सही व्याख्या (R) है।
(b) (A) और (R) दोनों सही है और (A) की सही व्याख्या (R) नहीं है।
(c) (A) सही है, किन्तु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, किन्तु (R) सही है।
UGC NTA NET 2019 Shift-II (4.12.2019) Set-6

Ans. (a) : दिए गए अभिकथन- प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में कौशल विकास एक प्रमुख अभिलक्षण हैं, सत्य है, क्योंकि यह आवश्यक नहीं है कि केवल रोजगार विशेष से जुड़ा हुआ व्यक्ति ही विशेष कौशल से परिचित हो अपितु हम सभी को भी शिक्षा की भाँति कौशल विकास को जानना चाहिए। ऐसा इसलिए भी आवश्यक हो जाता है, क्योंकि दैनिक जीवन से जुड़ी छोटी-मोटी समस्या को हम खुद से कर सकते है। तर्क (R)– रोजगार प्राप्त करने की इच्छा वाले व्यक्ति को केवल अच्छी शिक्षा की आवश्यकता होती है, गलत हैं क्योंकि अच्छी शिक्षा की आवश्यकता प्रत्येक व्यक्ति को है। चाहे वह रोजगार करता हो या न करता हो।
अतः अभिकथन (A) सही है, परन्तु तर्क (R) गलत है।

128. परंपरागत विरोध वर्ग के अनुसार यदि दो प्रतिज्ञप्तियाँ इस प्रकार से संबंधित है कि वे दोनों असत्य नही हो सकती है, जबकि वे दोनों सत्य हो सकती है, को कहा जाता है–
(a) उपाश्रित (b) उप-विपरीत
(c) विरोधाभासी (d) विपरीत
UGC NTA NET 2019 Shift-I (3.12.2019) Set-4

Ans. (b) : परम्परागत विरोध वर्ग के अनुसार यदि दो प्रतिज्ञप्तियाँ इस प्रकार से संबंधित है कि वे दोनों असत्य नही हो सकती है, जबकि वे दोनों सत्य हो सकती है, तो इस प्रकार की प्रतिज्ञप्ति को उप-विपरीत प्रतिज्ञप्तियाँ कहा जाता है।
जब दो आधार वाक्यों का उद्देश्य और विधेय समान है, किन्तु उसकी मात्रा भिन्न है तो इसको उपाश्रयी/उपाश्रित के रूप में जाना जाता है।

129. निम्नलिखित में से कौन से तर्कवाक्य हैं, जो एक ही समय में सत्य तो हो सकते हैं, किन्तु एक ही समय में असत्य नहीं हो सकते हैं–
(a) विपरीतार्थी (b) विरोधाभाषी
(c) उप-विपरीतार्थी (d) उपाश्रित
UGC NTA NET 2019 Shift-I (3.12.2019) Set-3

Ans. (c) : उप-विपरीतार्थी तर्कवाक्य ऐसे तर्कवाक्य होते है, जो एक ही समय में सत्य तो हो सकते है, किन्तु एक ही समय में असत्य नही हो सकते है।
उपाश्रमण सम्बन्ध में उपाश्रय के सत्य होने से उपाश्रित भी सत्य हो जाता है, किन्तु इसका उल्टा या विलोम सम्भव नही है।

130. "सभी छात्रों ने अपनी परीक्षा उत्तीर्ण की" तथा "कतिपय छात्रों ने अपनी परीक्षा उत्तीर्ण नहीं की" यह निम्नांकित में से किसका दृष्टांत है?
(a) विरोधाभास (b) आंशिकश्रित (सुपर ऑल्टरन)
(c) उपाश्रयी (d) विपरीतार्थी
UGC NTA NET 2019 Shift-II (2.12.2019) Set-2

Ans. (a) : 'सभी छात्रों ने अपनी परीक्षा उत्तीर्ण की तथा कतिपय छात्रों ने अपनी परीक्षा उत्तीर्ण नही की। यह तर्क विरोधाभास का दृष्टांत है।
विरोधाभास ऐसा कथन होता है जो असंगति उत्पन्न करता है। यह एक ही समय पर सच और झूठ होना हो सकता है अथवा विरोधाभास परस्पर विरोधी प्रतीत होता है। जैसा कि उपर्युक्त कथन में परिलक्षित हो रहा है। यदि सभी छात्रों ने अपनी परीक्षा उत्तीर्ण कर ली तो कतिपय छात्रों के परीक्षा उत्तीर्ण नही करने वाला कथन निश्चित ही पहले कथन का विरोधाभास है।

131. निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प प्रत्येक विधेयात्मक तर्कवाक्य में संबंधित है जो इस बात से निर्धारित होता है, कि तर्कवाक्य वर्ग समावेशन को स्वीकार करता है अथवा अस्वीकार करता है–
(a) गुण (b) परिमाण
(c) वितरण (d) तुलना
UGC NTA NET 2019 Shift-I (2.12.2019) Set-1

Ans. (a) : प्रत्येक वाक्य में एक उद्देश्य पद होता है। एक विधेय पद और उन्हें जोड़ने वाला संयोजक। विधेय पद कई श्रेणियों के होते हैं, कुछ उद्देश्य का स्वरूप-कथन करने वाला, कुछ उसकी बाहरी विशेषताओं को बतलाने वाले। विधेय पदों के वर्गीकरण का अरस्तू के परिभाषा संबंधी विचारों से घना संबंध है। वाक्यों (तर्क वाक्यों या कथनों का वर्गीकरण भी कई प्रकार से होता है। अर्थात्- गुण, परिमाण, संबंध और निश्चयात्मक के अनुसार। संबंध के अनुसार वाक्य कैटेगारिकल, हेतुहेतुमद और डिस्जक्टिव होते हैं निश्चयात्मक के अनुसार, कथनात्मक, संभाव्य और निश्चयात्मक तीन प्रकार के होते है। वाक्य का प्रमुख रूप 'कैटेगारिकल' निरपेक्ष कथन रूप है। वैसे वाक्यों का वर्गीकरण गुण (विधेयात्मक तथा प्रतिषेधात्मक) तथा परिमाण (कुछ अथवा सर्वसंबंधी) के अनुसार होता है। गुण और परिमाण के सम्मिलित प्रकारों के अनुरूप वर्गीकरण चार तरह के वाक्य में उपलब्ध होते है, जिन्हें रोम अक्षरों, ए, ई, आई, ओ, द्वारा संकेतिक किया जाता है। गुण प्रत्येक विधेयात्मक तर्कवाक्य की विशेषता से संबंधित है जो इस बात से निर्धारित होता है कि तर्कवाक्य वर्ग समावेशन को स्वीकार करता है अथवा अस्वीकार करता है।

132. 'सभी गणतंत्र महान है' और 'कुछ गणतंत्र महान नहीं है' - ये दोनों वाक्य सही नहीं हो सकते है और दोनों गलत भी नहीं हो सकते। यह क्या कहलाता है–
(a) विपरीत (b) विरोधाभासी
(c) उपाश्रित (d) अध्याश्रित
UGC NET 2019 Dt. 24.06.2019 (9.30AM–12.30PM)

Ans. (b) : दिए गए दोनों कथन को चित्रित करने पर–
1. सभी गणतंत्र महान हैं।
2. कुछ गणतंत्र महान नहीं है।

Easy Notes 4u Online Study

Scanned with CamScanner

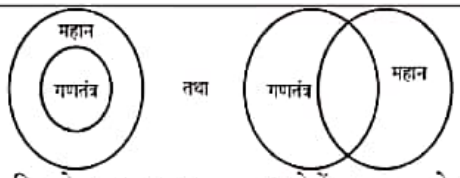

उपर्युक्त चित्र के आधार पर एक साथ दोनों वाक्य न तो सही हो सकते हैं और न ही गलत हो सकते हैं। इस प्रकार के वाक्यों को विरोधाभासी वाक्य कहा जाता है।

133. यदि तर्क वाक्य "सभी पेन पेन्सिल नहीं है" को सत्य मान लिया जाए तो निम्नलिखित में से कौन सा तर्क वाक्य असत्य हो सकता है :

(a) सभी पेन्सिल पेन नहीं है
(b) कुछ पेन्सिल पेन है
(c) कोई भी पेन पेन्सिल नहीं है
(d) कुछ पेन पेन्सिल हैं

UGC NTA NET/JRF Shift- I, Set-03 June 2019

Ans. (a) : प्रश्नगत तर्क वाक्य (आधार वाक्य) "सभी पेन पेंसिल नहीं है" को चित्र में प्रदर्शित करने पर–

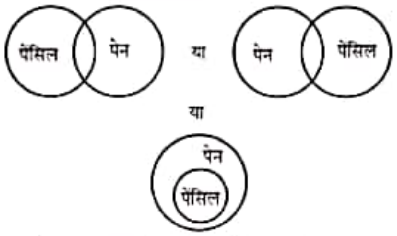

उपर्युक्त चित्र से स्पष्ट है कि कुछ पेंसिल पेन है। कोई भी पेन पेंसिल नहीं है, क्योंकि ऐसा चित्र के माध्यम से आंशिक रूप से सम्भव है। कुछ पेन के पेंसिल होने की भी सम्भावना है, किन्तु सभी पेंसिल पेन नहीं है ऐसा कथन के आधार पर असत्य हो सकता है क्योंकि चित्र से स्पष्ट है कि सभी पेंसिल पेन हो सकता है। अतः तर्क वाक्य (a) प्रश्नगत तर्क वाक्य के आधार पर असत्य हो सकता है।

134.यदि तर्क वाक्य 'कुछ दूध दही होता है' को सही माना जाए तो निम्नलिखित आधार वाक्यों में से कौन-सा गलत होगा?

(a) कोई दूध दही नहीं होता है
(b) सभी दूध दही होता है
(c) कुछ दही दूध-होता है
(d) कुछ दूध दही नहीं होता है

UGC NTA NET/JRF Shift- II, Set-02 June 2019

Ans. (a) : दिए गए तर्क वाक्य के आधार पर–"कुछ दूध दही होता है"

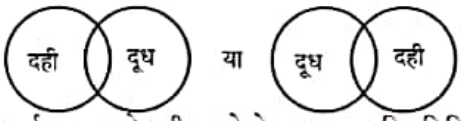

उपर्युक्त तर्क वाक्य को सही मानने के आधार पर निम्नलिखित तर्क वाक्य आंशिक या पूर्ण रूप से सही होता हैं–

(i) सभी दूध दही होता है।
(ii) कुछ दही दूध होता है।
(iii) कुछ दूध दही नहीं होता है।

किन्तु आधार वाक्य "कोई दूध दही नहीं होता है" गलत तर्क वाक्य होगा।

135. जब कर्ता और विधेय दोनों आधार वाक्यों के समान हैं पर वे गुणवत्ता और मात्रा में भिन्न है, उसे कहा जाता है

(a) अतिअधीनस्थ (b) विपरीत
(c) अंतविरोध (d) अधीनस्थ

UGC NTA NET/JRF Shift- II, Set-08 June 2019

Ans : (c) : जब दो तर्कवाक्यों के उद्देश्य एवम् विधेय पद समान हो किन्तु परिमाण और गुण दोनों ही भिन्न हो, तो ऐसी स्थिति में उन दोनों तर्कवाक्यों में अंतर्विरोध (Contradictory) संबंध होता है। जैसे -

सभी उद्योगपति समाजवादी हैं। (A)
और
कुछ उद्योगपति समाजवादी नहीं हैं। (O)

136. Among the following statements, two are contradictory to each other.
Statement :
(1) All men are humans.
(2) Some men are human.
(3) Some men are not humans.
(4) No men are humans.
निम्नलिखित दो कथन एक दूसरे के विरोधी हैं।
कथन:
(1) सभी पुरुष मानव हैं।
(2) कुछ पुरुष मानव हैं।
(3) कुछ पुरुष मानव नहीं हैं।
(4) कोई पुरुष मानव नहीं हैं।
उस कूट का चयन करें जो उनका प्रतिनिधित्व करता है-

(a) (1) और (2) (b) (1) और (4)
(c) (1) और (3) (d) (2) और (3)

UGC NTA NET/JRF Shift - 1, set-7 21 Dec 2018

Ans.(c) : ऐसे कथन जिसे व्यक्त करने पर उनसे प्राप्त परिणाम विपरीत होता है, उसे परस्पर विरोधी कथन कहा जाता है। प्रश्नगत कथन में विकल्प (a) तथा (c) में दिया गया कथन परस्पर विरोधी कथन है। क्योंकि दोनों में से कोई एक ही सही होगा। यदि विकल्प (a) का कथन सही हुआ तो विकल्प (c) का कथन सही नहीं होगा। इसी प्रकार यदि विकल्प (c) का कथन सही हुआ तो विकल्प (a) सही नहीं होगा।

137. Among the following statements two are contradictory to each other. Select the code that represents them-
दिए गए कथनों में दोनों एक दूसरे के द्वन्द्वात्मक है। इन्हें निरूपित करने वाले कूट को चुनिए-
Statements/कथन
1. All judges are lawyers
सभी न्यायाधीश वकील है।
2. Some judgesare lawyers.
कुछ न्यायाधीश वकील हैं।

Easy Notes 4u Online Study

Scanned with CamScanner

3. Some judges are not lawyers.
कुछ न्यायाधीश वकील नहीं है।
4. No judges are lawyers
कोई न्यायाधीश वकील नहीं है।

Code/ कूट :
(a) 1 और 2 (b) 1 और 3
(c) 1 और 4 (d) 2 और 4

UGC NTA NET/JRF Shift - 1, set-5 20 Dec 2018

Ans.(b) : द्वन्द्वात्मक कथन ऐसे कथन को कहा जाता है जिसमें एक कथन के सही होने पर दूसरा कथन बिल्कुल गलत हो या दूसरा कथन संभव ही ना हो। प्रश्नगत विकल्पों में विकल्प (a) और (c) दोनों द्वन्द्वात्मक कथन है क्योंकि यदि सभी न्यायाधीश वकील है तो ऐसा नहीं हो सकता है कि कुछ न्यायाधीश वकील नहीं है।

138. निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन सदैव असत्य होते हैं?
(i) किसी दिन सूर्य पूर्व से उदित नहीं होगा।
(ii) लकड़ी का मेज, मेज नहीं होता।
(iii) दिल्ली शहर पानी में डूब जाएगा।
(iv) कारों में पानी ईंधन के रूप में प्रयुक्त होगा।
निम्नलिखित कूट से सही उत्तर चुनिए:
कूट:
(a) (i), (iii) और (iv) (b) केवल (iii)
(c) (i), (ii) और (iii) (d) केवल (ii)

UGC NET/JRF Dec 2006

Ans: (c) प्रश्नगत कथनों में से निम्नलिखित कथन सदैव (सार्वभौमिक रूप से) असत्य होंगे–
1. किसी दिन सूर्य पूर्व से उदित नही होता।
2. लकड़ी का मेज, मेज नही होता।
3. दिल्ली शहर पानी में डूब जायेगा।

उपर्युक्त तीनों ही कथन अपने वर्तमान स्थिति के बिल्कुल ही विपरीत है। जैसे– किसी दिन सूर्य पूर्व से उदित नही होता अर्थात् कुछ दिन सूर्य पूर्व के अतिरिक्त अन्य दिशा से भी उदित हो जाता है, जो सर्वथा अनुचित और असत्य है। इसी प्रकार प्लास्टिक और लोहे के मेज से पहले लकड़ी का ही मेज हुआ करता था और दिल्ली जो कि चारो ओर से स्थलबद्ध है कभी पानी में नहीं डूब सकता।
कारों में पानी ईंधन के रूप में प्रयुक्त होता है, निश्चित रूप से सत्य है क्योंकि कार को चलने के लिए जितना डीजल या पेट्रोल ईंधन की आवश्यकता होती है उतनी ही ईंजन को सुचारू रूप से चलने के लिए पानी की आवश्यकता होती है। इस प्रकार पानी कार में ईंधन के रूप में कार्य करता है।

139. नीचे लिखे चार कथनों में दो को चुनिए जो सही नहीं हो सकते पर गलत हो सकते हैं, सही युग्म चुनिए:
(i) सभी मनुष्य मरणशील हैं।
(ii) कुछ मनुष्य मरणशील हैं।
(iii) कोई भी मनुष्य मरणशील नहीं हैं।
(iv) कुछ मनुष्य मरणशील नहीं हैं।
कूट :
(a) (i) और (ii) हैं। (b) (iii) और (iv)
(c) (i) और (iii) (d) (ii) और (iv)

UGC NET/JRF Jun 2007

Ans: (b) प्रश्नगत कथनों में से निम्नलिखित कथन असत्य या सही नही हो सकते पर गलत हो सकते हैं–
1. कोई भी मनुष्य मरणशील नही हैं।
2. कुछ मनुष्य मरणशील नही हैं।
अतः विकल्प (b) सही उत्तर होगा।

140. दो तर्कवाक्य जिनके उद्देश्य और विधेय पद समान हैं, लेकिन गुण भिन्न हैं वे :
(a) व्याघातक हैं (b) विरुद्ध हैं
(c) गौण हैं (d) तादात्म्यक हैं

UGC NET/JRF Dec 2008

Ans: (b) दो तर्क वाक्य जिनके उद्देश्य और विधेय पद समान हैं, लेकिन गुण भिन्न हैं तो वे एक दूसरे के विरूद्ध होंगे।

141. ऐक स्वनिर्मित परिभाषा होती है-
(a) सदैव सत्य
(b) सदैव असत्य
(c) कभी सत्य कभी असत्य
(d) न सत्य और न ही असत्य

UGC NET/JRF Dec 2012

Ans: (d) एक स्वनिर्मित परिभाषा न सत्य होती है और न ही असत्य होती है। क्योंकि स्वयं के द्वारा निर्मित परिभाषा स्वयं के लिए तो सत्य होती है परन्तु कोई जरूरी नहीं कि वह सर्वमान्य परिभाषा हो। इस प्रकार स्वनिर्मित परिभाषा को न तो सत्य कहा जा सकता है और न ही असत्य कहा जा सकता है।

142. दो अभिकथनों के उद्देश्य और विधेय की शब्दावली यदि ऐसी है कि एक की शब्दावली दूसरे का निषेध करती है तो उन दोनों के बीच का संबंध क्या कहलाता है?
(a) विरोधात्मक (b) विपरीत
(c) उप-विपरीत (d) उपाश्रयण

UGC NET/JRF Dec 2013

Ans: (a) जब अभिकथनों के उद्देश्य और विधेय की शब्दावली ऐसी प्रतीत होती हो, कि वह एक दूसरों की निषेध करती हो, तो ऐसे में दोनों के बीच विरोधात्मक संबंध होता है। जैसे–
कथन 1. सभी कुत्ते शेर होते है।
कथन 2. कोई भी कुत्ता शेर नही है।
यहाँ दोनों ही कथनों में विरोधाभाष दिखाई पड़ता है।

143. यदि दो प्रस्तावों, जिनका कर्ता और कर्म शब्द एक से हैं, तो उन दोनों को सही माना जा सकता है परन्तु ये दोनों गलत नहीं हो सकते, इन दोनों प्रस्तावों के बीच के सम्बन्ध को क्या कहेंगे?
(a) अन्तर्विरोधात्मक (b) विरोधी
(c) उप-विरोधी (d) अधीनस्थ

UGC NET/JRF June 2014

Ans: (c) यदि दो प्रस्तावों, जिनका कर्ता और कर्म शब्द एक से है तो उन दोनों को सही माना जा सकता है परन्तु ये दोनों गलत नहीं हो सकते, इन दोनों प्रस्तावो के बीच संबंध को उप-विरोधी कहा जाता है।

144. जब परिभाषा का उद्देश्य उपयोग को स्पष्ट करना या अस्पष्टता अथवा संशय दूर करना होता है तो ऐसी परिभाषा कहलाती है:
(a) सैद्धान्तिक (b) शाब्दिक
(c) प्रत्ययकारी (d) अनुबन्धात्मक

UGC NET/JRF Jun 2015

Ans: (b) शाब्दिक परिभाषा–जब परिभाषा का उद्देश्य उपयोग को स्पष्ट करना या अस्पष्टता अथवा संशय दूर करना होता है तो ऐसी परिभाषा शाब्दिक परिभाषा कहलाती है।

Easy Notes 4U Online Study

Scanned with CamScanner

145.अभिकथन (A) : औपचारिक सम्प्रेषण त्वरित और लचीला होना चाहिए।

तर्क (R) : सूचना काऔपचारिक सम्प्रेषण एक योजनाबद्ध और व्यवस्थित प्रवाह है।

(a) दोनों (A) और (R) सत्य हैं, परंतु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(b) (A) सत्य हैं, परन्तु (R) असत्य है।
(c) (A) असत्य हैं, परन्तु (R) सत्य है।
(d) दोनों (A) और (R) सत्य हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

UGC NET/JRF Jan 2015

Ans: (c) औपचारिक सम्प्रेषण त्वरित और लचीला होना चाहिए यह अभिकथन असत्य है क्योंकि औपचारिक सम्प्रेषण त्वरित और लचीला नहीं होना चाहिए बल्कि सूचना का औपचारिक सम्प्रेषण एक योजनाबद्ध और व्यवस्थित प्रवाह में होना चाहिए। अतः अभिकथन (A) असत्य परन्तु तर्क (R) सत्य है।

146.निम्नलिखित कथनों में से दो एक-दूसरे के विरोधी है। सभी कूट चयन करिए जो सही उत्तर का प्रतिनिधित्व करे।

कथन :

1. सभी कवि दार्शनिक होते हैं।
2. कुछ कवि दार्शनिक होते हैं।
3. कुछ कवि दार्शनिक नहीं होते हैं।
4. कोई भी दार्शनिक कवि नहीं होता।

कूट :

(a) 1 और 4 (b) 1 और 3
(c) 2 और 3 (d) 1 और 2

UGC NET/JRF Jun 2015

Ans: (b) सभी कवि दार्शनिक होते हैं। इस कथन का विरोधी कथन होगा कि कुछ कवि दार्शनिक नहीं होते है।

147.अभिकथन (A): जनसंख्या नियंत्रण के उपायों से अनिवार्य रूप से पर्यावरणीय ह्रास को रोकने में मदद नहीं मिलती है।

तर्क (R): जनसंख्या वृद्धि और पर्यावरणीय ह्रास के बीच का सम्बन्ध जटिल है।।

निम्नलिखित से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(b) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।
(c) (A) असत्य हैं, परन्तु (R) सत्य है।
(d) (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

UGC NET/JRF Dec 2015

Ans: (d) जनसंख्या नियंत्रण के उपायों से अनिवार्य रूप से पर्यावरणीय ह्रास को रोकने में मदद नही मिलती है, क्योंकि जनसंख्या वृद्धि और पर्यावरणीय ह्रास के बीच का संबंध जटिल होता है। उपर्युक्त दिया गया अभिकथन (A) एवं तर्क (R) दोनों सत्य है और R, A का सही स्पष्टीकरण भी है।

148.निम्नलिखित अभिकथन (A) और तर्क (R) पर विचार कीजिए और दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(A) कोई आदमी पूर्ण नहीं है।
(R) कुछ आदमी पूर्ण नहीं हैं।

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) के लिए पर्याप्त तर्क प्रस्तुत करता है।
(b) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।
(c) (A) असत्य हैं, परन्तु (R) सत्य है।
(d) (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) के लिए पर्याप्त तर्क प्रस्तुत नहीं करता है।

UGC NET/JRF Dec 2015

Ans: (d) 'कोई आदमी पूर्ण नही है।' सही है लेकिन 'कुछ आदमी पूर्ण नहीं है।' यह भी सही है लेकिन यह (') के लिए पर्याप्त तर्क प्रस्तुत नहीं करता है।

149.यदि तर्कवाक्य 'कोई आदमी ईमानदार नहीं है' को गलत माना जाता है तो निम्नलिखित तर्कवाक्य/तर्कवाक्यों में से किसे निश्चितरूपेण सही होने का दावा किया जा सकता है?

तर्कवाक्य:

(a) कुछ आदमी ईमानदार हैं।
(b) कुछ आदमी ईमानदार नहीं हैं।
(c) कोई ईमानदार व्यक्ति आदमी नहीं है।
(d) सभी आदमी ईमानदार हैं।

UGC NET/JRF Dec 2015

Ans: (a) यदि तर्क वाक्य 'कोई आदमी ईमानदार नहीं है' को गलत माना जाय तब–

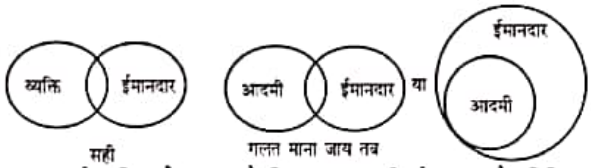

उपर्युक्त चित्र से स्पष्ट है कि कुछ आदमी ईमानदार है, निश्चित (रूपेण) सही होने का दावा करते है।

150.संरचनावाले तर्कवाक्यों का समूह, जो कुछ निष्कर्ष प्रदर्शित करता है, कहलाता है :

(a) एक तर्क (b) एक स्पष्टीकरण
(c) एक वैध तर्क (d) एक निष्कर्ष

UGC NET/JRF Dec 2015

Ans: (a) संरचना वाले तर्कवाक्यों का समूह जो कुछ निष्कर्ष प्रदर्शित करता है वह एक तर्क कहलाता है।

151.अर्थपूर्ण परिभाषा जिसे सोच-समझकर कुछ प्रतीकों के लिए निर्दिष्ट किया जाता है, कहलाता है:

(a) परिशुद्धता (b) स्वनिर्मित परिभाषा
(c) प्रत्ययकारी (d) कोश-विषयक

UGC NET/JRF Dec 2015

Ans: (b) एक अर्थपूर्ण परिभाषा जिसे सोच-समझकर कुछ प्रतीकों के लिए निर्दिष्ट किया जाता है वह स्वनिर्मित परिभाषा कहलाती है। जिसे एक नये या वर्तमान में मौजूदा कार्यकाल के प्रयोजनों के लिए किया जाता है।

152. यदि यह अभिकथन कि 'सभी चोर गरीब होते हैं'' गलत है तो निम्नलिखित में से किस अभिकथन के संबंध में निश्चित रूप से सही होने का दावा किया जा सकता है?

अभिकथन :

(a) कुछ चोर गरीब होते हैं।
(b) कुछ चोर गरीब नहीं होते हैं।
(c) कोई भी चोर गरीब नहीं होता है।
(d) कोई गरीब आदमी चोर नहीं होता है।

UGC NET/JRF July 2016

Easy Notes 4u Online Study

Scanned with CamScanner

Ans : (b) दिए गए अभिकथन कि 'सभी चोर गरीब होते है को गलत मान लिया जाय तो निम्नलिखित संभावनाऐं निहितार्थ होती है–

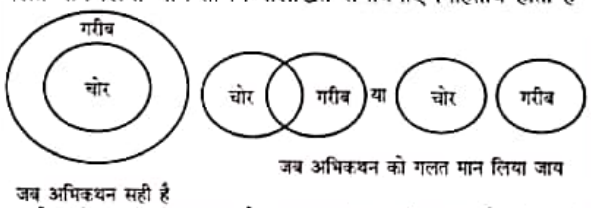

जब अभिकथन को गलत मान लिया जाय

जब अभिकथन सही है

उपर्युक्त चित्र की सहायता से निम्नलिखित अभिकथन के संबंध में निश्चित रूप से सही होने का दावा किया जा सकता है–

1. कुछ चोर गरीब नही होते हैं।

यह अभिकथन, प्रश्नगत अभिकथन के गलत होने पर बने दोनों ही स्थितियों में सही होता है। अतः इसके सही होने का दावा किया जा सकता है।

153. Assertion (A): Sustainable development is critrical to well being of human society .

अभिकथन (A) : सतत् विकास मानव समाज के कल्याण के लिए महत्वपूर्ण है।

Reason (R): Environmentally sound policies do not harm the environment or deplete the natural resources.

तर्क (R): पर्यावरणीय दृष्टि से सही नीति पर्यावरणको क्षति नहीं पहुँचाती है अथवा प्राकृतिक संसाधनों का क्षरण नहीं है।

Choose the correct code :
सही कूट का चयन करें :

(a) Both (A) and (R) are correct and (R) is the correct explanation of A .
(A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

(b) Both A and R are correct, but R is not the correct explanation of A .
(A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) का सही स्पष्टिकरण नहीं है।

(c) A is true, but R is false
(A) सही तथा (R) गलत हैं

(d) A is false, but R is true
(A) गलत तथा (R) सही हैं

UGC NET/JRF 22 Jan 2017

Ans : (b) सतत विकास सामाजिक-आर्थिक विकास की वह प्रक्रिया है जिसमें पृथ्वी की सहन शक्ति के अनुसार विकास की बात की जाती है। अतः यह मानव समाज के लिए महत्वपूर्ण है, जबकि पर्यावरणीय दृष्टि से सही नीति पर्यावरण को क्षति नहीं पहुंचाती है अथवा प्राकृतिक संसाधनों का क्षरण नहीं है। उपर्युक्त कथन एवं तर्क दोनों सही है किन्तु तर्क (R), अभिकथन (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

154. Given below are four statements. Among them two are related in such a way that they can both be true but they cannot both be false. Select the code that indicates those two statements :
नीचे चार कथन दिए गए हैं। उनमें से दो आपस में इस तरह से संबंधित हैं कि वे दोनों सत्य हो सकते हैं परन्तु वे दोनों असत्य नहीं हो सकते। उस कूट का चयन करें जो उन दोनों कथनों को इंगित करता है :

Statement : /कथन

(1) Honest people never suffer.
ईमानदार व्यक्ति कभी कष्ट नहीं झेलते हैं।

(2) Almost all honest people do suffer.
लगभग सभी ईमानदार व्यक्ति कष्ट झेलते हैं।

(3) Honest people hardly suffer.
ईमानदार व्यक्ति शायद ही कष्ट झेलते हैं।

(4) Each and every honest person suffers.
प्रत्येक ईमानदार व्यक्ति कष्ट झेलता है।

Code:/कूट :

(a) (2) and (3)/ (2)और (3)
(b) (1) and (2)/ (1) और (2)
(c) (1) and (3)/ (1) और (3)
(d) (1) and (4)/ (1) और (4)

UGC NET/JRF 5 Nov 2017

Ans : (a)
(2) लगभग सभी ईमानदार व्यक्ति कष्ट झेलते हैं।
(3) ईमानदार व्यक्ति शायद ही कष्ट झेलते हैं। ये दोनों वाक्य इस तरह से संबंधित हैं कि वे दोनों सत्य हो सकते हैं परन्तु असत्य नहीं हो सकते।

155. Assertion (A) : Classroom communication is a transactional process.
अभिकथन (A) : कक्षागत सम्प्रेषण एक क्रियान्वितिकारी प्रक्रिया है।

Reason (R) : A teacher does not operate under the assumption that students' responses are purposive.
तर्क (R) : कोई भी शिक्षक इस मान्यता के अंतर्गत कार्य नहीं करता कि छात्रों की अनुक्रियाएं सोद्देश्य होती हैं।

Select the correct code for your answer :
अपने उत्तर के लिए सही कूट चुनिए :

(a) (A) is false, but (R) is true.
(A) गलत है, लेकिन (R) सही है।

(b) Both (A) and (R) are true, and (R) is the correct explanation of (A)./ (A) एवं (R) दोनों सही हैं, और (R), (A) की सही व्याख्या है।

(c) Both (A) and (R) are true, but (R) is not the correct explanation of (A)./ (A) एवं (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(d) (A) is true but (R) is false./ (A) सही है, लेकिन (R) गलत है।

UGC NET/JRF 8 July 2018

Ans. (d) : अभिकथन कक्षागत सम्प्रेषण एक कियान्विकारी प्रक्रिया है यह सत्य है लेकिन इसका दिया हुआ तर्क असत्य है। कक्षागत सम्प्रेषण एक क्रियान्वितकारी प्रक्रिया है। शिक्षक सम्प्रेषण के दौरान इस बात का ध्यान रखता है कि छात्रों की अनुक्रियाएँ सोद्देश्य होती है। अतः निम्न विशेषता को ध्यान में रखकर शिक्षक शिक्षण विधियों, नीतियों, प्रविधियों आदि के प्रयोग पर विचार करता है। शिक्षण-अधिगम में शिक्षक तथा छात्रों को एक साथ मिलकर कार्य करने के क्षेत्र में सम्प्रेषण एक प्रमुख साधन के रूप में कार्य करता है।

156. 'Every law is an evil, for every law is an infraction of liberty'. The above is:
'प्रत्येक कानून एक बुराई है, क्योंकि प्रत्येक कानून स्वतंत्रता का उल्लंघन है' उपर्युक्त है:

Easy Notes 4u Online Study

Scanned with CamScanner

(a) An argument /तर्क वाक्य
(b) An explanation of facts /तथ्यों की व्याख्या
(c) A Justification of beliefs
आस्था का औचित्य स्थापन
(d) A proposition of facts /तथ्यों की प्रस्थापना

UGC NET/JRF Shift - 2, set-10 22 Dec 2018

Ans :(a) प्रत्येक कानून एक बुराई है, क्योंकि प्रत्येक कानून स्वतंत्रता का उल्लंघन है। यह एक तर्क वाक्य है। जब दो संज्ञापद उद्देश्य विधेय के रूप में सम्बन्धित होते हैं तो उनके सम्बन्ध का कथन तर्क वाक्य कहलाता है। तर्क वाक्य सत्य या असत्य होता है, किन्तु एक साथ सत्य और असत्य नहीं हो सकता।

157. Among the following propositions (a, b, c and d) two are related in such a way that both of them together cannot be false although they may both be true. Select the code that states those two propositions.
अभिकथन (a, b, c और d) में से दो अभिकथन इस प्रकार संबंधित हैं कि उनमे से दो एक साथ कभी गलत नहीं हो सकते यद्यपि एक साथ दो सही हो सकते हैं। इन दोनों अभिकथनों को दर्शाने वाले सही कूट का चयन कीजिए।

A. All students are intelligent.
सभी विद्यार्थी बुद्धिमान होते हैं।

B. Some students are intelligent.
कुछ विद्यार्थी बुद्धिमान होते हैं।

C. No students are intelligent.
कोई भी विद्यार्थी बुद्धिमान नहीं होते।

D. Some students are not intelligent.
कुछ विद्यार्थी बुद्धिमान नहीं होते हैं।

Options: कूट

(a) A and और B (b) B and और C
(c) C and और D (d) B and और D

UGC NET/JRF Shift - 2, set-10 22 Dec 2018

Ans :(d) जब दो अंशव्यापी तर्क वाक्य I और O एक साथ असत्य नहीं हो सकते, किन्तु सत्य हो सकते हैं, तो वे विरुद्ध या उप-विपरीत कहलाते हैं। इन दो अभिकथनों को दर्शाने वाले सही कूट निम्न हैं–
(b) कुछ विद्यार्थी बुद्धिमान होते हैं।
(d) कुछ विद्यार्थी बुद्धिमान नहीं होते हैं।

158. Among the following, there are two statements which can't be true together, but can be false together. Select the code that represents them.
निम्नांकित दो कथन एक साथ सत्य नहीं हो सकते, किन्तु एक साथ असत्य हो सकते हैं। सही उत्तर के कूट का चयन करें।

1. All poets are dreamers.
सभी कवि स्वप्नदृष्टा होते हैं।
2. No poets are dreamers.
कोई कवि स्वप्नदृष्टा नहीं होता।
3. Some poets are dreamers.
कुछ कवि स्वप्नदृष्टा होते हैं।
4. Some poets are not dreamers.
कुछ कवि स्वप्नदृष्टा नहीं होते हैं।

Code : कूट :

(a) (1) and (2) (b) (1) and (4)
(c) (2) and (4) (d) (3) and (4)

UGC NET/JRF Shift - 1, set-9 22 Dec- 2018

Ans. (a) : जब दो सर्वव्यापी तर्कवाक्य 1 और 2 एक साथ सत्य नहीं हो सकते किन्तु असत्य हो सकते हैं, तो उसे विपरीत कहा जाता है।
(a) सभी कवि स्वप्नदृष्टता होते हैं। (1)
(b) कोई कवि स्वप्नदृष्टता नहीं होता है। (2)

159. Given below is a statement followed by three assumptions made from it. Which assumptions are implicit in the context of the given statement? Select the correct answer from the code given below./नीचे एक अभिकथन और इससे उत्पन्न तीन मान्यतायें दी गई हैं। दिए गए अभिकथन के सन्दर्भ में कौन-सी मान्यतायें सन्निहित हैं? दिए गए कूट में से सही उत्तर चुनें।

Statement : / अभिकथन :

'Smoking is injurious to health'– A warning printed on the cigarette packets. / 'धूम्रपान स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है' – सिगरेट के पैकेटों पर मुद्रित चेतावनी।

Assumptions : / मान्यता :

(1) People read printed matter on a cigarette packet./लोग सिगरेट पैकेट पर मुद्रित चेतावनी पढ़ते हैं।
(2) People make careful note of a warning.
लोग चेतावनी का संज्ञान लेते हैं।
(3) Non-smoking promotes health.
धूम्रपान नहीं करने से स्वास्थ्य लाभ होता है।

Code :

(a) Only (1) (b) Only (1) and (2)
(c) Only (2) (d) Only (2) and (3)

UGC NET/JRF Shift - 2, set-2 18 Dec- 2018

Ans. (c) : दिया गया अभिकथन कि "धूम्रपान स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है" – सिगरेट के पैकेटों पर मुद्रित चेतावनी होती है, जिसके पीछे यह मान्यता होती है कि लोग चेतावनी का संज्ञान लेते हैं, और उस पर अमल करते हैं।

160. Among the following, there are two statements which can't be true together, but can be false together. Select the code that represents them :
निम्नलिखित में दो कथन दिए गए हैं जो एक साथ सही नहीं हो सकते हैं, किन्तु वे एक साथ गलत हो सकते हैं। इन्हें निरूपित करने वाला कूट चुनिए :

कथन :

(a) All bats are mammals.
सभी चमगादड़ स्तनधारी हैं।
(b) Some bats are mammals.
कुछ चमगादड़ स्तनधारी हैं।
(c) Some bats are not mammals.
कुछ चमगादड़ स्तनधारी नहीं हैं।
(d) No bats are mammals.
कोई चमगादड़ स्तनधारी नहीं हैं।

कूट :

(a) (a) और (b) (b) (a) और (d)
(c) (a) और (c) (d) (b) और (c)

UGC NET/JRF Shift - 8, set-1 21 Dec- 2018

Easy Notes 4U Online Study

Scanned with CamScanner

Ans. (d) : जब दो तर्क वाक्य एक साथ सत्य नहीं हो सकते, किन्तु असत्य हो सकते हैं, तो उसे परस्पर विपरीत (contrary) कहा जाता है। दिये गये कथनों में कथन (b) कुछ चमगादड स्तनधारी है तथा कथन (c) कुछ चमगादड स्तनधारी नहीं हैं, एक साथ सही नहीं है किन्तु वे एक साथ गलत है।

161. Among the following statements, two are contradictory to each other. Select the code that represents them.
निम्नलिखित कथनों में दो कथन एक-दूसरे के परस्पर विरोधी हैं। इन्हें निरूपित करने वाला कूट चुनिए :

Statements : / कथन

(a) All surgeons are doctors.
सभी शल्यचिकित्सक चिकित्सक हैं।

(b) Some surgeons are doctors.
कुछ शल्यचिकित्सक चिकित्सक हैं।

(c) Some surgeons are not doctors.
कुछ शल्यचिकित्सक चिकित्सक नहीं हैं।

(d) No surgeons are doctors.
कोई शल्यचिकित्सक चिकित्सक नहीं हैं।

Code : / कूट :

(a) (a) and (b) (b) (a) and (d)
(c) (b) and (d) (d) (b) and (c)

UGC NET/JRF Shift- 2, set-6 20 Dec- 2018

Ans. (c) दो कथन एक-दूसरे के विरोधी तब कहे जाते हैं जब वे एक-दूसरे से विपरीत अर्थ प्रकट करें। दिये गये कथन (b) कि कुछ शल्य चिकित्सक चिकित्सक हैं, सही है यह कथन (d) कि कोई शल्य चिकित्सक चिकित्सक नहीं हैं, स्पष्ट व पूर्ण रूपेण गलत होगा। अतः उपर्युक्त दोनों कथन परस्पर विरोधी होगें।

162.Two propositions are contradictory when,
मान्यताएँ परस्पर विरोधी होती हैं जब–

(a) Truth of one proposition implies falsity of the other and vice versa.
एक मान्यता का सत्य दूसरे की मिथ्यता बताता है और विलोमतः ऐसा होता है।

(b) Truth of one proposition supposes the falsity of the other and vice versa.
एक मान्यता का सत्य दूसरे की मिथ्यता का सुझाव देता है और विलोमतः ऐसा होता है।

(c) Truth of one proposition doesn't guarantee the falsity of the other./एक मान्यता का सत्य दूसरे की मिथ्यता की गारण्टी नहीं देता

(d) Truth of one proposition rejects the falsity of the other and vice versa.
एक मान्यता का सत्य दूसरे की मिथ्यता को रद्द करता है और विलोमतः ऐसा होता है।

UGC NET/JRF Shift - 2, set-4 19 Dec 2018

Ans. (a) : मान्यताएँ परस्पर विरोधी होती हैं जब एक मान्यता का सत्य दूसरे की मिथ्या बताता है और विलोमतः ऐसा होता है।
जब दो तर्कवाक्य न तो एक साथ सत्य हो और न ही एक साथ असत्य, तब उसे व्याघाती कहते हैं।

163. Among the following identify two statements which are in such a relation that the truth of one implies the truth of the other, but not conversely.
निम्नलिखित में से ऐसे दो कथनों की पहचान करें जो ऐसे सम्बन्ध में है कि एक का सत्य दूसरे के सत्य को बताता है परन्तु विलोमतः ऐसा नहीं होता है।

कथन :

(1) All plastics are synthetic.
सभी प्लास्टिक संश्लिष्ट हैं।

(2) Some plastics are synthetic.
कुछ प्लास्टिक संश्लिष्ट हैं।

(3) Some plastics are not synthetic.
कुछ प्लास्टिक संश्लिष्ट नहीं है।

(4) No plastics are synthetic.
कोई प्लास्टिक संश्लिष्ट नहीं है।

Code :

(a) (1) and (2) / (1) और (2)
(b) (1) and (3) / (1) और (3)
(c) (1) and (4) / (1) और (4)
(d) (2) and (4) / (2) और (4)

UGC NET/JRF Shift - 2, set-4 19 Dec 2018

Ans. (a) : उपाश्रपण सम्बन्ध में उपाश्रय के सत्य होने से उपाश्रित भी सत्य हो जाता है किन्तु इसका उलटा या विलोम सम्भव नहीं है।
(1) सभी प्लास्टिक संश्लिष्ट है।
(2) कुछ प्लास्टिक संश्लिष्ट है।
अतः कथन (1) और (2) सही है।

B. युक्ति के प्रकार, निगमनात्मक और आगमनात्मक युक्ति का मूल्यांकन और विशिष्टीकरण (Evaluating and distinguishing deductive and inductive reasoning)

(i) आगनात्मक (Inductive)

164. Which of the following statements correctly apply to inductive arguments?/आगमनात्मक तर्कवाक्यों पर निम्नलिखित में से कौन से कथन सही तरीके से लागू होते हैं?

1. **They are neither conclusively valid nor invalid/वे न तो अंतिम रूप से वैध है और ना ही अवैध हैं।**
2. **Adding new premises makes no difference to the argument/नए आधारवाक्य को शामिल करने से तर्कवाक्य पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।**
3. **Adding new premises may strengthen/weaken the argument/नए आधारवाक्य को शामिल करने से तर्कवाक्य सशक्त/दुर्बल हो सकता है**
4. **Conclusion follows from premises with absolute necessity/निरपेक्ष आवश्यकता वाले आधारवाक्य से निष्कर्ष निकलते हैं।**

Choose the correct answer from the options given below/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

Easy Notes 4u Online Study

Scanned with CamScanner

(a) 1 and 4 only/केवल 1 और 4
(b) 1 and 3 only/केवल 1 और 3
(c) 2 and 4 only/केवल 2 और 4
(d) 1 and 2 only/केवल 1 और 2

NTA UGC NET/JRF June 2021(04-01-2022 Shift-II)

Ans. (b) : आगमनात्मक तर्कवाक्यों हेतु सत्य कथन है।
1. वे न तो अंतिम रूप से वैध है और ना ही अवैध हैं।
2. नए आधारवाक्य को शामिल करने से तर्कवाक्य सशक्त/दुर्बल हो सकता है।

165. This barrel contains 1000 apples. The apples selected at random were found to be ripe. Therefore probably all 100 apples are ripe. Which type of argument is exemplified in the above set of statements?
एक पेटी में 100 सेब हैं। यादृच्छिक रूप से चुने गए तीन सेब पके हुए पाए गए। इसलिए सम्भवतः सभी 100 सेब पके हुए हैं। उपर्युक्त दोनों कथनों में किस प्रकार की युक्ति का उदाहरण है?
(a) Inductive/आगमनात्मक
(b) Deductive/निगमनात्मक
(c) Hypothetical Syllogism/हेत्वाश्रित न्यायवाक्य
(d) Modus Ponens/विधायक हेतु फलानुमान

NTA UGC NET/JRF June 2021(04-12-2021 Shift-II)

Ans. (a) : "एक पेटी में 100 सेब हैं। यादृच्छिक रूप से चुने गए तीन सेब पके हुए पाए गए। इसलिए संभवतः सभी 100 सेब पके हुए हैं।" उपर्युक्त दोनों कथनों में आगमनात्मक युक्ति का प्रयोग हुआ है। घटना के एक या कुछ उदाहरणों के आधार पर किसी घटना के सभी या कई उदाहरणों के बारे में निष्कर्ष निकाला जाना आगमनात्मक युक्ति कहलाता है।

166. Given below are two statements
नीचे दो कथन दिए गए हैं:

Statement I: In the Nyaya system, inference is made from the particular to the particular through the Universal.
कथन I : न्याय दर्शन में सामान्य (युनिवर्सल) के माध्यम से विशेष से विशेष का अनुमान किया जाता है।

Statement II: In the Nyaya system, inference is made from the Universal to the Universal through the particular.
कथन II : न्याय दर्शन में विशेष के माध्यम से सामान्य (युनिवर्सल) से सामान्य (युनिवर्सल) का अनुमान किया जाता है।

In light of the above statements, choose the *most appropriate* answer from the options given below
उपर्युक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(a) Both Statement I and Statement II are correct/कथन I और II दोनों सही हैं
(b) Both Statement I and Statement II are incorrect/कथन I और II दोनों गलत हैं
(c) Statement I is correct but Statement II is incorrect/कथन I सही है, किन्तु कथन II गलत हैं
(d) Statement I is incorrect but Statement II is correct/कथन I गलत है, किन्तु कथन II सही है

NTA UGC NET/JRF June 2021(01-12-2021 Shift-I)

Ans. (c) : न्याय दर्शन में सामान्य के माध्यम से विशेष से विशेष का अनुमान किया जाता है। यह कथन सत्य है। लेकिन कथन II असत्य है। अतः विकल्प (c) सही उत्तर है।

167. Given below are two statements, one is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R)
नीचे दो कथन दिए गए हैं : पहला अभिकथन (A) और दूसरा तर्क (R) है ;

Assertion/अभिकथन (A) : If there is a contestation between Shruti and Smriti, Shruti prevails over Smriti/यदि 'श्रुति' और 'स्मृति' के बीच प्रतिस्पर्धा होती है, तो 'श्रुति', 'स्मृति' से अधिक प्रभावी होती है।

Reason/तर्क (R): Shruti represents the philosophical aspect of the Vedas and Upanishads, while Smriti is an application of the philosophical ideas/'श्रुति' वेदों और उपनिषदों के दार्शनिक पहलुओं को दर्शाती है, जबकि 'स्मृति' दार्शनिक विचारों का एक अनुप्रयोग है।

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below :
उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनें–
(a) Both (A) and (R) are correct and (R) is the correct explanation of (A)/(A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) Both (A) and (R) are correct but (R) is NOT the correct explanation of (A)/(A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) is correct but (R) is not correct/(A) सही है परन्तु (R) गलत है।
(d) (A) is not correct but (R) is correct/(A) गलत है परन्तु (R) सही है।

UGC NTA NET JRF June 2020 (24 Sept.) Shift-II

Ans. (a) : A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है। यदि 'श्रुति' और 'स्मृति' के बीच प्रतिस्पर्धा होती है, तो 'श्रुति' स्मृति से अधिक प्रभावी होती है क्योंकि 'श्रुति' वेदों और उपनिषदों के दार्शनिक पहलुओं को दर्शाती है, जबकि 'स्मृति' दार्शनिक विचारों का एक अनुप्रयोग है।

168. If January 1, 2007 was Monday then January 1, 2008 is a–
यदि 1 जनवरी 2007 को सोमवार था, तो 1 जनवरी 2008 को सप्ताह का कौन-सा दिन पड़ता है?
(a) Sunday/रविवार (b) Monday/सोमवार
(c) Tuesday/मंगलवार (d) Wednesday/बुधवार

UGC NTA NET JRF June 2020 (1 Oct.) Shift-II

Ans. (c) : अगला वर्ष 2008 लीप वर्ष है किन्तु 1 जनवरी 29 फरवरी से पहले है, इसलिये एक विषम दिन जोड़ा जाएगा अतः 1 जनवरी 2008 को मंगलवार है।

169. Which sentence cannot fit into the AEIO framework?
कौन-वाक्य ए इ आई ओ ढाँचा में उपयुक्त नहीं हो सकता है

EasyNotes4u Online Study

Scanned with CamScanner

(a) No salt has iodine/किसी नमक में आयोडीन नहीं होता है
(b) The salt on the table has iodine/मेज पर रखे नमक में आयोडीन है
(c) All salt has iodine/सभी नमक में आयोडीन है
(d) Some salt has iodine/कुछ नमक में आयोडीन है।

UGC NTA NET JRF June 2020 (12 Nov.) Shift-I

Ans. (b) : 'मेज पर रखे नमक में आयोडीन है' वाक्य ए इ आई ओ ढांचे में उपयुक्त नही हो सकता है।

170. Identify the argument which involves a leap from the known to the unknown.
उस तर्क की पहचान करें जिसमें ज्ञात से अज्ञात तक का गमन शामिल है–
(a) Deductive argument / निगमनात्मक तर्क
(b) Reductive argument / उपचयात्मक तर्क
(c) Inductive argument / आगमनात्मक तर्क
(d) Analogical argument / सादृश्यपरक तर्क

UGC NET/JRF Shift - 2, set-4 19 Dec 2018

Ans. (c) : आगमनात्मक तर्क–इस विधि में शिक्षण सूत्र 'विशिष्ट से सामान्य' की ओर या 'स्थूल से सूक्ष्म' या ज्ञात से अज्ञात की तरफ प्रयोग की जाती है। इस विधि में शिक्षार्थी के सम्मुख विभिन्न उदाहरण प्रस्तुत किए जाते हैं तथा फिर उन्हीं के माध्यम से विषयवस्तु तथा सिद्धान्त का प्रतिपादन किया जाता है।

171. Reasoning from a specific case to a general conclusion is known as :
किसी विशिष्ट मामले से सामान्य निष्कर्ष तक के तर्क को निम्नलिखित में से क्या संज्ञा दी जाती है?
(a) Scientific logic / वैज्ञानिक तर्क
(b) Inductive logic / आगमनात्मक तर्क
(c) Deductive logic / निगमनात्मक तर्क
(d) Theoretical logic / सैद्धांतिक तर्क

UGC NET/JRF Shift - 2, set-4 19 Dec 2018

Ans. (b) : किसी विशिष्ट मामले से सामान्य निष्कर्ष तक के तर्क को आगमनात्मक तर्क की संज्ञा दी जाती है। आगमनात्मक अनुमान में आधारवाक्य विशेष होते हैं जो कि अनुभव से प्राप्त होते हैं और निष्कर्ष सामान्य तर्कवाक्य होता है, जिसमें केवल आकारिक सत्यता ही नहीं वरन् वास्तविक सत्यता भी होती है।

172. Which one among the following is a presupposition in inductive reasoning?
निम्नलिखित में से कौनसा आगमनात्मक तर्क में पूर्व-कल्पित है?
(a) Uniformity of nature/प्रकृति की समरूपता
(b) Law of identity/सर्वसमिका का नियम
(c) Unchangeability in nature
प्रकृति में अपरिवर्तनीयता
(d) Harmony in nature/प्रकृति में सामंजस्य

UGC NET/JRF 8 July 2018

Ans. (a) : आगमानात्मक तर्क (Inductive Reasoning) वह तर्क है जिसमें मनुष्य किसी विशेष घटना के आधार पर किसी सामान्य सिद्धांत को प्रतिपादित करता है। आगमनात्मक तर्क में 'प्रकृति की समरूपता' पूर्व कल्पित है। इस तर्क का स्पष्टीकरण निगमनात्मक तर्क के एक उदाहरणार्थ से किया जा सकता है। जैसे–एक व्यक्ति से एक कांच का गिलास गिरकर टूट गया। दूसरी बार कांच की कुछ चूड़ियां गिरकर टूट गयी। इन सभी घटनाओं के आधार पर व्यक्ति इस निष्कर्ष पर पहुंचता है कि कांच के पात्र गिरने पर टूट जाते हैं।

173. आगमनात्मक तर्क निम्नांकित में से किस पर आधारित है?
(a) प्रकृति की एकता (b) प्रकृति की समरूपता
(c) प्रकृति की समरसता (d) प्रकृति की अखण्डता

UGC NET/JRF Jun 2015

Ans: (b) आगमनात्मक तर्क प्रकृति की समरूपता पर आधारित है। यह प्रकृति की समरसता प्रकृति की अखण्डता तथा प्रकृति की एकता पर आधारित नही होता है।

174. यदि हम विश्व के बारे में तथ्यों की नई जानकारी प्राप्त करने की कोशिश करें तो निम्न में से किस प्रकार की तर्क-शक्ति पर भरोसा करें?
(a) निगमनात्मक (b) प्रदर्शनात्मक
(c) शरीर विज्ञान सम्बन्धी (d) आगमनात्मक

UGC NET/JRF Jun 2015

Ans: (d) आगमनात्मक तर्क (Inductive Argument) - तर्क की जिस प्रक्रिया में एकाकी प्रेक्षणों के ज्ञात तथ्यों को जोड़कर अधिक व्यापक कथन निर्मित किया जाता है, आगमनात्मक तर्क कहलाता है। यह निगमनात्मक तर्क से बहुत भिन्न तर्क है।

175. आगमनात्मक तर्क किस तरह उत्पन्न होता है?
(a) सार्वभौमिक से विशिष्ट
(b) विशिष्ट से सार्वभौमिक
(c) सार्वभौमिक से सार्वभौमिक
(d) विशिष्ट से विशिष्ट

UGC NTA NET/JRF Shift- II, Set-06 June 2019

Ans : (b) : आगमनात्मक तर्क विशिष्ट से उत्पन्न होकर सार्वभौमिक की ओर अग्रेषित होता है। तर्क की जिस प्रक्रिया में एकाकी प्रेक्षणों के ज्ञात तथ्यों को जोड़कर अधिक व्यापक कथन निर्मित किया जाता है आगमनात्मक तर्क कहलाता है।

176. संसार में पाए जाने वाले तथ्यों के बारे में जानकारी हेतु कौन-सा तर्क सहायक होगा?
(a) अनुमानजन्य (b) आगमनात्मक
(c) निगमनात्मक (d) सादृश्यात्मक

UGC NTA NET/JRF Shift- II, Set-10 June 2019

Ans. (b) : संसार में पाये जाने वाले तथ्यों के बारे में जानकारी हेतु आगमनात्मक तर्क सहायक होता है। तर्क की जिस प्रक्रिया में एक या अधिक ज्ञात सामान्य कथनों के आधार पर किसी निश्चित निष्कर्ष पर पहुँचा जाता है, निगमनात्मक तर्क कहते हैं।

177. Inductive argument proceeds from
आगमनात्मक तर्क की ओर उन्मुख होता है-
(a) Particulars to particularsविशेष से विशेष
(b) Particulars to universals/विशेष से व्यापक
(c) universals to Particulars/व्यापक से विशेष
(d) Universals to universals/व्यापक से व्यापक

UGC NTA NET/JRF Shift - 1, set-7 21 Dec 2018

Ans.(b) : विशेष से व्यापक या विशेष से सामान्य की ओर उन्मुख तर्क को आगमनात्मक तर्क कहा जाता है। इसे उदाहरण से नियम की ओर, विशिष्ट से सामान्य की ओर या मूर्त से अमूर्त की ओर आदि नामों से भी जाना जाता है।

Easy Notes 4u Online Study

Scanned with CamScanner

178. The reasoning which would be helpful in seeking new knowledge of facts about the world is
विश्व के संबंध में तथ्यों का नया ज्ञान प्राप्त करने में निम्नलिखित में से कौन-सा तर्क सहायक होगा?
(a) Demonstrative/प्रदर्शनपरक
(b) Deductive/निगमनात्मक
(c) Inductive/आगमनात्मक
(d) Speculative/अनुमानपरक

UGC NTA NET/JRF Shift - 1, set-7 21 Dec 2018

Ans.(c) : आगमनात्मक तर्क ऐसा तर्क है जो विश्व के संबंध में तथ्यों का नया ज्ञान प्रदान करने के लिए सहायक है। इस विधि का प्रयोग करते समय शिक्षक बालकों के सामने पहले उन्हीं के अनुभव क्षेत्र से विभिन्न उदाहरणों के संबंध में निरीक्षण, परीक्षण तथा ध्यानपूर्वक सोच विचार करके सामान्य नियम अथवा सिद्धान्त का प्रतिपादन करता है।

179. आगमनात्मक बौद्धिकता आधारित है या पूर्वापेक्षा करती है:
(a) प्रकृति की एकरूपता (b) विश्व को ईश्वर ने बनाया
(c) प्रकृति की एकता (d) प्रकृति के नियम

UGC NET/JRF Dec 2009

Ans: (a) आगमनात्मक बौद्धिकता आधारित है प्राकृतिक समरूपता के नियम पर। यह नियम यह बताता है कि समान परिस्थितियों में प्रकृति का व्यवहार समान रूप का होता है। अर्थात् एक ही प्रकार की परिस्थितियों में एक खास कारण से हमेशा एक खास कार्य ही पैदा होता है।

180. ऐसा तर्क जिसमें हम किसी विशिष्ट कथन से प्रारम्भ करके एक सार्वभोमि कथन के साथ समाप्त करते हैं, को कहते हैं :
(a) निगमनिक तर्क (b) आगमनिक तर्क
(c) असामान्य तर्व (d) अनुभवातीत तर्क

UGC NET/JRF Dec 2010

Ans: (b) "ऐसा तर्क जिसमें हम किसी विशिष्ट कथन से प्रारम्भ करके एक सार्वभौमिक कथन के साथ समाप्त करते है" को आगमनिक तर्क कहते है।

181. आगमनात्मक तर्कशास्त्र, युक्तियाक्य किस प्रकार
(a) निष्कर्ष का समर्थन और उसके अनुगमन करने का अध्ययन करता है।
(b) निष्कर्ष का समर्थन नहीं करता, अपितु उसके अनुगमन करने का अध्ययन करता है।
(c) निष्कर्ष का ना तो समर्थन करता है, ना ही उसके अनुगमन करने का अध्ययन करता है।
(d) निष्कर्ष का समर्थन करता है, किन्तु उसके अनुगमन करने का अध्ययन नहीं करता।

UGC NET/JRF Dec 2011

Ans: (d) आगमनात्मक तर्कशास्त्र में हम प्रत्यक्ष के आधार पर अप्रत्यक्ष के बारे में कुछ ज्ञान प्राप्त करते हैं। अर्थात् निष्कर्ष का समर्थन करते हैं, किन्तु जिसके अनुगमन का अध्ययन नहीं करता है आगमनात्मक तर्क कहलाता है।

182. निम्नलिखित कथनों में से कौन से कथन असत्य हैं?
निम्नलिखित कूट में से चुनें:
1. आगमनात्मक युक्तियां सदैव विशेष से सामान्य की ओर जाती हैं।
2. युक्त युक्ति आगमनात्मक दृष्टि से मजबूत होगी।
3. वैध युक्ति का गलत पूर्वावयव और गलत निष्कर्ष हो सकते हैं।
4. युक्ति को उचित रूप से 'सच' या 'गलत' कह सकते हैं।

कोड :
(a) 2, 3 और 4 (b) 1 और 3
(c) 2 और 4 (d) 1 और 2

UGC NET/JRF June 2012

Ans: (c) आगमनात्मक युक्तियां—युक्ति-युक्त आगमनात्मक दृष्टि से मजबूत होती है तथा युक्ति को उचित रूप से सच या गलत कह सकते है। यह दोनों ही कथन असत्य होगें क्योंकि आगमनात्मक तर्क सदैव विशिष्टता से सामान्यता की ओर अग्रेषित होते है।
अतः विकल्प (c) अभीष्ट उत्तर होगा।

183. आगमनात्मक तर्क निम्नलिखित में से किसका पूर्वानुमान है?
(a) मानव स्वभाव में एकता
(b) मानव स्वभाव में सत्य निष्ठा
(c) मानव स्वभाव में एकरूपता
(d) मानव स्वभाव में सौहार्द्र

UGC NET/JRF June 2013

Ans: (c) आगमनात्मक तर्क (Inductive reasoning) - इस तर्क में शिक्षण सूत्र विशिष्ट से सामान्य की ओर या स्थूल से सूक्ष्म की ओर प्रयोग किए जाते है। इस तर्क में शिक्षार्थी के सम्मुख विभिन्न उदाहरण प्रस्तुत किए जाते हैं तथा फिर उन्हीं के माध्यम से विषय वस्तु का तथा सिद्धान्त का प्रतिपादन किया जाता है। यह विधि मनोवैज्ञानिक है तथा छोटे बच्चो के लिए अत्यन्त उपयोगी है।

B.(ii) निगमनात्मक (Deductive)

184. Pick the incorrect statement
गलत कथन को चनिए:
(a) 'Truth' and 'Falsewood' may be predicated of propositions but never of arguments/'सत्य' और 'असत्य' तर्कवाक्य के विशेषण हो सकते हैं परन्तु, तर्क के कदापि नहीं।
(b) In the case of deductive argument, the technical terms 'correct' and 'incorrect' are used/निगमनात्मक तर्क के मामले में 'सही' और 'गलत' तकनीकी पदों का प्रयोग होता है।
(c) Inductive arguments are neither valid nor invalid but evaluated as better or worse/ आगमनात्मक तर्क न तो वैध होते हैं और न ही अवैध। उनका मूल्यांकन बेहतर अथवा बदतर के रूप में किया जाता है।

Easy Notes 4u Online Study

Scanned with CamScanner

(d) The conclusion of a deductive argument follows from its premises necessarily/ निगमनात्मक तर्क का निष्कर्ष अनिवार्यतः उसकी आधारिका से निकलता है।

NTA UGC NET/JRF June 2021(26-12-2021 Shift-I)

Ans. (c) : निगनात्मक तर्क के मामले में, एक अनुमान बनाना पूर्णतः तथ्यों या आधारों पर निर्भर करता है। इसका मतलब है निगनात्मक तर्क एक विशिष्ट निष्कर्ष के निर्माण के लिए सामान्य आधारों को सम्मिलित करता है। अतः तकनीकी शब्दों 'सही' और 'गलत' निगमनात्मक तर्क को वर्णित करने के लिए उचित नहीं होगे।

उदाहरण– "सभी मनुष्य नश्वर हैं।
रवि एक मनुष्य है।
इसलिए रवि नश्वर है।"

185. The middle term is related to the major term (Sadhya) is its cause and is antecedent to it. We pass from the knowledge of the antecedent cause to that of the consequent effect. It is known as
हेतु, साध्य से इसके कारण के रूप में सम्बद्ध है और इसका पूर्वपद भी है। हम सभी पूर्वपद कारण ज्ञान से उस पारिणामिक प्रभाव तक पहुँचते हैं। इसे कहते हैं:

(a) Purvavat Anumana/पूर्ववत् अनुमान
(b) Śe□avat Anumana/शेषवत् अनुमान
(c) Sāmānyatod□□□a/सामान्यतों दृष्ट
(d) Parārtha Anumāna/परार्थ अनुमान

NTA UGC NET/JRF June 2021(24-12-2021 Shift-II)

Ans. (c) : हेतु साध्य से इसके कारण के रूप में सम्बद्ध है और इसका पूर्वपद भी है। हम सभी पूर्वपद कारण ज्ञान से उस पारिणामिक प्रभाव तक पहुँचते है इसे पूर्ववत् अनुमान कहा जाता है उदाहरण:- घने बादलों को देखकर यह अनुमान लगाया जाता है कि वर्षा होगी।

186. Which of the following statements correctly apply to deductive arguments?
A. Deductive arguments are either valid or invalid.
B. There must be a necessary relation between the premises and the conclusion.
C. Adding new premises improves the validity
D. False premises may lead to a true conclusion
Choose the correct answer from the options given below :
निम्नलिखित तर्क के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-से कथन सही हैं?
A. निगमनात्मक तर्क मान्य अथवा अमान्य होते हैं?
B. आधार वाक्य तथा निष्कर्ष के बीच आवश्यक संबंध अवश्य होना चाहिए
C. नये आधार वाक्य जोड़े जाने पर मान्यता में सुधार होता है
D. गलत आधार वाक्य से सही निष्कर्ष निकल सकता है
नीचे दिए गए विकल्पों में सही उत्तर चुनें :

(a) A, B and C only/केवल A, B और C
(b) A, B and D only/केवल A, B और D
(c) A, C and D only/केवल A, C और D
(d) B, C and D only/केवल B, C और D

NTA UGC NET/JRF June 2021(26-11-2021 Shift-II)

Ans. (b) : निगमनात्मक तर्क के संबंध में सही कथन है –
i) निगमनात्मक तर्क मान्य (वैध) तथा अमान्य (अवैध) होते हैं।
ii) आधारवाक्य तथा निष्कर्ष के बीच आवश्यक संबंध होना आवश्यक है।
iii) गलत आधार वाक्य से सही निष्कर्ष निकल सकता है।

187. Pick the incorrect statement
गलत कथन का चयन कीजिए:

(a) Truth and falsehood may be predicted of propositions but never of arguments /सत्य और असत्य तर्क-वाक्य के विशेषण हो सकते हैं परन्तु तर्क के नहीं।
(b) In the case of a deductive argument, the technical terms 'correct' and 'incorrect' are used/निगमनात्मक तर्क के मामले में तकनीकी पद 'सही' और 'गलत' प्रयुक्त होते है।
(c) Inductive arguments are neither valid nor invalid but evaluated as better or worse/आगमनात्मक तर्क न वैध न अवैध हैं अपितु बेहतर या बदतर के रूप में मूल्यांकित होते है।
(d) The conclusion of a deductive argument follows from its premises necessarily
निगमनात्मक तर्क का परिणाम आवश्यक रूप से अपने आधारिका का अनुसरण करता है।

NTA UGC NET/JRF June 2021(24-12-2021 Shift-II)

Ans. (b) : "निगमनात्मक तर्क के मापने में तकनीकी पद सही और गलत प्रयुक्त होते है।" अतः कथन गलत है।

188. Which of the following is correct about the sentence. "Some men are not married"?
"कुछ पुरुष विवाहित नहीं होते है" इस वाक्य के संबंध में निम्नलिखित में से क्या सही है?

(a) The subject is distributed/उद्देश्य वितरित है
(b) The predicate is distributed/विधेय वितरित है
(c) Both subject and predicate are distributed/ उद्देश्य और विधेय दोनों वितरित है
(d) Neither subject nor predicate is distributed/ उद्देश्य और विधेय दोनों वितरित नहीं है

UGC NTA NET JRF June 2020 (12 Nov.) Shift-II

Ans. (b) : अंशव्यापी नकारात्मक तर्कवाक्य में केवल विधेय वितरित होता है। 'कुछ पुरूष विवाहित नहीं होते हैं' अंशव्यापी नकारात्मक तर्कवाक्य है। अतः केवल विधेय वितरित है।

189. Deduction proceeds from
निगमनात्मक प्रकिया प्रवृत्त होती है-

(a) Particular to universal/विशेष से सार्वभौम की ओर
(b) Universal to particular/सार्वभौम से विशेष की ओर
(c) Particular to particular/विशेष से विशेष की ओर
(d) Universal to universal/सार्वभौम से सार्वभौम की ओर

UGC NTA NET JRF June 2020 (29 Sept.) Shift-I

Ans. (b) : निगमनात्मक प्रक्रिया प्रवृत्ति होती है सार्वभौम से विशेष की ओर शिक्षण के निगमन विधि से तात्पर्य सामान्य से विशिष्ट अथवा सामान्य विषय से विशिष्ट उदाहरण की ओर बढा जाता है।

Easy Notes 4U Online Study

Scanned with CamScanner

190. "यदि वर्षा होगी, तो सूखा समाप्त हो जाएगा। सूखा समाप्त हो गया अतः वर्षा हुई।" यह किस प्रकार का हेत्वाभास है?

(a) निगमनात्मक हेत्वाभास (b) आगमनात्मक हेत्वाभास
(c) उपगमनात्मक हेत्वाभास (d) अनौपचारिक हेत्वाभास

UGC NTA NET 2019 Shift-I (6.12.2019) Set-9

Ans. (a) : "यदि वर्षा होगी, तो सूखा समाप्त हो जाएगी। सूखा समाप्त हो गया अतः वर्षा हुई।" इस वाक्य में निगमनात्मक हेत्वाभास विद्यमान है।
यदि हेतु में इनमें से किसी गुण की भी त्रुटि हो, तो वह हेतु न रहकर हेत्वाभास बन जाता है।
निगमनात्मक तर्क के अन्तर्गत सार्वभौमिक तर्कवाक्य से दृष्टान्त परक आधार वाक्य का अनुमान लगाया जाता है। दूसरे शब्दों में तर्क की जिस प्रक्रिया में एक या अधिक ज्ञान सामान्य कथनों के आधार पर किसी निश्चित निष्कर्ष पर पहुँचा जाता है, निगमनात्मक तर्क कहलाता है।

191. निम्नलिखित में से कौन सा कथन निगमनात्मक तर्क से संदर्भ में सही है?

(a) आधार-वाक्य और निष्कर्ष के मध्य बताने वाला संबंध तथ्यात्मक है।
(b) आधार-वाक्य और निष्कर्ष के मध्य बताने वाला संबंध तार्किक अनिवार्यता का संबंध है।
(c) आधार-वाक्य और निष्कर्ष के मध्य बताने वाला संबंध आनुभाषिक अनिवार्यता का संबंध है।
(d) आधार-वाक्य और निष्कर्ष के मध्य बताने वाला संबंध सम्भाव्यता के निर्धारण का मुद्दा है।

UGC NTA NET 2019 Shift-II (5.12.2019) Set-8

Ans. (b) : निगमनात्मक तर्क-तर्क की जिस प्रक्रिया में एक या अधिक ज्ञात सामान्य कथनों के आधार पर किसी निश्चित निष्कर्ष तक पहुँचा जाता है, निगमनात्मक तर्क कहते है। दूसरे शब्दों में कहा जाय तो निगमनात्मक तर्क के अन्तर्गत दिए गए आधार वाक्य का निष्कर्ष के साथ आंतरिक एवं तार्किक संबंध होना अनिवार्य होता है। उदाहरण के लिए निम्नलिखित आधार वाक्य और निष्कर्ष को देखे-

आधार वाक्य- सभी मनुष्य नश्वर है।
अशोक एक मनुष्य है।
निष्कर्ष वाक्य- अतः अशोक नश्वर है।

192. निम्नलिखित में से क्या निगमनात्मक अनुमान का भाग नहीं है?

(a) परिवर्तन (b) प्रतिवर्तन
(c) न्यायवाक्य (d) प्रतिपरिवर्तन

UGC NTA NET 2019 Shift-I (5.12.2019) Set-7

Ans. (c) : परिवर्तन, प्रतिवर्तन तथा प्रतिपरिवर्तन निगमनात्मक अनुमान का भाग है, जबकि न्यायवाक्य निगमनात्मक अनुमान का भाग नहीं है।
न्यायवाक्य या सिल्लोगिज्म एक विशेष प्रकार का तर्क करने का तरीका है, जिसमें दो अन्य कथनों के आधार पर तीसरा कथन निकाला जाता है। अरस्तु ने न्यायवाक्य को इस प्रकार परिभाषित किया है- "वह शास्त्रार्थ जिसमें कुछ चीजे मान लेने के बाद इनसे कुछ नया और भिन्न चीज व्युत्पन्न होती है, क्योंकि चीजें ही ऐसी है।"

193. दो क्रमिक पूर्णांकों का गुणनफल संख्या 2 से विभाज्य है। अतः 4 × 5 (=20) संख्या 2 से विभाज्य है।
यह किस प्रकार के तर्क का उदाहरण है?

(a) अपगमनात्मक (b) अनौपचारिक
(c) आगमनात्मक (d) निगमनात्मक

UGC NTA NET 2019 Shift-II (2.12.2019) Set-2

Ans. (d) : दो क्रमिक पूर्णांकों का गुणनफल संख्या 2 से विभाज्य है। अतः 4× 5 = 20 संख्या 2 से विभाज्य है। यह तर्क निगमनात्मक तर्क का उदाहरण है।
निगमनात्मक तर्क में छात्र के सामने पहले सिद्धांत रखा जाता है और विभिन्न प्रकार के उदाहरण के द्वारा उसकी पुष्टि की जाती है। इस बीच में शिक्षण सूत्र सामान्य से विशिष्ट की ओर अग्रसर होता है। इस विधि के जनक अरस्तू हैं।
निगमनात्मक तर्क के सोपान निम्नलिखित है-
1. सामान्य नियमों का प्रस्तुतीकरण
2. संबंधों की स्थापना
3. उदाहरणों द्वारा परीक्षण।

194. किसी तीन लगातार पूर्ण संख्याओं का गुणनफल 6 द्वारा भाज्य हैं। अतः 3 × 4 × 5 (=60), 6 द्वारा भाज्य हैं। इसमें किस प्रकार का तर्क निहित हैं?

(a) निगनात्मक तर्क (b) आगनात्मक तर्क
(c) अवाचिक तर्क (d) अपगमनात्मक तर्क

UGC NTA NET 2019 Shift-I (2.12.2019) Set-1

Ans. (a) : किसी तीन लगातार पूर्ण संख्याओं का गुणनफल 6 द्वारा भाज्य है। अतः 3×4×5 = (60), 6 द्वारा भाज्य हैं। इसमें प्रयुक्त तर्क निगमनात्मक तर्क है।
वह तर्क जिसमें पहले छात्रों को नियम बताया जाता है, तत्पश्चात् विभिन्न प्रकार के उदाहरण देकर उस नियम की पुष्टि की जाती है, निगमनात्मक तर्क कहलाता है। निगमनात्मक तर्क में सबसे पहले सामान्य नियमों का प्रस्तुतीकरण किया जाता है उसके बाद संबंधों की स्थापना की जाती है। तत्पश्चात् उदाहरणों द्वारा उसका परीक्षण किया जाता है। इस तर्क में शिक्षण विधि सामान्य से विशिष्ट की ओर अग्रसर होती है।

195. सही कोड का चयन कीजिए-
निगमन (डिडक्टिव) तर्क यह दावा करता है कि-

I. निष्कर्ष आधार में निहित किसी भी वस्तु से अधिक का दावा नहीं करता है।
II. निष्कर्ष अन्तिम रूप से आधार/आधारों द्वारा पुष्ट होता है
III. यदि निष्कर्ष असत्य है तो आधार या तो सत्य होगा/होंगे या असत्य
IV. यदि आधार/आधार का संयोजन सत्य है, तो निष्कर्ष सत्य होगा

कोड :

(a) I और II (b) I और III
(c) II और III (d) उपर्युक्त सभी

UGC NET/JRF Dec 2012

Ans: (a) निगमन तर्क तर्क को जिस प्रक्रिया में एक या अधिक ज्ञात सामान्य कथनों के आधार पर किसी निश्चित निष्कर्ष पर पहुंचा जाता है अर्थात् निष्कर्ष के आधार में निहित किसी भी वस्तु से अधिक का दावा नहीं करता है तथा निष्कर्ष अन्तिम रूप से आधार द्वारा पुष्ट होता है।

Easy Notes 4u Online Study

Scanned with CamScanner

196. **A deductive argument is invalid if :**
निगमनात्मक तर्क अप्रमाणिक है यदि –
(a) Its premises and conclusions are all true.
इसके आधार वाक्य एवं निष्कर्ष सभी सही हों।
(b) Its premises and conclusions are all false.
इसके आधार वाक्य एवं निष्कर्ष सभी गलत हों।
(c) Its premises are all true but its conclusion is false. / इसके सभी आधार वाक्य सही हों परन्तु इसका निष्कर्ष गलत हो।
(d) Its premises are all false but its conclusion is true. / इसके सभी आधार वाक्य गलत हों परन्तु इसका निष्कर्ष सही हो।

UGC NET/JRF Set-1 Shift - 1 Dec- 2018

Ans. (c) : निगमनात्मक तर्क अप्रमाणिक है यदि इसके सभी आधार वाक्य सही परन्तु इसका निष्कर्ष गलत है। क्योंकि निगमनात्मक तर्कवाक्यों में आधार वाक्यों को सत्य मान लिया जाता है और निष्कर्ष अनिवार्यतः आधारवाक्यों से निगमित होता है और वह आधार वाक्य से अधिक व्यापक नहीं होता है।

197. **The argument which claims that its conclusion is supported by its premises conclusively is :**
तर्क जो यह दावा करता है कि इसका निष्कर्ष निर्णायक रूप से इसके आधार वाक्य द्वारा समर्थित है; कहलाता है–
(a) Analogical argument/समानतापरक तर्क
(b) Inductive argument/आगमनात्मक तर्क
(c) Demonstrative argument/प्रदर्शनात्मक तर्क
(d) Deductive argument/निगमनात्मक तर्क

UGC NET/JRF Shift - 2, set-4 19 Dec 2018

Ans. (d) : निगमनात्मक तर्क–सामान्य से विशेष निष्कर्ष निकालने की प्रक्रिया को निगमनात्मक तर्क कहते हैं। निगमनात्मक अनुमान में आधारवाक्यों को सत्य मान लिया जाता है और निष्कर्ष अनिवार्यतः आधारवाक्यों से निगमित होता है और वह आधारवाक्यों से अधिक व्यापक नहीं हो सकता है।

198. **When the conclusion of an argument follows from its premises necessarly, the agrument is called :/जब कोई निष्कर्ष किसी आधार वाक्य के तर्क से अनिवार्यतः निकलता है, तो यह कहलाता है :**
(a) Circular argument /वृत्ताकार तर्क
(b) Analogical agrument /सादृश्यमूलक तर्क
(c) Inductive agrument /आगमनात्मक तर्क
(d) Deductive argument /निगमनात्मक तर्क

UGC NET/JRF Shift - 2, set-10 22 Dec 2018

Ans : (d) जब कोई निष्कर्ष किसी आधार वाक्य के तर्क से अनिवार्यतः निकलता है, तो यह निगमनात्मक तर्क कहलाता है। निगमनात्मक तर्कशास्त्र के प्रतिपादक अरस्तु है। 'सामान्य' से 'विशेष' निष्कर्ष निकालने की प्रक्रिया को निगमनात्मक अनुमान कहते हैं। निगमनात्मक अनुमान में आधार वाक्यों को सत्य मान लिया जाता है और निष्कर्ष अनिवार्यतः आधार वाक्यों से निगमित होता है।

199. **"The relation that exists between Premises and Conclusion is that of logical necessity" – is the case with which of the following arguments?**
"आधारवाक्य और निष्कर्ष के मध्य विद्यमान सम्बन्ध तार्किक आवश्यकता है–यह मामला निम्नलिखित में से किस तर्क में होता है?
(a) Inductive / आगमनात्मक
(b) Deductive / निगमनात्मक
(c) Demonstrative / प्रदर्शनात्मक
(d) Analogical / सादृश्यात्मक

UGC NET/JRF Shift - 2, set-6 20 Dec- 2018

Ans. (b) : आधारवाक्य और निष्कर्ष के मध्य विद्यमान सम्बन्ध तार्किक आवश्यकता है यह मामला निगमनात्मक तर्क के अन्तर्गत आता है 'सामान्य' से 'विशेष' निष्कर्ष निकालने की प्रक्रिया को निगमनात्मक तर्क कहते हैं। निगमनात्मक तर्क में आधारवाक्यों सत्य मान लिया जाता है और निष्कर्ष अनिवार्यतः आधारवाक्यों से निगमित होता है और वह आधारवाक्यों से अधिक व्यापक नहीं हो सकता है।

200. **एक निगमनात्मक तर्क अवैध होता है यदि :**
(a) इसके आधार वाक्य सत्य परन्तु निष्कर्ष असत्य हैं।
(b) इसके आधार वाक्य असत्य परन्तु निष्कर्ष सत्य हैं।
(c) इसके आधार वाक्य और निष्कर्ष सभी सत्य हैं।
(d) इसके आधार वाक्य और निष्कर्ष सभी असत्य हैं।

UGC NET/JRF Jun 2015

Ans: (a) निगमनात्मक तर्क अवैध तभी हो सकता है जब निगमनात्मक तर्क का आधार वाक्य सही हो परन्तु निष्कर्ष गलत है। एक या एक से अधिक ज्ञात सामान्य कथनों के आधार पर, किसी निश्चित निष्कर्षों पर पहुँचना, निगमनात्मक तर्क कहलाता है। निगमनात्मक तर्क का एक उदाहरण निम्नलिखित है–
1. सभी प्राणी मरणशील है।
2. शेर एक प्राणी है।
अतः दोनों कथनों को सम्मिलित करने पर यह कहा जा सकता है कि शेर भी मरणशील है।

201. **उस कूट का चयन कीजिए, जो दो आधार-वाक्यों वाले निगमनात्मक तर्क के प्रसंग में सही नहीं है:**
(a) एक सही आधार-वाक्य, एक गलत आधार-वाक्य और एक गलत निष्कर्ष वाला तर्क, वैध हो सकता है।
(b) दो सही आधार-वाक्यों और एक गलत निष्कर्ष वाला तर्क वैध हो सकता है।
(c) एक सही आधार-वाक्य, एक गलत आधार-वाक्य और एक सही निष्कर्ष वाला तर्क वैध हो सकता है।
(d) दो गलत आधार-वाक्यों वाला तर्क और एक गलत निष्कर्ष वैध हो सकता है।

UGC NET/JRF July 2016

Ans : (b) निगमनात्मक तर्क = तर्क की जिस प्रक्रिया में एक या एक से अधिक ज्ञात समान्य कथनों के आधार किसी निश्चित निष्कर्ष पर पहुँच जाता है तो उसे निगमनात्मक तर्क कहा जाता है। निगमनात्मक तर्क की यह मान्यता है कि यदि आधार वाक्य सत्य है तो निष्कर्ष भी सत्य होगा। इस प्रकार निगमनात्मक तर्क के संबंध में दो सही आधार वाक्यों और एक गलत निष्कर्ष वाला तर्क वैध हो सकता है, प्रसंग में नही है।

Easy Notes 4U Online Study

Scanned with CamScanner

202. Given below are some characteristics of reasoning. Select the code that states a characteristic which is not of deductive reasoning :
नीचे तर्क की कुछ विशेषताएँ दी गई है। निम्नांकित में से उस कूट का चयन करें जो निगमनात्मक तर्क की विशेषता नहीं बताता है।

(a) The conclusion must be based on observation and experiment.
निष्कर्ष प्रेक्षण तथा प्रयोग पर आधारित होना चाहिए।

(b) The conclusion should be supported by the premise/premises.
निष्कर्ष आधार/वाक्य-वाक्यों द्वारा समर्थित होना चाहिए।

(c) The conclusion must follow from the premise/ premises necessarily.
निष्कर्ष अनिवार्यतः आधार-वाक्य/वाक्यों से निकलना चाहिए।

(d) The argument may be valid or invalid .
तर्क वैध अथवा अवैध हो सकता है।

UGC NET/JRF 22 Jan 2017

Ans : (a) निगमनात्मक तर्कवाक्य का प्रतिपादन अरस्तू ने किया था। 'सामान्य' से 'विशेष' निष्कर्ष निकालने की प्रक्रिया को निगमनात्मक तर्क कहते है। निगमनात्मक तर्क में आधारवाक्यों को सत्य मान लिया जाता है। और निष्कर्ष अनिवार्यतः आधारवाक्यों से निगमित होता है और वह आधारवाक्यों से अधिक व्यापक नहीं हो सकता है।
निगमनात्मक तर्क में तार्किक शब्द वैध और अवैध का प्रयोग किया जाता है। कोई भी निगमनात्मक तर्कवाक्य उस समय वैध हो सकता है जब आधारवाक्य सत्य हो और निष्कर्ष के लिए निश्चयात्मक साक्ष्य प्रदान करता हो।

203. A deductive argument is invalid if :
एक निगमनात्मक तर्क अप्रामाणिक है यदि :

(a) Its premises are all true but its conclusion is false./इसके सभी आधार वाक्य सही हों परन्तु इसका निष्कर्ष गलत हो।

(b) Its premises and conclusion are all true.
इसके आधार वाक्य और निष्कर्ष सभी सही हों।

(c) Its premises and conclusion are all false.
इसके आधार वाक्य और निष्कर्ष सभी गलत हों।

(d) Its premises are all false but its conclusion is true./इसके सभी आधार वाक्य गलत हों परन्तु इसका निष्कर्ष सही हो।

UGC NET/JRF 5 Nov 2017

Ans : (a) एक निगमनात्मक तर्क में कथन का कारण सही होना चाहिए। यदि कथन अर्थात् आधार वाक्य सही है तो उसका निष्कर्ष भी उसी के अनुरूप होगा। यदि आधार वाक्य सही है और निष्कर्ष उसके अनुरूप (अर्थात् सही) नही है तो तर्क अप्रमाणित माना जाएगा।
दूसरे शब्दों में निगमनात्मक तर्क में पूर्व निर्णित सिद्धांत या सामान्य सत्य से तर्क द्वारा अज्ञात सत्य को प्रभावित किया जाता है। प्रायः ज्ञात तथ्यों के आधार पर अज्ञात तथ्यों का निगमन होता है।

204. शनि और मंगल दोनों पृथ्वी की तरह ही ग्रह हैं। वे सूर्य से प्रकाश ग्रहण करते हैं और पृथ्वी की तरह ही सूर्य के चारो तरफ घूमते हैं। इसलिए उन ग्रहों पर विविध प्रकार के जीव रहते हैं जैसे कि पृथ्वी पर रहते हैं।
उक्त गद्यांश में निम्नलिखित में से किस प्रकार का तर्क निहित है?

(a) निगमनात्मक (b) फलित-ज्योतिष संबंधी
(c) सादृश्यमूलक (d) गणितीय

UGC NET/JRF Dec 2013

Ans: (a) जब दो वस्तुओं के बीच तुलना की जाती है और एक वस्तु के गुण, आकार, व्यवहार के आधार पर दूसरे वस्तु के गुण, आकार एवं व्यवहार का निर्धारण करते हैं और किसी नई परिकल्पना का निर्माण करते हैं तो उसे निगमनात्मक परिकल्पना कहते हैं।

205. निम्नलिखित किन युक्तियों में 'आधार वाक्य' और निष्कर्ष के बीच जो संबंध होता है वह तार्किक अनिवार्यता का होता है?

(a) आगमनात्मक (b) निगमनात्मक
(c) निदर्शनात्मक (d) सादृश्यमूलक

UGC NTA NET/JRF Shift- I, Set-01 June 2019

Ans : (b) निगमनात्मक तार्किक युक्तियों में 'आधार वाक्य' और निष्कर्ष के बीच जो सम्बन्ध होता है वह तार्किक अनिवार्यता का होता है। तर्क के जिस प्रक्रिया में एक या अधिक ज्ञात समान्य कथनों के आधार पर किसी निश्चित निष्कर्ष पर पहुँचा जाता है, उसे निगमनात्मक तर्क कहते हैं।

206. 'सभी न्यायाधीश निष्पक्ष हैं' यह तर्क---का उदाहरण है

(a) सार्वभौम विधेय (b) सार्वभौम निषेध
(c) विशिष्ट विधेय (d) विशिष्ट निषेध

UGC NTA NET/JRF Shift- I, Set-01 June 2019

Ans : (a) 'सभी न्यायाधीश निष्पक्ष हैं' यह तर्क सार्वभौमिक विधेय का उदाहरण है। सामान्य वाक्य सार्वभौम वाक्य है। जिसके विधेय में उद्देश्य के अन्दर भूत, वर्तमान और भविष्य से सम्बन्धित सभी उदाहरणों के सम्बन्ध में कुछ कहा जाता है जैसे–सभी मनुष्य मरणशील है। एक सामान्य या सार्वभौम वाक्य है। उसी प्रकार सभी भौतिक वस्तुएँ ऊपर से नीचे की ओर गिरती है एक सामान्य या सार्वभौम वाक्य है। ऐसे वाक्य किसी एक स्थान या एक समय के लिए सत्य नहीं होते बल्कि सभी स्थानों तथा सभी समय के लिए सत्य होते हैं।

207. वह तर्क, जिसमें इस बात पर बल दिया जाता है कि उसमें प्राप्त निष्कर्ष आधारिकाओं द्वारा पूर्णतः समर्थित है, कहलाता है :

(a) सादृश्यपरक तर्क (b) आगमनात्मक तर्क
(c) प्रदर्शक तर्क (d) निगमनात्मक तर्क

UGC NTA NET/JRF Shift- II, Set-04 June 2019

Ans. (d) : निगमनात्मक तर्क में इस बात पर बल दिया जाता है कि उसमें प्रायः निष्कर्ष आधारिकाओं द्वारा पूर्णतः समर्थित है। तर्क की जिस प्रक्रिया में एक या अधिक ज्ञात सामान्य कथनों के आधार पर किसी निश्चित निष्कर्ष पर पहुँचा जाता है, निगमनात्मक तर्क कहलाता है। नीचे एक निगमनात्मक तर्क दिया जा रहा है–

1. सभी मनुष्य मरणशील हैं।
2. राम मनुष्य है।
3. अतः राम भी मरणशील होगा।

208. उस तर्क की पहचान कीजिए जिसके अन्तर्गत सार्वभौमिक तर्क वाक्य से दृष्टांतपरक आधारवाक्य का अनुमान लगाया जा सकता है।

(a) निगमनात्मक तर्क (b) आगमनात्मक तर्क
(c) लघुकारक तर्क (d) सादृश्यमूलक तर्क

UGC NTA NET/JRF Shift- I, Set-07 June 2019

Easy Notes 4u Online Study

Scanned with CamScanner

Ans : (a) निगमनात्मक तर्क के अन्तर्गत सार्वभौमिक तर्क वाक्य से दृष्टान्तपरक आधार वाक्य का अनुमान लगाया जा सकता है। दूसरे शब्दों में तर्क की जिस प्रक्रिया में एक या अधिक ज्ञान सामान्य कथनों के आधार पर किसी निश्चित निष्कर्ष पर पहुँचा जाता है, निगमनात्मक तर्क कहलाता है।

209. In which of the following instances, deductive argument is invalid?
निम्नलिखित में से किस उदाहरण में निगमनात्मक तर्क अवैध है?

(a) When its premises and conclusion are all false
जब इसके आधार वाक्य और निष्कर्ष सभी गलत हैं।

(b) When its premises and conclusion are all true
जब इसके आधार वाक्य और निष्कर्ष सभी सही हैं।

(c) When its premises are true but conclusion is false
जब इसके आधार वाक्य सही हे परंतु निष्कर्ष गलत हैं।

(d) When its premises are false and conclusion is true
जब इसके आधार वाक्य गलत हैं परंतु निष्कर्ष सही हैं।

UGC NTA NET/JRF Shift - 1, set-7 21 Dec 2018

Ans.(c) : निगमनात्मक तर्क अवैध तभी हो सकता है जब निगमनात्मक तर्क के आधार वाक्य सही हो परन्तु निष्कर्ष गलत हो। निगमनात्मक तर्क से तात्पर्य ऐसे तर्क से है जिसमें एक या अधिक ज्ञात सामान्य कथनों के आधार पर किसी निश्चित निष्कर्षों पर पहुँचा जाता है। निगमनात्मक तर्क का एक उदाहरण निम्नलिखित है-
(i) सभी मनुष्य मरणशील है।
(ii) राम मनुष्य है।
अतः दोनों कथनों को सम्मिलित करने पर यह कहा जा सकता है कि राम भी एक मरणशील प्राणी है।

210. In a valid deductive argument, if the premises are true, then.
किसी वैध निगमनात्मक तर्क में यदि आधारवाक्य सही हों, तो-

(a) Conclusion must be false
निष्कर्ष अवश्य असत्य होना चाहिए।

(b) Conclusion can be probably true
निष्कर्ष संभवतः सत्य हो सकते हैं।

(c) Conclusion must be true
निष्कर्ष अनिवार्यतः सत्य होना चाहिए।

(d) Conclusion may some times be true
निष्कर्ष कभी-कभी सत्य हो सकता है।

UGC NTA NET/JRF Shift - 1, set-5 20 Dec 2018

Ans.(c) : यदि किसी वैध निगमनात्मक तर्क में आधारवाक्य सही हो तो निष्कर्ष अनिवार्यतः सत्य होना चाहिए क्योंकि निगमनात्मक तर्क में आधारवाक्य के आधार पर ही निष्कर्ष की उत्पत्ति होती है इसलिए यदि आधार वाक्य सत्य हुआ तो निष्कर्ष अनिवार्यतः सत्य ही होना चाहिए। जैसे-माना आधार निम्नलिखित है-
a. सभी मनुष्य नश्वर है।
b राम एक मनुष्य है।
इस प्रकार यदि दोनों आधार वाक्य सत्य है तो निश्चित रूप से या निष्कर्षतः हम यह कह सकते है कि राम भी नश्वर है।

211. वैध निगमनात्मक तर्क के आधार वाक्य :

(a) निष्कर्ष के लिए कुछ साक्ष्य देते हैं
(b) निष्कर्ष के लिए कोई साक्ष्य नहीं देते है
(c) निष्कर्ष के लिए अप्रासंगिक हैं
(d) निष्कर्ष के लिए निर्णायक साक्ष्य देते हैं

UGC NET/JRF Dec 2008

Ans: (b) निगमनात्मक तर्क में किसी प्रक्रिया के तहत एक या अधिक ज्ञात सामान्य कथनों के आधार पर किसी निश्चित निष्कर्ष पर पहुंच जाता है अर्थात् आधार वाक्य सही है तो निष्कर्ष भी सही होगा।

212. निगमनात्मक तर्क वैध होता है यदि

(a) आधार वाक्य असत्य और निष्कर्ष सत्य हो।
(b) आधार वाक्य असत्य और निष्कर्ष भी असत्य हो।
(c) आधार वाक्य सत्य और निष्कर्ष असत्य हो।
(d) आधार वाक्य सत्य और निष्कर्ष सत्य हो।

UGC NET/JRF June 2009

Ans: (d) निगमनात्मक तर्क सामान्य से विशेष की ओर एक तर्क है। निगमनात्मक तर्क एक शुरुआती बिन्दु के सही ढंग से काम करने के उद्देश्य प्रकृति को प्रतिबिंबित के रूप में सामान्य ज्ञान पर निर्भर करता है सही है लेकिन यह सही चीजों के बीच संबंध को प्रतिबिम्बित करता है निगमनात्मक और निष्कर्ष के बीच इस बात पर निर्भर करता है। आधार सही ढंग से काम करने की प्रवृत्ति का प्रतिबिम्बित साबित हो रहा है तो निगमनात्मक निष्कर्ष है कि तर्क के नियमों का पालन कियां अतः निगमनात्मक तर्क वैध होते हैं यदि आधार वाक्य सत्य और निष्कर्ष सत्य या आंशिक सत्य हो।

213. निगमनात्क तर्क का निष्कर्ष :

(a) आधार वाक्यों का योग है।
(b) आधार वाक्यों पर अनिवार्यतः आधारित नहीं होता है।
(c) आधार वाक्यों से फलित होते हैं।
(d) आधार वाक्यों से अतिरिक्त होता है।

UGC NET/JRF June 2009

Ans: (c) निगमनात्मक तर्क ज्ञान और आधार में निहित निष्कर्ष के बीच ज्ञान आवश्यक कड़ी के सामान्य आधार ज्ञान के दायरे से बाहर नहीं जाना पड़ता है।
अतः निगमनात्मक तर्क आधार वाक्यों से फलित होते हैं।

214. निगमनात्क तर्क में सम्मिलित है :

(a) पर्याप्त साक्ष्य
(b) आलोचनात्मक विचार
(c) तार्किक सम्बन्ध देखना
(d) पुनः पुनः अवलोकन

UGC NET/JRF Dec 2009

Ans: (c) निगमनात्मक तर्क में तार्किक सम्बन्ध होता है क्योंकि इस तर्क में पहले शिक्षार्थी के सम्मुख सिद्धान्तों को प्रस्तुत किया जाता है तथा उसके पश्चात विभिन्न उदाहरणों द्वारा इन सिद्धान्तों को निरूपित किया जाता है।

215. जब किसी तर्क का निष्कर्ष अंतिम रूप से अपनी आधारिका/आधारिकाओं के परिणामस्वरूप आए तो वह तर्क निम्नलिखित में से क्या कहलाता है?

(a) चक्रीय तर्क (b) आगमनात्मक तर्क
(c) निगमनात्मक तर्क (d) सादृश्यमूलक तर्क

UGC NET/JRF Dec 2013

Easy Notes 4u Online Study

Scanned with CamScanner

Ans: (c) निगमनात्मक तर्क (Deductive Argument) - यह तर्क आगमनात्मक तर्क (Inductive Argument) की विपरीत है। इस तर्क में शिक्षण सूत्र सामान्य से विशिष्ट की ओर प्रयोग किए जाते हैं। इसमें शिक्षार्थी के सम्मुख पहले सिद्धान्तों को प्रस्तुत किया जाता है तथा उसके पश्चात् विभिन्न उदाहरणों द्वारा इन सिद्धान्तों को निरूपण किया जाता है। निगमनात्मक तर्क उच्च कक्षाओं के बड़े विद्यार्थियों को लिए उपयोगी है।

216. नीचे कुछ तार्किक युक्ति के लक्षण दिये गए हैं। उस कूट का चयन कीजिए जो ऐसी विलक्षणता को दर्शाता हो जो अपने में आगमनात्मक न हो।

(a) आधारिका से निष्कर्ष के निकलने का दावा किया जाता है।
(b) निष्कर्ष कारणात्मक सम्बन्ध पर आधारित होता है।
(c) निष्कर्ष अन्ततः आधारिका से निकलता है।
(d) निष्कर्ष प्रेक्षण एवं प्रयोग आधारित होता है।

UGC NET/JRF June 2014

Ans: (c) आगनात्मक युक्ति उसे कहा जाता है जिसमें निष्कर्ष को सिद्ध करने के लिए आधार वाक्य कुछ ऐसे प्रमाण देते है, जो निष्कर्ष की सम्भावना को बढ़ा देते है, परन्तु निश्चित प्रमाण नही देते।
निष्कर्ष के लिए दिए गए साक्ष्यों को आधार वाक्य कहते है। एक युक्ति में एक या अधिक आधार वाक्य हो सकते है, परन्तु आधार वाक्य एवं निष्कर्ष दोनों के होने पर ही युक्ति संभव होती है। निष्कर्ष के बिना आधार वाक्य होने पर युक्ति नही कहलाएगी। निष्कर्ष होने पर आधार वाक्य न हो तो भी युक्ति संभव नही है। दिए गए प्रश्नानुसार निष्कर्ष अन्ततः आधारिका से निकलता है।

217. निम्नांकित में से कौन एक सही निगमनात्मक तर्क का उदाहरण है–

(a) कल की परीक्षा में किसी को 'A' ग्रेड नहीं मिला। जतिन कल स्कूल में नहीं था। जतिन आज परीक्षा देगा और 'A' ग्रेड प्राप्त करेगा।
(b) मेरे बुक-केस के ऊपरी शेल्फ में 24 और निचले शेल्फ में 14 सीडी है। मेरे बुक-केस में कोई और सीडी नहीं है। इसलिए मेरे बुक-केस में 38 सीडी है।
(c) ड्राइविंग लाइसेंस पाने के लिए आपको 16 वर्ष का होना चाहिए। अभि कल 16 वर्ष को हो जाएगा। अब अभि एक कार खरीद सकता है।
(d) सभी मनुष्य विश्व शांति के पक्ष में है। आतंकवादी विश्वशांति की परवाह नहीं करते। आतंकवादी विनाश करते हैं।

UGC NET/JRF Shift - 1, set-3 19 Dec 2018

Ans :(b) हम जानते हैं कि निगमनात्मक तर्क में आधारवाक्यों को सत्य मान लिया जाता है और निष्कर्ष अनिवार्यतः आधारवाक्यों से निगमित होता है और वह आधारवाक्यों से अधिक व्यापक नहीं हो सकता है। अतः विकल्प (b) में– मेरे बुक-केस के ऊपरी शेल्फ में 24 और निचले शेल्फ में 14 सीडी है। मेरे बुक-केस में कोई और सीडी नहीं है। इसलिए मेरे बुक-केस में 38 सीडी है। यह निगमनात्मक तर्क है।

218. Under which of the conditions an argument may be valid? Select the correct answer from the code given below :
किन परिस्थितियों में एक तर्क वैध हो सकता है? नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर चुने–

Statements :
(1) When its conclusion and premises are true.
जब इसके निष्कर्ष और आधार-वाक्य सही होते हैं।
(2) Even when its conclusion and one or more of its premises are false.
तब भी जब इसके निष्कर्ष और एक या इससे अधिक आधार-वाक्य गलत होते हैं।
(3) Only when its conclusion is true.
सिर्फ तभी जब निष्कर्ष सही होते हैं।

Code : / कूट :
(a) (1) and (3) / (1) और (3)
(b) (1) alone / सिर्फ (1)
(c) (1) and (2) / (1) और (2)
(d) (3) alone / सिर्फ (3)

UGC NET/JRF Shift - I, set-9 22 Dec- 2018

Ans. (c) : निष्कर्ष को सिद्ध करने के लिए जब आधारवाक्य निश्चित प्रमाण प्रस्तुत करते हैं, तो उसे वैध युक्ति कहते हैं–
(1) जब इसके निष्कर्ष और आधारवाक्य सही होते हैं।
(2) तब भी जब इसके निष्कर्ष और एक या इससे अधिक आधारवाक्य गलत होते हैं।

219. Analysis is either pure or applied mathematics. Only those branches of mathematics come under pure mathematics which do not use assumptions outside of its realm. Differential analysis uses differential calculus. Differential analysis is not pure mathematics. Since analysis does not use assumptions outside of its realm, so it is pure mathematics. The conclusion thus drawn is :
विश्लेषण या तो शुद्ध या प्रयुक्त गणित है। गणित की केवल वे शाखाएँ शुद्ध गणित के अन्तर्गत आती हैं जो अपने क्षेत्र के बाहर की मान्यताओं का उपयोग नहीं करते हैं। कलन विश्लेषण कलन का उपयोग नही करता है। कलन विश्लेषण शुद्ध गणित नहीं है। चूँकि विश्लेषण अपने क्षेत्र के बाहर की मान्यताओं का उपयोग नहीं करता है, इसलिए यह शुद्ध गणित है। इस प्रकार निकाला गया निष्कर्ष है:

(a) deductive /निगमित (b) inductive/आगमित
(c) collective/सामूहिक (d) descriptive/वर्णनात्मक

CG SET 2018 Paper-I

Ans. (a) : निगमन विधि, आर्थिक विश्लेषण की सबसे पुरानी विधि है, इस रीति को काल्पनिक, विश्लेषण, अमूर्त रीति आदि अनेक नामों से जाना जाता है। इस रीति अथवा विधि में सामान्य से विशिष्ट की ओर बढ़ा जाता है, अर्थात् सामान्य सत्य के आधार पर विशिष्ट सत्य की खोज की जाती है।

Easy Notes 4U Online Study

Scanned with CamScanner